कुलपति की कलम से



शिक्षा सदैव ही भारतीय समाज का महत्त्वपूर्ण एवं अविच्छिन्न अंग रहा है। इस महादेश के सदूर आरंभिक इतिहास से लेकर वर्तमान तक का लोकतांत्रिक समाज शिक्षा, ज्ञान-विज्ञान एवं विचारों की निरंतर प्रगति और बहुरंगी विरासत का अक्षुण्ण इतिहास रहा है। हमारे समाज ने शिक्षा के सभी अंगों के व्यापक और सतत विकास को ध्यान में रखते हुए अपनी लोकनीतियों का प्रणयन किया है। प्रारम्भिक शिक्षा,माध्यमिक शिक्षा एवं उच्च शिक्षा के विभिन्न महत्वपूर्ण उद्देश्यों का विभिन्न कालखंडों के आधार पर निर्धारण किया है। इसी संदर्भ में स्मरण हो कि उच्च शिक्षा के उद्देश्य को निरधारित करते हुए पं नेहरू ने कहा कि - ''विश्वविद्यालय का दायित्व मानवता, सहनशीलता, तर्क, विचारों के विकास और सत्य की खोज करना है।'' उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य है- ''श्रद्धावल्लभते ज्ञानम्।'' उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय परिवार सम्मिलित रूप से अपने इस केन्द्रीय वाक्य को व्यवहारिक स्तर पर सिद्ध करने हेतू निरंतर प्रयत्नशील रहा है उत्तराखंड मुक्त विश्वद्यालय अपने इस घोषित इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु विद्यार्थियों को सक्षम बनाने की दृष्टि से मूल्यपरक, रोजगारपरक व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की महत्ता एवं प्रत्येक नागरिक तक इस शिक्षा की पहुँच को सुनिश्चित करने हेतू प्रतिबद्ध है। साथ ही हमारा ध्येय है कि शिक्षार्थी अपनी उपाधि प्राप्त कर न केवल रोजगार की प्राप्ति करें, अपितु उनका चरित्र भी उज्जवल हो, जो कर्तव्य परायण और मूल्यनिष्ठा से ओत-प्रोत हो। जिसके परिणामस्वरूप यह विश्वविद्यालय केवल अर्जित ज्ञान के स्तर को प्रमाणित कर डिग्रियाँ देने वाली संस्था मात्र न होकर सुयोग्य और सच्चरित्र नागरिकों की प्रयोशाला के रूप में भी कार्य करता रहा है।

दूरस्थ शिक्षा समाज के उन वर्गों के सशक्तिकरण का एक प्रभावशाली माध्यम है, जो विभिन्न कारणों से औपचारिक शिक्षा से वंचित रहे हैं। दूस्थ शिक्षा पद्धित छात्र केन्द्रित शिक्षण व्यवस्था है। इसमें छात्र को सभी सहायत उन्हें केन्द्र में रखकर प्रदान की जाती है। दूस्थ शिक्षा में मूल्यपरक शिक्षा हेतु गुणवत्तापूर्ण पाठ्यसामग्री निर्माण की जाती है, क्योंकि यह पाठ्यसामग्री आधारित शिक्षा है। इसमें गुरु अपना ज्ञान पाठ्यसामग्री में लेखन के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचाता है।

मैं प्रसन्नता व्यक्त करता हूँ कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नवीन कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मैं इसके लिये सभी अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को बधाई देता हूँ, जिनके निरन्तर सहयोग से विश्वविद्यालय का सर्वतोन्मुखी विकास सम्भव हो सका है। इस वार्षिक प्रतिवेदन (2019-20) को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मापदण्ड के अनुरूप तैयार करने का प्रयास किया गया है। इसके लिये वार्षिक प्रतिवेदन के सम्पादक मण्डल के सभी सदस्य विशेष रूप से बधाई के पात्र है।

प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

आमुख (Preface)



उच्च शिक्षा द्वारा नागरिकों को अपनी रुचि, रुझान, योग्यता और क्षमता के अनुसार किसी कार्य को कुशलतापूर्वक करने योग्य बनाया जाता है। उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्ति ही प्राय: जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करते हैं। इस दृष्टि से भी उच्च शिक्षा का बड़ा महत्त्व है उसकी बड़ी आवश्यकता है। स्वतंत्र भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार हुआ है लेकिन क्या यह हमारे देश की उच्च शिक्षा, छात्रों को जीवन दृष्टि देने में या उनकी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सफल हुई है। यह एक बडा प्रश्न है! यूनेस्कों की डेलर्स कमेटि ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि किसी भी देश की शिक्षा का स्वरुप कैसा हो? रिपोर्ट बताती है कि 'किसी भी देश में प्रदान की जाने वाले शिक्षा उस देश की संस्कृति एवं प्रगति के अनुरूप हो'। नई शिक्षा नीति के पश्चात वर्तमान में हमारे देश की शिक्षा का स्वरुप इस प्रकार का होने लगा है कि देश की उच्च शिक्षा को शिक्षा की मूलभूत संकल्पना के साथ उत्तर-आधुनिक सूचना तंत्र और समाज कि डिजिटल आवश्यकताओं के अनुसार परिवर्तित किया जा रहा है। इस हेतु इसके अनुरूप पाठयक्रम,पाठयचर्या की रचना करने के प्रयोगात्मक प्रयत्न आरम्भ किए जा रहे हैं। इस हेत् शोधकार्य को बढावा देने, शिक्षा की गुणवत्ता और रोजगारपरकता को बढाने, देश की उच्च शिक्षा को मानवीय एवं नैतिक मूल्य आधारित बनाने, शिक्षा व्यवस्था को स्वायत्ता करने और उच्च शिक्षा की आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने जैसे अति महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। इन सब चिंतनीय विषयों पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का ध्यान भी केंद्रित है वर्तमान में दुरस्थ शिक्षा के माध्यम से अनेक व्यावसायिक एवं कौशलपरक पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इनके अन्तर्गत कुछ ऐसे पाठ्यक्रम भी हैं जो विषय के विशिष्टतम उपयोगों की ओर अभिमुख हैं। वे लोग जो दुर्गम एवं श्र्वर्ती स्थानों में निवास करते हैं, जिनका सम्पूर्ण जीवन हाशिए पर रहा है तथा जो समाज की मुख्य धारा से वंचित रहे हैं ऐसे सभी वर्गों को दूरस्थ शिक्षा पुनः केन्द्र में लाकर एक सम्माननीय शैक्षिक जीवन जीने के लिए सशक्त करती है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपने अनेक नूतन, समसामयिक एवं उपयोगी शैक्षणिक कार्यक्रमों को सम्प्रेषण के नवीनतम प्रयोगों तथा सम्पर्क सूत्रों द्वारा अधिक सुदृढ़ बनाता रहा है। विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य इस राज्य के त्वरित विकास एवं उन्नयन हेत् प्रशिक्षित एवं विभिन्न कौशलों में दक्ष उपयोगी मानव संसाधनों का विकास करना है तथा यह निरन्तर प्रयास है कि शिक्षा की गुणवत्ता में कभी किसी भी स्तर पर कोई समझौता न किया जाय। व्यावसायिक एवं कौशलपरक शिक्षा में तीव्रता से हो रहे बदलावों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने अपने पाठ्यक्रमों को इस प्रकार पुनर्गठित किया है कि रोजगार एवं स्व-रोजगार के नित्य नए अवसर उपलब्ध हो सकें।

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय द्वारा पाँचवीं वार्षिक प्रतिवेदन (वर्ष 2019-20) राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) के महत्वपूर्ण सात मानकों के अनुरूप निर्मित किया गया है। इसके लिए मैं सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को बधाई देता हूँ।

प्रोफेसर एच. एस. नयाल कुलसचिव उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय: एक परिचय

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना, उत्तराखण्ड शासन के एक्ट 23, 2005 द्वारा विधानसभा में पारित प्रस्ताव के माध्यम से हुई। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दुरस्थ प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा को प्रदान करना, शिक्षा को रोजगारपरक एवं तकनीकी रूप में सर्वजन सुलभ ढंग से उत्तराखण्ड के दुर्गम क्षेत्रों तक के निवासियों तक पहुँचाना तथा शिक्षा को सर्वजन सुलभ बनाना है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना को 15 वर्ष से अधिक हो चुके हैं। इन 15 वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने प्रगति की नित्य-नवीन ऊँचाइयों को छुआ है। सीमित अवधि और अल्प संसाधनों के बावजूद भी विश्वविद्यालय की अकादिमक और प्रशासनिक गतिविधियाँ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखित होती रही हैं। आज यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है, जिसकी पहुँच उसके सभी जिलों व सुद्र क्षेत्रों तक है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के मुख्यालय हल्द्वानी के अतिरिक्त देहराद्न में भी एक क्षेत्रीय परिसर है। विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केन्द्र तथा 119 अध्ययन केन्द्र हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की संरचना में क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्र उसकी धमनियों के समान हैं, जिसके माध्यम से पूर्ण विश्वविद्यालय की गति प्रवाहित होती रहती है। मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र और विकेन्द्रीकरण का अद्भुत समन्वय होता है। एक ओर इसकी अपनी संदृष्टि और कार्य-उद्देश्य की पूर्ति के लिए विभिन्न केन्द्र होते हैं, अर्थात् एक केन्द्र और फिर उसके बहुकेन्द्र। इस प्रक्रिया में केन्द्रीयता भी होती है और जनबद्ध-बोझिल एकरूपता का अभाव भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्रों पर संचालित होने वाले कार्यक्रम इसकी लोकधर्मिता, संजीवता व व्यापक प्रकार की ही प्रतिध्विन हैं। इस विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में 88 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिसमें मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान आदि विषयों से लेकर प्रबन्धन, पर्यटन जैसे रोजगारपरक विषय भी हैं। प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन में अप्रैल 2019 से लेकर मार्च 2020 तक की विश्वविद्यालयीय क्रियाकलापों का उल्लेख है।

- विश्वविद्यालय में सत्र 2019-20 में पंचम दीक्षान्त समारोह आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि माननीय कुलाधिपित राज्यपाल, उत्तराखण्ड श्रीमती बेबी रानी मौर्या थी। इस समारोह के अध्यक्षता करते हुए दीक्षान्त उद्घोधन माननीय महामिहम राज्यपाल एवं कुलाधिपित श्रीमती बेबी रानी मौर्या द्वारा दिया गया। पंचम दीक्षान्त समारोह में माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री डाँ० धन सिंह रावत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। उक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-आठ 'मानद उपाधि प्रदान करना' (धारा 5(चार)) परिनियम 36(4) में वर्णित व्यवस्थानुसार माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपित महोदया से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में उत्तराखण्ड राज्य के 02 विशिष्ट व्यक्तियों- पंडित श्री विद्यादत्त शर्मा (उनियाल) तथा श्री लवराज सिंह धर्मशक्तु, असिसटेंट कमांडेंट, सीमा सुरक्षा बल (BSF) को विश्वविद्यालय द्वारा पंचम दीक्षान्त समारोह में मानद उपाधि (Honoris Causa) प्रदान किया गया।
- सत्र 2019-20 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा पूर्व में संचालित तथा कई नवीन विषयों की मान्यता मिल जाने से विश्वविद्यालय की प्रगित में अभिवृद्धि हुई। नवीन पाठ्यक्रमों में एम.ए. (गृह विज्ञान), एम.ए. (ज्योतिष), एम.ए. (साइबर सिक्योरिटी) आदि हैं। नवीन पाठ्यक्रमों के आरम्भ किए जाने से विश्वविद्यालय में प्रवेश की संख्या में वृद्धि हुई और सत्र 2019-20 में लगभग 80 हजार विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।
- अकादिमक दृष्टि से विश्वविद्यालय की प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के लिए 40 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को विषय की अद्यतन जानकारी दी गई तथा साथ ही सम्बन्धित विषय के व्यवहार पक्ष को समझाया गया।

• उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सदस्यों द्वारा बड़े स्तर पर संगोष्ठियों में प्रतिभाग किया गया। इस अविध में विश्वविद्यालयीय सदस्यों ने 100 से ज्यादा संगोष्ठियों में व्याख्यान / शोधपत्र पढ़े।

- विश्वविद्यालय के अकादिमक सदस्यों की शैक्षणिक प्रगित भी सन्तोषप्रद रही । इस अविध में उनके द्वारा अनेक शोधपत्रों / लेखों का प्रकाशन देश के विभिन्न पत्र-पित्रकाओं में प्रकाशित हुआ।
- विश्वविद्यालय के अकादिमक सदस्यों ने बड़े स्तर पर विश्वविद्यालय की स्वअध्ययन पाठ्यसामग्री हेतु इकाई लेखन करने के साथ-साथ उनका सम्पादन भी किया।
- माननीय कुलपित प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी जी के नेतृत्व में वर्ष 2019-20 सत्र में कुल 03 कार्यपरिषद (EC) तथा 02 विद्या परिषद (AC) की बैठक हुई जिसके प्रमुख कार्यवृत्त इस प्रकार हैं -
 - विश्वविद्यालय में कार्यरत शैक्षणिक कर्मचारियों को सातवाँ वेतनमान अनुमन्य किये जाने तथा
 01-01-2016 से 31-12-2018 पर्यन्त सातवें वेतनमान का एरियर सम्बन्धित भुगतान हेतु
 अनुमोदन दिया गया।
 - विश्वविद्यालय में पूर्व से चयनित संविदा के रूप में कार्यरत 07 पदों पर नियुक्त कार्मिकों (कम्प्यूटर प्रोग्रामर के 02 पदों के लिए श्री जितेन्द्र कुमार द्विवेदी तथा श्री राजेन्द्र नाथ गोस्वामी, हार्डवेयर इंजिनियर के दो पदों के लिए श्री राजेश आर्या एवं श्री विनीत पौडि़याल, नेटवर्क एडिमिनिस्ट्रेटर-01 पद के लिए श्री मोहित रावत, प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-02 पर 01 पद के लिए श्री परमेन्दर सिंह परिहार तथा आशुलिपिक ग्रेड-01 पर 01 पद के लिए श्री संजय भट्ट) को प्रत्यावर्तित कर नियमित करने हेतु अनुमोदन दिया गया।
 - विश्वविद्यालय में कोटिवार विज्ञापित 08 सहायक क्षेत्रीय निदेशक (ARD) के पदों में से सामान्य पुरूष में 03 पद हेतु (वृजेश बनकोटी, अनिल कंडारी, भास्कर सिंह जोशी) सामान्य महिला में 02 पद हेतु (रेखा बिष्ट, प्रियंका लोहानी), अनुसूचित जाति में 01 पद हेतु (पंकज कुमार), अनुसूचित जनजाति में 01 पद हेतु (रूचि आर्या) और OBC में 01 पद हेतु (गोविन्द सिंह) के चयनित नामों का अनुमोदन दिया गया।

विश्वविद्यालय विद्या परिषद की 15वीं बैठक दिनांक 29 जुलाई, 2019 में पारित मुख्य बिन्दु

- 1. विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं के अन्तर्गत सम्पन्न अध्ययन बोर्डों (Board of Studies) की संस्तुतियों पर विचार एवं अनुमोदन हेतु प्रस्ताव।
- 2. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में परम्परागत पद्धित से पाठ्यक्रम संचालित किये जाने के संबंध में सूचना।
- 3. विश्वविद्यालय योजना बोर्ड द्वारा संस्तुत नवीन डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों को आरम्भ किये जाने की संस्तुति।
- 4. Northwest Accreditation Commission, USA द्वारा प्रदान किये जाने वाले हाईस्कूल डिप्लोमा को विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता प्रदान किये जाने के संबंध में विचार किया गया।

5. विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रश्न-पत्रों का प्रारूप निर्धारण के क्रम में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को बन्द करने का निर्णय।

- 6. दूरस्थ माध्यम से बी0ए0 एकल विषय पाठ्यक्रम चलाये जाने के संबंध में यू0जी0सी0 से प्राप्त दिशा-निर्देशों के संबंध में सूचना।
- 7. CA परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके अभ्यर्थियों को वाणिज्य एवं संबंधित विषयों में परास्नातक के समतुल्य मान्यता प्रदान किये जाने तथा उन्हें शोध कार्य हेतु अर्ह घोषित किये जाने के संबंध में विचार किया गया।
- 8. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित क्षेत्रीय केन्द्रों के राज्य की भौगोलिक स्थिति के आधार पर पुर्नगठित किये जाने पर विचार एवं निर्णय।
- 9. शोध उपाधि अधिनियम-2016 के क्रम में 'शोध निर्देशकों' को मान्यता देने के संबंध में गठित समिति की अनुशंसाओं पर विचार।
- 10. प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए (विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5 (XIV), अनुच्छेद 6 तथा 9 में आंशिक संशोधन किये जाने पर विचार।
- 11. शोध उपाधि कार्यक्रम की गुणवत्ता तथा नैक मूल्यांकन हेतु आवश्यक मानदण्ड सुनिश्चित किये जाने के लिए कार्यक्रम में मानकों की पुर्ति के संबंध में।
- 12. बाह्य शोधार्थीयों द्वारा शोध परियोजनाओं को उत्तराखण्ड मुक्त विश्विद्यालय के माध्यम से संचालित किये जाने एवं इस हेतु प्रक्रिया निर्धारित किये जाने पर विचार।
- 13. व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा द्वारा कौशल विकास हेतु चार नये डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम संचालित किये जाने के संबंध में प्रस्ताव स्वीकृत।
- 14. शासकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में संचालित ऐसे अध्ययन केन्द्र जिनमें योग पाठ्यक्रम संचालित नहीं है, के लिए दिशा-निर्देश/नियमावली बनाये जाने के संबंध में विचार।
- 15. विधि विद्याशाखा के अन्तर्गत बैंकिंग एण्ड इन्सोरेन्स लॉ एवं हयूमन राइट्स प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम संचालित किये जाने के संबंध में विचार।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना काल से कुलपतियों की सूची

कार्यकाल

क्रम सं.	नाम	कब से	कब तक
1.	प्रोफेसर एस.एस. हसन	22-11-2005	15-07-2008
2.	श्री इन्दु कुमार पाण्डेय (अतिरिक्त प्रभार)	16-07-2008	24-11-2009
3.	प्रोफेसर विनय कुमार पाठक	25-11-2009	24-11-2012
4.	प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल (कार्यकारी)	25-11-2012	13-02-2013
5.	प्रोफेसर सुभाष धूलिया	14-02-2013	13-04-2016
6.	प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल (कार्यकारी)	14-04-2016	02-05-2016
7.	प्रोफेसर नागेश्वर राव	03-05-2016	17-07-2018
8.	प्रोफेसर डी.के. नौडियाल	18-07-2018	08-02-2019
9.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	09-02-2019	अब तक

कुलसचिवों की सूची

<u>कार्यकाल</u>

क्रम सं.	नाम	कब से	कब तक
1.	डॉ. एस.ए.चारी	20-01-2006	22-06-2006
2.	श्री महादेव प्रसाद (अतिरिक्त प्रभार)	03-11-2006	05-03-2007
3.	डॉ. अनिल कुमार जोशी	06-03-2007	19-12-2007
4.	डॉ. बी.आर.पन्त (विशेष कार्यधिकारी)	20-12-2007	21-06-2010
5.	प्रोफेसर आर.सी.मिश्र	22-06-2010	27-12-2011
6.	श्री सुधीर बुड़ाकोटी	28-12-2011	24-07-2012
7.	प्रोफेसर आर.सी.मिश्र	25-07-2012	25-12-2012
8.	प्रोफेसर जी.पी. पाण्डे	26-12-2012	16-09-2013
9.	श्री लक्ष्मण सिंह रावत	17-09-2013	16-09-2015
10.	प्रोफेसर गोविन्द सिंह	16-09-2015	04-12-2015
11.	प्रोफेसर आर.सी. मिश्र	04-12-2015	18-09-2018
12.	श्री भरत सिंह	18-09-2018	12-10-2020
13.	प्रोफेसर गोविन्द सिंह	12-10-2020	29-12-2020
14.	प्रोफेसर एच.एस. नयाल	29-12-2020 से	अब तक

1. पाठ्यचर्या आयाम

(Curricular Aspects)

किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसके शैक्षणिक कार्यक्रम उसके दृष्टिगत दायित्व के परिचालक होते हैं। विश्वविद्यालय जब किसी विषय में कोई पाठ्यक्रम संचालित करता है, उससे हम उसकी क्रियात्मकता एवं समाज के प्रति उसकी दृष्टि एवं उत्तरदायित्वों को समझ सकते हैं। शैक्षणिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के आंतरिक दर्शन का बाह्य विस्तार होता है, कारण यह है कि इन्हीं के माध्यम से वह अपने शैक्षिक—सामाजिक उत्तरदायित्वों का प्रसार करता हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का ध्येय उत्तराखण्ड के दूरस्थ व्यक्तियों को उच्च शिक्षा से तो जोड़ना है ही, साथ ही विश्वविद्यालय इस बात के लिए भी कृत संकल्प है कि राज्य एवं देश के अध्येताओं को तकनीकी एवं आधुनिक विषयों को उच्च शिक्षण सामग्री के साथ प्रस्तुत करे, जिससे अध्येताओं के सामने गम्भीर चिन्तन की पृष्ठभूमि प्रस्तुत हो सके। इस समय विश्वविद्यालय 88 पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है, जो परम्परागत पाठ्यक्रम (बी.ए, एम.ए., बी.कॉम, एम.कॉम) से लेकर आधुनिक रोजगारपरक विषयों से भी जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष कुछ नए पाठ्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। इन पाठ्यक्रमों में साइबर सुरक्षा, रेडियो जॉकी जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम के साथ ही संस्कृत तथा ज्योतिष जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय इस बात के लिए कृतसंकल्प है कि वह अपने पाठ्यक्रमों में परम्परागत शिक्षा के साथ ही आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का भी समावेश कर सके।

1.1. कार्यक्रम की प्रकृति (Nature of the Programmes)

पाठ्यक्रम के बाह्य संरचना के स्तर पर इसे वार्षिक, सेमेस्टर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में विभक्त किया गया है। बी.ए, एम.ए. जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम वार्षिक हैं, जबिक एम.बी.ए., एम.जे.एम.जी एम.टी.एम, एम.एच.एम. जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर पद्धित के अनुसार रखा जाता है। भिवष्य में बी.ए, एम.ए, बी.कॉम, एम.कॉम जैसे पारम्परिक पाठ्यक्रमों को भी सेमेस्टर पद्धित के अंतर्गत रखे जाने की योजना है। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत रखा गया है।

1.2. पाठ्यक्रम और क्रेडिट प्रणाली (Syllabus and Credit System)

मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धित में प्रत्यक्ष शिक्षण पद्धित के कक्षा—अध्यापन के समतुल्य स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है। यह अध्ययन सामग्री कक्षा अध्यापन का लिखित प्रतिरूप है, इसलिए एक विशेष व्यवस्था के तहत इसे नियोजित किया जाता है। पाठ्यक्रमों की समयाविध सुनिश्चित करने के लिए इन्हें क्रेडिट प्रणाली के अंतर्गत विभाजित किया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में विभिन्न श्रेणी के पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग क्रेडिट्स तथा अध्ययन अविध निर्धारित की गयी है। इस व्यवस्था में एक (01) क्रेडिट का अभिप्राय 30 घंटे के छात्र अध्ययन के बराबर माना जाता है, जिसमें समस्त अध्ययन गतिविधियाँ शामिल हैं, जैसे: पढ़ने और स्वअध्ययन सामग्री (SLM) को समझने, ऑडियो सुनने, वीडियो देखने, परामर्श सत्र में भाग लेने, दूरसंवाद और सत्रीय कार्य लेखन, इत्यादि।

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित क्रेडिट एवं सामान्य अवधि का विवरण निम्नवत हैं-

पाठ्यक्रम	निर्धारित क्रेडिट	पाठ्यक्रम की सामान्य अवधि
प्रमाण-पत्र	12-18	6 मास
डिप्लोमा / पी.जी. डिप्लोमा	28-36	1 वर्ष
स्नातक उपाधि (सामान्य / व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष
स्नातक उपाधि (प्राविधिक)	160-105	5 वर्ष

द्वितीय स्नातक उपाधि	32	1 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (सामान्य)	60-66	2 ਕਥੰ
स्नातकोत्तर उपाधि (प्राविधिक/व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष

1.3. विद्याशाखाएं (Schools)

वर्तमान में, विश्वविद्यालय 14 विद्याशाखाओं एवं 52 विभागों के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। ये विद्याशाखाएं निम्नलिखित हैं:-

- 1. कृषि एवं विकास अध्ययन
- 2. कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी
- 3. स्वास्थ्य विज्ञान
- 4. विज्ञान
- 5. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
- 6. प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य
- 7. शिक्षाशास्त्र
- 8. मानविकी
- 9. समाज विज्ञान
- 10. विधि
- 11. पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन
- 12. पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबंधन
- 13. व्यावसायिक अध्ययन
- 14. भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान

1.4. पाठ्यक्रम एवं स्व-अध्ययन सामग्री(Curriculum and SLM)

मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षा पद्धित का आधार स्वचिंतन, स्वाध्याय एवं स्व-निर्माण है। प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धित का आधार गुरू ज्ञान एवं गुरू व्यक्तित्व की समीपता है। प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धित में गुरू-शिष्य संवाद की पर्याप्त गुंजाइश तो है, किन्तु धीरे-धीरे उनका स्थान शिलाधर्मी गुरूओं के एकालापी वक्तव्य ने ले ली है। फलत: प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धित एकालाप तथा ज्ञान के आतंक तक सीमित होती चली गयी। मुक्त शिक्षण पद्धित ज्ञान के एकालापी पद्धित की जगह गुरू-शिष्य संवाद को स्थापित करती है। मुक्त विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री गुरू की लिखित उपस्थिति है। श्रेष्ठ लेखकों /प्राध्यापकों द्वारा निर्मितअध्ययन सामग्री छात्रों को इस योग्य बनाती है कि वह स्वयं ही ज्ञान के आत्मसातीकरण की प्रक्रिया को सुनिश्चित कर सकें। ज्ञान की सार्थकता तब तक नहीं होती जब तक कि वह छात्र के भीतर स्वयं ही प्रश्न निर्मित करने की योग्यता न उत्पन्न कर दे। मुक्त शिक्षा पद्धित में स्तरीय अध्ययन सामग्री के माध्यम से हम यह कार्य करते हैं। स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण में मनोवैज्ञानिक पद्धित का प्रयोग करते हुए छात्र के वातावरण, उसकी मानसिक गित-स्थिति तथा प्रश्नों –सामग्री के क्रमिक विस्तार के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया जाता है।

पाठ्यसामग्री का निर्माण दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अत्यन्त महत्वपूर्ण घटकों में से है। पाठ्यक्रमों को सहज एवं बोधगम्य बनाने हेतु उन्हें सबसे पहले विषय केंद्रित खण्डों (ब्लॉक) में विभक्त किया जाता है। तत्पश्चात् प्रत्येक खण्ड को चार से छ: छोटी-छोटी इकाइयों में विभक्त किया जाता है। इस प्रक्रिया का मुख्य ध्येय यह है कि

विद्यार्थी एक या दो चरण में एक इकाई का पूर्ण अध्ययन कर सके। पाठ्यवस्तु की शैली इस प्रकार नियोजित की जाती है कि वह कक्षा में अध्यापक की उपस्थित को प्रतिबिंबित कर सके। इसिलए विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री के बीच-बीच में ऐसे प्रश्नों की श्रृंखला दी जाती है, जो उन्हें प्रेरित करने के साथ —साथ उस पाठ का तथ्यपरक ज्ञान भी करा सकें। कठिन तथा पारिभाषिक शब्दावली की आख्या द्वारा जटिल तथ्यों एवं विचारों को बोधगम्य बनाया जाता है। अध्ययनार्थियों को व्यापक एवं गहन अध्ययन के लिए उस विषय के महत्वपूर्ण तथा सहायक ग्रन्थों की सूची उपलब्ध करायी जाती है। इकाई के अन्त में दिये गये प्रश्न परीक्षा की तैयारी में विद्यार्थियों के लिए सहायक सिद्ध होते हैं।

1.5. ऑडियो – विजुअल सामग्री (Audio-visual Material)

दूरस्थ शिक्षा पद्धित को रोचक एवं प्रभावशाली बनाये जाने हेतु कुछ पाठ्यक्रमों में ऑडिया-विजुवल व्याख्यानों को विकसित किया गया है। ऑडियो-विजुअल की कुछ सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। भविष्य के लिए यह प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु इकाई/ ब्लॉक के अनुसार ऑडियो- विजुअल सामग्री का विकास किया जाए फलस्वरूप विद्यार्थी को पाठ्य की सामग्री समझने में और अपनी समझ को और अधिक बढ़ाने में सहायता मिल सके। विश्वविद्यालय के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत ऑडियो–विजुअल व्याख्यानों को 'एडुसेट' के माध्यम से सरकारी महाविद्यालयों मे अपने स्वयं के अध्ययन केंद्रो से प्रसारित करने की योजना है,जिससे विद्यार्थियों को इसका अतिरिक्त लाभ मिल सके। इस दिशा में हमारे केंद्र कार्य कर रहे हैं और वे सफल रहे हैं।

1.6. स्व-अध्ययन पाठ्यसामग्री लेखन एवं प्रशिक्षण (Study material writing and training)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के कुछ एक वर्षों में ही अपनी पाठ्य सामग्री का निमार्ण प्रारंभ करा दिया था। आज विश्वविद्यालय ने लगभग सारे विषयों में अपनी पाठ्य सामग्री निर्मित कर ली है। विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री नवीन ज्ञान-विज्ञान, शोधपरक दृष्टि एवं तथ्यात्मकता से युक्त है। प्रत्येक विषय के समन्वयक के निर्देशन में विषय विशेषज्ञों की सहायता से विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री प्रत्यक्ष शिक्षण का विकल्प होता है, इसलिए इसकी लेखन-प्रक्रिया सामान्य पुस्तक लेखन प्रक्रिया से भिन्न होती है। सामान्य लेखन में लेखक अपने मतों को अपने दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत कर देता है। उसके लेखन के केंद्र में कोई निश्चित पाठक नहीं होता। अत: वह अपने मत को व्यक्तिगत रूप देकर लिखता है। इस लेखन की अपनी स्तरीयता के अनुरूप ही पाठक स्वयं तय हो जाते हैं।

अत: लेखक पाठ की सम्प्रेषणीयता से मुक्त होता है, किन्तु मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री का निमाण सुनिश्चित पाठक के आधार पर होता है। इसलिए इसकी प्रक्रिया सरल भी होती है और ज्यादा वस्तुनिष्ठ भी। स्व-अध्ययन सामग्री का लेखन एक विशेष पद्धित (संवादात्मक) पर होता है, इसलिए यह पद्धित व्याख्यात्मक पद्धित से भिन्न होती है। इन्हीं कारणों से जब स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है, तब इसके लेखन में विशेष सावधानी की आवश्यकता पड़ती ही है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय समय-समय पर बाह्य एवं आंतरिक विषय-विशेषज्ञों की सहायता से स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण की कार्यशाला आयोजित करता रहता है, जिससे उच्च पाठ्यसामग्री निर्मित हो सके। इस प्रकार के पाठ्यसामग्री लेखन की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण से एक तो विश्वविद्यालय की पाठ्यसामग्री उन्नत होती है तो दूसरे उनमें एकरूपता भी आती है।

विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री की रूपरेखा इस प्रकार है -

क्रम संख्या	विषय	विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री
1.	अंग्रेजी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
2.	हिन्दी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
3.	संस्कृत	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
4.	ज्योतिष	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
5.	उर्दू	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
6.	संगीत	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
7.	समाज कार्य	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
8.	इतिहास	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
9.	लोक प्रशासन	बी0ए0 व एम.ए. (प्रथम वर्ष)
10.	राजनीति विज्ञान	बी0ए0 व एम0ए0 (प्रथम वर्ष)
11.	योग	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
12.	गृह विज्ञान	डीपीएचसीएन व बी0ए0
13.	पर्यटन	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
14.	होटल मैनेजमेन्ट	डीएचएम & बीएचम
15.	अर्थशास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
16.	शिक्षाशास्त्र	बी0ए0 व एम0ए0/ बी0एड0 (शिक्षाशास्त्र) एवं बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा)
17.	जन्तु विज्ञान	बीएससी (जन्तु विज्ञान)
18.	रसायन विज्ञान	बीएससी (रसायन) एवं एमएससी प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर
19.	वनस्पति विज्ञान	बीएससी (वनस्पति विज्ञान)
20.	भौतिकी	बीएससी (भौतिकी) प्रथम व द्वितीय वर्ष
21.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	बी0 लिब0
22.	मनोविज्ञान	बी0ए0
23.	समाज शास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
24.	भूगोल	बी.ए. प्रथम व द्वितीय वर्ष

विषयवार अध्ययन सामग्री की सूची

1.7 कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशाला/परियोजना कार्य

1.7.1 मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धित में ज्ञान तथा पाठ को सैद्धान्तिक रूप देकर ही छोड़ नहीं दिया जाता अपितु उसे व्यावहारिक निकष पर भी परखा जाता है। ज्ञान को व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। कार्यशाला को एक प्रकार से हम सैद्धान्तिक ज्ञान का व्यावहारिक परीक्षण या उपस्थापन के रूप में समझ सकते हैं। कार्यशाला आयोजन के पीछे मुख्य मत यह है कि छात्र द्वारा अध्ययन सामग्री के वाचन पश्चात उसके ज्ञान की व्यावहारिक उपस्थिति का पता

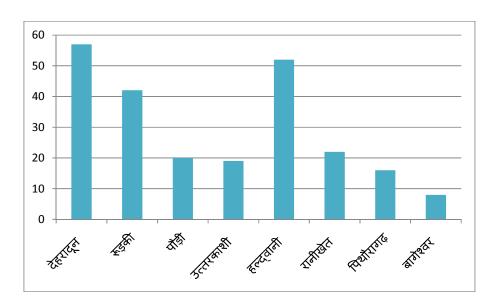
लगाना। इन कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अतिरिक्त बाह्य विषय-विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जाता है, जिससे छात्र विषय को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक रूप में ग्रहण करने की समुचित योग्यता धारण कर सके।

विज्ञान, शिक्षा, समाज कार्य, मनोविज्ञान, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशालाओं का प्रावधान किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की प्रायोगिक समझ विकसित हो सके। इसके अतिरिक्त कुछ पाठ्क्रमों में परियोजना कार्य पाठ्यक्रम के अनिवार्य भाग के रूप में शामिल किया गया है, जिससे विद्यार्थी के प्रायोगिक/व्यावहारिक/शोधपरक ज्ञान में वृद्धि हो सके।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षण पाठ्यक्रम मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्रों की त्रिस्तरीय व्यवस्था द्वारा संचालित होते हैं। राज्य के विभिन्न भागों में स्थित 8 क्षेत्रीय केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा नियन्त्रित तथा निर्देशित होते हैं। प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र अपने क्षेत्र में स्थित अध्ययन केन्द्रों और विश्वविद्यालय के बीच समन्वय तथा सिक्रय सहयोग की भूमिका निभाते हैं। अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय कार्यालय तथा विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार छात्रों का प्रवेश, पाठ्य-सामग्री परामर्श तथा प्रयोगात्मक कार्य से सम्बन्धित सभी कार्यों का सम्पादन करते हैं। समस्त शिक्षण कार्यों का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित अध्ययन केन्द्रों से ही होता है। इस समय विश्वविद्यालय में 88 अध्ययन केंद्र हैं।

1.8 निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं (आर.एस.डी.)

विश्वविद्यालय मुख्यालय में क्षेत्रीय सेवा प्रभाग की स्थापना की गयी है। यह प्रभाग 8 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं 119 अध्ययन केन्द्रों का नियमन एवं समन्वय कर रहा है। यह अनुभाग क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों के संचालन का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अनुप्रयोग स्थिर करता है। (देखें परिशिष्ट – XII & XIII)



क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थिति

1.9 क्षेत्रीय केन्द्र

क्षेत्रीय केन्द्रों का कार्य अध्ययन केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के बीच शैक्षिक पाठ्यक्रमों हेतु समन्वय स्थापित कर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को उत्तराखण्ड के दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाना है। ये केन्द्र सामान्यतः भौगोलिक पहुंच एवं अध्ययन केन्द्रों की परिस्थिति के दृष्टिकोण से बीच की जगह में स्थापित किये गये हैं। ऐसे

आठ क्षेत्रीय केन्द्र, जिसमें से चार गढ़वाल मण्डल में (देहरादून,रूड़की,पौड़ी एवं उत्तरकाशी) तथा चार कुमाऊँ मण्डल (रानीखेत, हल्द्वानी, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़) में स्थापित किये गये हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

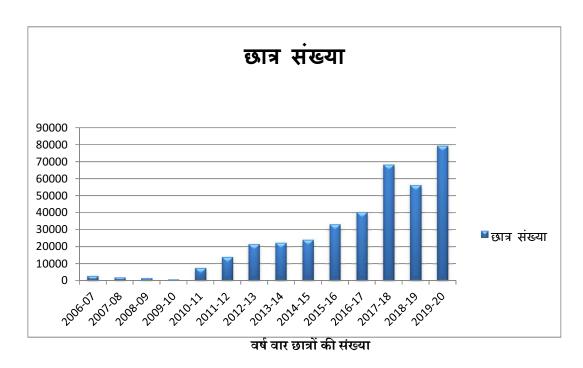
1.10 अध्ययन केन्द्र

अध्ययन केन्द्र मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धित की प्राथमिक इकाई हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के द्वारा समुचित कार्यवाही के उपरान्त अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की जाती है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी सुविधानुसार अध्ययन केन्द्र चुनने की स्वतंत्रता होती है। छात्रों के प्रवेश के साथ साथ उनके लिए परामर्श सत्रों तथा प्रयोगात्मक कार्यों की व्यवस्था भी अध्ययन केन्द्रों द्वारा की जाती है। इन केन्द्रों के माध्यम से प्रत्येक छात्र अपने विश्वविद्यालय से निरन्तर जुड़ा रहता है।

2. शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन (Teaching: Learning and Evaluation)

2.1 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्षवार छात्र संख्या

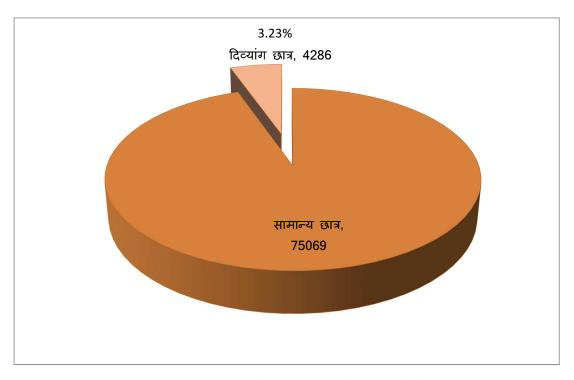
क्र.सं.	शैक्षिक सत्र	छात्र संख्या
1	2006-07	2776
2	2007-08	1898
3	2008-09	1503
4	2009-10	629
5	2010-11	7380
6	2011-12	13729
7	2012-13	21316
8	2013-14	22272
9	2014-15	23875
10	2015-16	33095
11	2016-17	40,281
12	2017-18	68,230
13	2018-19	56,014
14	2019-20	79,355



उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की छात्र संख्या में 2011-12 के पश्चात् क्रमश: वृद्धि होती रही है। यह तथ्य ऊपर दी गयी सारिणी में आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि 2006-07 में हमारी छात्र संख्या महज 2776

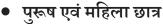
थी जो कि वर्ष 2019-20 में 79,355 पहुँच चुकी है। विगत वर्ष विश्वविद्यालय को UGC से कुछ अतिरिक्त नवीन पाठ्यक्रम की मान्यता मिल जाने से इस वर्ष छात्र संख्या में अभिवृद्धि हुई।

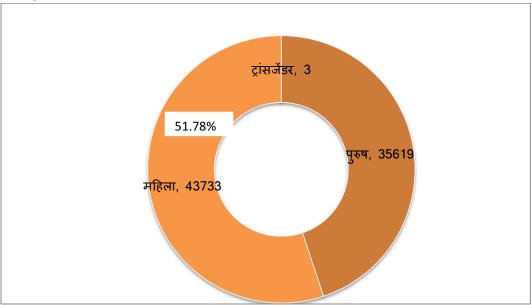
सामान्य / दिव्यांग छात्र



सामान्य/ दिव्यांग छात्र वर्तमान परिस्थिति

विश्वविद्यालय सामान्य छात्रों के साथ-ही-साथ दिव्यांग छात्रों के लिए भी कृतसंकल्प है। विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष कुल 56,014 छात्रों में से 1779 दिव्यांग छात्र थे। सत्र 2019-20 में 79,355 छात्रों में इनकी संख्या 4286 हो गई। कोई भी समाज नहीं चाहता कि उसके यहाँ अप्राकृतिक रूप से कोई व्यक्ति अपने अस्तित्व का निवर्हन करे। बावजूद इसके हमारा दायित्व है कि दिव्यांग छात्रों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने दिव्यांग छात्रों के लिए समय-समय पर विशेष कार्यशालाओं का आयोजन तो करता ही रहता है, साथ– ही-साथ अन्य मानवीय सहायता एवं सुविधा भी उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय का यह ध्येय है कि वह दिव्यांग छात्रों के भीतर आत्मविश्वास का संचार कर उन्हें इस योग्य बना दे, जिससे वह समाज की मुख्यधारा में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।





उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पुरूष और महिला दोनों वर्गों के समान अधिकार व विकास का पक्षधर है। बावजूद हमने महिलाओं की सुविधा को विशेष रूप से दृष्टिगत रखा है। अपने महिला कर्मचारियों को ध्यान में रखते हुए हमने हमेशा उनको आगे रखा है। पुरूष और महिला छात्रों की संख्या में भी इसीलिए समानता है, बिल्क महिला छात्रों की संख्या पुरूषों की अपेक्षा कुछ ज्यादा ही है। पिछले वर्ष 30111 छात्रों के मुकाबले 25903 छात्रायें थीं जिसमें कमी हुयी थी। किन्तु इस सत्र 2019-20 में 35619 छात्रों के मुकाबले छात्राओं की संख्या 43733 हैं। विगत वर्ष के अपेक्षा इस वर्ष महिला छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि हम छात्राओं के प्रति एक अनुकूल अध्यापन परिसर का निर्माण विकास करने में सफल रहे हैं।

• जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्र विभाजन

Category-wise Numbers of Students

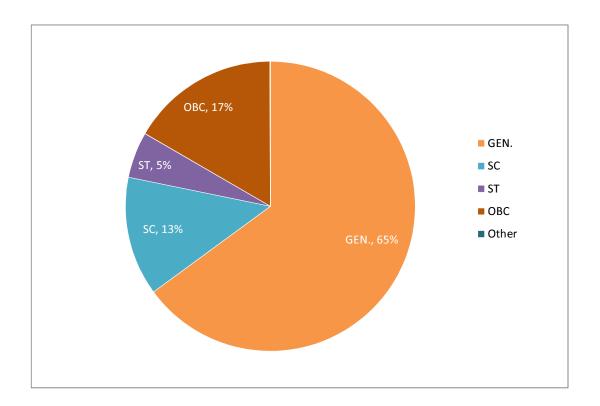
	<u> </u>			
Year	GEN.	SC	ST	OBC
2012-13	16994	2095	508	3798
2013-14	16240	2062	537	3690
2014-15	16825	2348	744	4403
2015-16	28881	1375	717	2569
2016-17	26287	4022	1896	8076
2017-18	45995	7517	2707	12011
2018-19	37710	6523	2477	9304
2019-20	51911	10494	3972	12938
	<u> </u>		7. 0	•

वर्ष वार जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्रों की संख्या

किसी भी समाज का सर्वांगीण विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक कि उस समाज के सभी वर्ग मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन जाते। भारतीय समाज का एक बड़ा अंतर्विरोध या विशेषता इसका जाति विभाजित समाज है। पूर्व की अपेक्षा आज हमारे समाज के सभी वर्गों की जातियाँ सामाजिक गतिशीलता में अपना योग दे रही हैं। एक अध्ययन परिसर के भीतर हमारा यह दायित्व है कि हम सभी वर्गों के लिए समान सुविधा व अवसर को विकसित कर सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने समाज कल्याण विभाग की सहायता से अनुसूचित जाति व जनजाति जाति के शुल्क वापसी का प्रावधान भी नियत किया है। विश्वविद्यालय के समावेशी चिरत्र ने सभी वर्ग के छात्रों में अपनी विश्वसनीयता निर्मित की है। पिछले सत्र में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ी जाति के 9304 छात्र थे, जबिक अनुसूचित जाति के 6523 एवं अनुसूचित जनजाति के 2477 छात्र नामांकित थे। इस वर्ष संख्या में वृद्धि हुई हैं। सत्र 2019-20 में पिछड़े छात्रों की संख्या 12938 हो गई है, जबिक अनुसूचित जाति के 10494 छात्र एवं अनुसूचित जनजाति के 3972 छात्र नामांकित हैं।

विश्वविद्यालय में जाति वर्गीकरण के आधार पर नीचे दिए गए चार्ट द्वारा वर्षवार छात्रों की स्थिति का अवलोकन किया जा सकता है।



2.2 विद्याशाखाओं की अकादिमक गतिविधियाँ (SCHOOL-WISE ACADEMIC ACTIVITIES)

मानविकी विद्याशाखा (SCHOOL OF HUMANITIES)

अंग्रेजी विभाग

 अंग्रेजी विषय में प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल जी के निदेशकत्व में तथा विभागीय सहायक प्राध्यापक डॉ. सुचित्रा अवस्थी के द्वारा पूर्व से संचालित एम0ए0 पाठ्यक्रम को वार्षिक प्रणाली से सेमेस्टर प्रणाली में परिवर्तित करने सम्बन्धित कार्य पूर्ण किया गया।

संस्कृत विभाग

- दिनांक 1 फरवरी 2020 को संस्कृत विषय की अध्ययन परिषद (BOS) की वैठक सम्पन्न हुई। वैठक निदेशक मानविकी विद्याशाखा के संयोजकत्व में एवं पाठ्यक्रम समन्वयक डाँ0 देवेश कुमार मिश्र, डाँ0 नीरज कुमार जाशी और बाह्य विषय विशेषज्ञ (प्रोफे0 ब्रजेश कुमार पाण्डेय, प्रोफे0 रमाकान्त पाण्डेय, प्रोफे0 कौस्तुभानन्द पाण्डेय) के साथ मिलकर एम. ए. संस्कृत को वार्षिक प्रणाली से परिवर्तित कर सेमेस्टर प्रणाली की दृष्टि से संशोधित एवं परिवर्तित किया गया। जिसमें कुल 18 प्रश्नपत्रों का पाठ्यक्रम निर्माण किया गया। एवं पूर्व में संचालित आधार पाठ्यक्रम तथा संस्कृत भाषा में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम FCSL/CSL के पूर्व निर्मित पाठ्यक्रम को अध्ययन परिषद द्वारा संस्तुति प्रदान की गयी।
- डॉ0 देवेश कुमार मिश्र के द्वारा तीन शोध पत्रों का प्रकाशन एवं विभिन्न सम्मेलनों में मुख्यवक्ता के रूप में प्रतिभाग किया।
- डॉ० नीरज कुमार जोशी द्वारा सेमेस्टर प्रणाली की अध्ययन सामाग्री का सम्पादन एवं लेखन कार्य किया
 गया।

🌣 हिन्दी विभाग

• दिनांक 14 सितम्बर 2019 को विश्वविद्यालय में हिन्दी दिवस समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलपित प्रोफ़ेसर ओ.पी.एस.नेगी द्वारा की गयी। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपित प्रोफ़ेसर नेगी ने कहा कि हिन्दी मात्र भौतिक भाषा न होकर सम्पूर्ण राष्ट्र की जातीय चेतना का प्रतीक है। विषय विमर्श प्रस्तोता के रूप में बोलते हुए प्रोफ़ेसर एच. पी. शुक्ल ने कहा कि महान भाषा संस्कृत के दाय को जिस भाषा ने सर्वाधिक सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया और उस परम्परा का विकास किया, वह भाषा हिन्दी ही है। कुलसचिव श्री भरत सिंह ने सभी उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का समन्वयन एवं संचालन डॉ. राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशकगण, अधिकारीगण, शिक्षक एवं कार्मिक उपस्थित थे।



हिन्दी दिवस समारोह की छायाचित्र

ज्योतिष विभाग

दिनांक 1-2 फरवरी 2020 को ज्योतिष-कर्मकाण्ड विभाग में मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एच.पी. शुक्ल जी के संयोजकत्व एवं ज्योतिष विभागीय सहायक प्राध्यापक एवं समन्वयक डॉ. नन्दन कुमार तिवारी, नवागत अकादिमक परामर्शदाता डॉ. प्रभाकर पुरोहित तथा बाह्य विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी- कुलपित, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार, प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय- अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं प्रोफेसर रामराज उपाध्याय -अध्यक्ष, पौरोहित्य विभाग, LBS, नई दिल्ली की उपस्थिति में अध्ययन पिरषद् (BOS) की बैठक हुई। बैठक में एम.ए. (ज्योतिष) पाठ्यक्रम को वार्षिक प्रणाली से सेमेस्टर प्रणाली में संशोधित एवं परिवर्तित कर (चार सेमेस्टर में विभक्त कर तथा 18 पत्रों का निर्माण कर) संचालित किये जाने की संस्तुति दी गयी। पूर्व से संचालित पाठ्यक्रमों - फलित ज्योतिष में डिप्लोमा, वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा, फलित ज्योतिष में प्रमाण-पत्रादि में संशोधन कर संचालित किये जाने की संस्तुति दी गयी। इसके साथ ही पूर्व से संचालित बी.ए. कर्मकाण्ड (एक विषय के रूप में) के तृतीय वर्ष का द्वितीय पत्र – प्रायोगिक को निरस्त करते हुए उसके स्थान पर ''सूक्त पाठ, स्तोत्र, व्रतोद्यापन एवं दानादि विधान'' नवीन पत्र निर्मित कर संचालित किये जाने की संस्तुति प्रदान किया।

उक्त के अतिरिक्त अध्ययन परिषद् ने तीन नवीन पाठ्यक्रम - वास्तु शास्त्र में डिप्लोमा (एकवर्षीय), चिकित्सा ज्योतिष में डिप्लोमा (एकवर्षीय) तथा वैदिक सृष्टि विज्ञान में प्रमाण पत्र (षाण्मासिक) का पाठ्यक्रम तैयार कर संस्तुति प्रदान की। इसके साथ ही अध्ययन परिषद् ने ज्योतिष विषय में शोध कराने हेतु भी संस्तुति प्रदान किया।



ज्योतिष विभागीय अध्ययन परिषद की छायाचित्र

• डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 19 नवम्बर 2019 को उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी एवं उत्तराखण्ड सरकार के संयुक्त तत्वावधान में हल्द्वानी स्थित कपिलाश्रमी संस्कृत महाविद्यालय में आयोजित एकमासिक ज्योतिष-पौरोहित्य प्रशिक्षण में 'विशिष्ट अतिथि/मुख्य वक्ता' के रूप में 'ज्योतिष एवं पौरोहित्य' विषय पर व्याख्यान दिया गया।



डॉ. नन्दन कुमार तिवारी- कपिलाश्रम महाविद्यालय, हल्द्वानी में व्याख्यान देते हुए

• डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन (2018-19) निर्माण सम्बन्धित कार्य पूर्ण किया गया।

ॐ उर्दू विभाग

• उर्दू विषय में एम.ए. पाठ्यक्रम के पाठ्यसामग्रियों को तैयार किया गया।

❖ संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग

- विभाग द्वारा विद्याथियों के लिए परामर्श सत्रों का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा विद्याथियों के लिए प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन किया गया।

सामाजिक विज्ञान विद्याशाखा (SCHOOL OF SOCIAL SCIENCES)

💠 इतिहास विभाग

• डॉ0 एम0एम0जोशी द्वारा विश्वविद्यालय की शीतकालीन सत्र 2019-20 के लिए विवरणिका सम्पादित की गई।

🂠 राजनीति विज्ञान विभाग

• राजनीति विज्ञान विभाग में डाँ0 सूर्यभान सिंह द्वारा स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की पाठ्यसामग्री निर्मित की गई।

लोकप्रशासन विभाग

 डॉ० घनश्याम जोशी द्वारा लोक प्रशासन विषय के स्नातकोत्तर की अध्ययन सामग्री का लेखन व सम्पादन किया गया।

❖ मनोविज्ञान विभाग

• मनोविज्ञान विभागीय अध्यापिका डॉ. सीता द्वारा स्वअध्ययन सामग्री का सम्पादन कार्य किया गया।

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभागीय अध्यापिका डॉ. शालिनी चौधरी द्वारा स्वअध्ययन सामग्री का सम्पादन कार्य किया
गया।

समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग

1. दिनांक 8 मार्च 2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय थीम "think equal, build smart, innovate for

change" के अर्न्तगत भारतीय परिदृश्य में महिला समानता एवं महिला सशक्तिकरण पर एस0जी0आर0आर0 (पीजी) कालेज, देहरादून के सभागार में संगोष्ठी आयोजित की गयी। डॉ० भावना डोभाल द्वारा कार्यक्रम संयोजक के रुप में कार्य किया गया।











"भारत में जैव विविधता संरक्षण : मुद्दों, चुनौतियां, समाधान एवं दूरस्थ शिक्षा की भूमिका" विषय पर संगोष्ठी एस0जी0आर0आर0 (पीजी) कालेज, देहरादून के सभागार में संगोष्ठी आयोजित की गयी। डाँ० भावना डोभाल द्वारा कार्यक्रम संयोजक के रुप में कार्य किया गया।









समारोह का छायाचित्र

दिनांक 8 मार्च 2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय थीम "think equal, build smart, innovate for change" के अर्न्तरात भारतीय परिदृश्य में महिला समानता एवं महिला सशक्तिकरण पर एस०जी०आर०आर० (पीजी) कालेज, देहरादून के सभागार में संगोष्ठी आयोजित की गयी। डाँ० भावना डोभाल द्वारा कार्यक्रम संयोजक के रुप में कार्य किया गया।



वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा (SCHOOL OF MANAGEMENT STUDIES AND COMMERCE)

वाणिज्य विभाग

• डॉ0 गगन सिंह के द्वारा बी0कॉम व एम0कॉम की पाठ्यसामग्री निर्माण आरम्भ किया गया।

प्रबन्ध अध्ययन विभाग

• प्रबन्ध अध्ययन विभागीय अध्यापक डॉ. सुमित द्वारा स्वअध्ययन पाठ्यसामग्री का लेखन व सम्पादन कार्य किया गया। साथ ही अन्य गतिविधियों में प्रतिभाग किया गया।

विज्ञान विद्याशाखा (SCHOOL OF SCIENCE)

भौतिकी विभाग (Department of Physics)

ACTIVITIES DURING LAST TWO YEARS

1. Number of workshops / Seminars conducted

Department of Physics conducted practical workshops every year for 10 days at following different centres.

- H.N.B. Campus, Pauri
- Govt. P.G. College, Pithoragarh
- SGRR P.G. College, Dehradun
- LMS P.G. College, Rishikesh
- MBPG College, Haldwani
- 2. Online Workshops:

Department has also conducted online workshops for learners of different programmes and courses since last year.

3. Celebration of National Festivals / Other Important Events

Department has been participated in the Celebration of National Festivals / Other Important Events organized by the university such as

- Swachha Bharat Abhiyan
- Namami-Gange Programme

- Environment Day Celebration
- 4. Counselling Support
- > Department of Physics provides learners the opportunities to study Physics through SLM, e-SLM, video and audio lectures and also organizes workshops to conduct practical work and helping them to choose the appropriate course according to their scientific capabilities, interests for employment after graduation and post graduation.
- ➤ Counselling helps learners in clarifying their doubts and needs. It motivates learners so that they can make appropriate choice and decision for themselves.

Counseling takes place through various media used in Open and Distance Learning are as follows:

Face	to	face	counse	lling

- ☐ Counselling through Assignments
- ☐ Counselling through Telephones
- ☐ Counselling through Internet
- ☐ Counselling through Broadcasting (Radio)
- ☐ Counselling through Self Instructional Materials

Stages of Counseling:

- Pre admission
- On admission
- During course
- Examination
- **❖** Post examination

FACULTY ACHIVEMENTS

विभागीय अध्यापक डॉ. राजेश मठपाल द्वारा निम्नलिखित कार्य किया गया -

Book Chapter

Basic Electronics for B.Sc III Year (BSCPH303), Chapter name 'Number Systems and Binary Codes', Unit No 8.

Topics of Video Lectures Recorded & Uploaded

Paper Code	Topics of Video Lectures Recorded & Uploaded
BSCPH -101	Gauss theorem
BSCPH -101	Application of Gauss theorem
BSCPH -101	Coulomb's law from Gauss law
BSCPH -101	Electric field intensity due to infinite long line charge from Gauss law
BSCPH -101	Electric field intensity due to infinite charge plane sheet from Gauss law
MSCPH-501	Laplace transform properties
MSCPH-501	Laplace transform problems

Paper Code	Topics of Video Lectures Recorded & Uploaded
MSCPH-501	Legendre's Equation
MSCPH-501	Recurrence formula of Legendre
MSCPH-501	Legendre's polynomial
MSCPH-501	Tensor analysis

Topics of Radio Talks

Topics of Radio Talks

Awareness on covid 19 (डा. राजेश मठपाल के कोविड 19 के अनुभव सुनें उन्हीं की जुबानी)

(Dr Vishal Kumar Sharma)

- Dr. Vishal Kumar Sharma participated in the Faculty Induction Programme FIP 01
 organized by the Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) and Directorate of
 Academics of Uttarakhand Open University from 05th March 2021 to 05th April 2021 via
 Offline mode.
- 2. Dr. Vishal Kumar Sharma, participated in 2-WEEK ONLINE FDP PROGRAM ON DEVELOPMENT OF ONLINE COURSE FOR SWAYAM 21 June 5 July, 2021 Uttarakhand Open University, Haldwani.

(Dr Gauri)

- 1. Dr. Gauri, participated in the Faculty Induction Programme FIP 01 organized by the Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) and Directorate of Academics of Uttarakhand Open University from 05th March 2021 to 05th April 2021 via Offline mode.
- Dr. Gauri participated in 2-WEEK ONLINE FDP PROGRAM ON DEVELOPMENT OF ONLINE COURSE FOR SWAYAM 21 June – 5 July, 2021 Uttarakhand Open University, Haldwani.

(DR. MEENAKSHI RANA)

Research Publications

- Pooja, Rana M., Papia Chowdhury, "DFT and MD Simulation Investigation of Favipiravir as an Emerging Antiviral Option Against SARS-CoV-2 Pandemic" Journal of molecular structure" (2021) (Published by Elsevier, Indexed in SCI and SCOPUS, Thomson Reuters I. F. = 3.196) https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S002228602101382X)
- 1. Shradha Lakhera, Kamal Devlal, Arabinda Ghosh, **Meenakshi Rana**, In Silico Investigation of Phytoconstituents from Medicinal Herb 'Piper Longum' Against SARS-CoV-2 by Molecular Docking and Molecular Dynamics Analysis" 'Results in chemistry", Volume 3, January 2021, 100199 (2021).

वार्षिक प्रतिवेदन

- 2. **Rana M.,** Kamal Devlal, "Thioglycolic acid capped CdTe quantum dots as sensors for the detection of hazardous heavy metal ion Cu²⁺ in water" Mapan (2021) (Published by Springer, Indexed in SCI and SCOPUS) (https://doi.org/10.1007/s12647-021-00479-5)
- 3. Rana M., Chandan Banerjee, and Papia Chowdhury. "Studies on optical signal due to oxygen effect on hydrogenated amorphous/crystalline silicon thin films" Applied Physics A 127, no. 3 (2021): 1-8. (Published by Springer, Indexed in SCI and SCOPUS, Thomson Reuters I. F. = 2.584)
- 4. Smitha, M., Mary, Y.S., Mary, Y.S., Serdaroglu, G., Chowdhury, P., **Rana M.**, Umamahesvari, H., Sarojini, B.K., Mohan, B.J., Pavithran, R., "Modeling the DFT structural and reactivity studies of a pyrimidine-6-carboxylate derivative with reference to its wavefunction-dependent, MD simulations and evaluation for potential antimicrobial activity" Journal of Molecular Structure, (2021): p.130397. (Published by Elsevier, Indexed in SCI and SCOPUS, Thomson Reuters I. F. = 3.196)
- 5. **Rana M.,** "CdTe QDs in the presence of L-glutathione capping agents" Materials Today: Proceedings (2021). (Published by Elsevier, Indexed in SCI and SCOPUS Thomson Reuters I. F. = 1.009). ISSN:2214-7853 (https://doi.org/10.1016/j.matpr.2021.02.583)
- Rana M., K Devlal, "Investigation of Optical and Electrical Properties of Pyrrole-2-carboxyldehyde (PCL) in PVA Polymer Matrix" Materials Today: Proceedings. ISSN:2214-7853. (2021) (Published by Elsevier, Indexed in SCI and SCOPUS). (https://doi.org/10.1016/j.matpr.2020.12.994)
- 7. Hema, Tara Bhatt, Tarun Pant, Charu Ch Dhondiyal, **Rana M.**, Papia Chowdhury, G. C. Joshi, Pratibha Arya, and Himani Tiwari. "Computational study of the intermolecular interactions and their effect on the UV-visible spectra of the ternary liquid mixture of benzene, ethanol and propylene glycol" Journal of Molecular Modeling 26, no. 10 (2020): 1-12. (Thomson Reuters I. F. = 1.335, h-index = 54, h5-index = 34, Published by Springer, Indexed in SCI and SCOPUS).
- 8. Pooja Yadav, **Rana M.**, Chowdhury P., "Optical and structural investigation of CdTe quantum dots in freezed solid phase between PVA polymer matrix" AIP Conference Proceedings, vol. 2265(1):, p. 030176, 2020. (h index = 47, h5-index = 17 Published by American Institute of Physics, Indexed in SCI and SCOPUS). DOI:10.1063/5.0017099
- 9. Rana M., Chowdhury P., "L-glutathione capped CdSeS/ZnS quantum dot sensor for the detection of environmentally hazardous metal ions", Journal of Lumniscence, vol. 23, pp. 216-227, 2018. (Thomson Reuters I. F. = 2.961, h-index = 98, h5-index = 43, Published by Elsevier, Indexed in SCI and SCOPUS).
- 10. Rana M., Pooja, Chowdhury P., "Investigation on nonlinear optical responses of different pyrrole derivatives: a computational study" AIP Conference Proceedings, vol. 2136, p. 040005, 2019. (h index = 47, h5-index = 17 Published by American Institute of Physics, Indexed in SCI and SCOPUS).
- 11. Pooja, Rana M., Chowdhury P., "Influence of size and shape on optical and electronic properties of cdte quantum dots in aqueous environment" AIP Conference Proceedings vol. 2136, p. 040006, 2019. (h index = 47, h5-index = 17 Published by American Institute of Physics, Indexed in SCI and SCOPUS).
- 12. Rana M., Chowdhury P., "Studies on Size Dependent Structures and Optical Properties of CdSeS Clusters", journal of cluster science, https://doi.org/10.1007/s10876-019-01719-0 (2019) (Thomson Reuters I. F. = 2.125, h-index = 98, h5-index = 43, Published by Springer, Indexed in SCI and SCOPUS).
- 13. Rana M., Jain A., Rani V., and Chowdhury P., "L-glutathione capped CdSeS/ZnS quantum dot for Cancer cell imaging". Inorganic Chemistry Communications https://doi.org/10.1016/j.inoche.2019.107723, (2019) (Thomson Reuters I. F. = 1.79, hindex = 94, h5-index = 33, Published by Elsevier, Indexed in SCI and SCOPUS).

14. **Rana M.** and Chowdhury P., Nonlinear optical responses of organic based indole derivative: An experimental and computational study; Materials Today: Proceedings, vol. 28, 2020, pp. 241-245. ISSN:2214-7853. (Published by Elsevier, Indexed in SCI and SCOPUS).

Book Chapters:

- Published a book chapter "Modern applications of quantum dots: Environmentally hazardous metal ion sensing and medical imaging" in the book HANDBOOK OF NANOMATERIALS FOR SENSING APPLICATIONS" ISBN: 978-0-12-820783-3. Published by Elsevier.
- 2. Basic Electronics for B.Sc III Year (BSCPH303), Chapter name 'Number Systems and Binary Codes', Unit No 9.

Paper Presented in International/National Conferences:

- 1. Presented paper entitled "Medicinal plant in Himalayan region: pharma logical and indigenous uses" in National conference on Geology and natural resources of Himalaya, Pt. LMS Govt. P. G. College, Rishikesh, Haridwar, (November 25-26, 2019).
- 2. Presented paper entitled "Innovation in Open and Distance Learning System" in National conference on Progression and Innovation in Higher education, M.B. Govt. P.G. College, Haldwani, Nainital, (November 16, 2019).
- 3. Presented paper entitled "Investigation on nonlinear optical responses of different pyrrole derivatives: a computational study", International Conference on Plasma, Metamaterials and Plasmonics, Jaypee Institute of Information Technology, Noida, (February 14-16, 2019).

Participation in Workshop

- 1. Attended two days workshop on "CRYOGENICS & SUPERCONDUCTIVITY", at Jaypee Institute of Information Technology (JIIT), Noida. 27-28 September 2019.
- 2. Attended two days online workshop held on "Virtual Labs" conducted by School of computer science and IT, Uttarakhand Open University in collaboration with Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi, November 9-10, 2020
- 3. Attended two day's workshop on "Virtual labs organized by Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA), New Delhi.December 17-18, 2020.
- 4. Attended a three-day workshop from **2-4 March**, **2021** on *Moodle for teachers and administrators* conducted by School of computer science and IT, Uttarakhand Open University in collaboration with Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi, March 02-04, 2021
- 5. Attended two day's workshop on "Virtual labs organized by Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA), New Delhi. December 17-18, 2020.

Participation in Seminar/ Conference

 Attended a "Diet counseling session delivered by Dt. Deepti Saluja (Dietition at Metrocity Hospital & Research Centre, Rudrapur) for all employee of Uttarakhand Open University under the celebrating National Nutrition week at Uttarakhand Open University, Haldwani. 7 Sep 2019

2. Participated in National Seminar on National Seminar on Progression and Innovation in Higher Education at MBPG college, Haldwani. 16 Nov 2019

- 3. Attended National conference on leveraging new technology for reimagining education at MIET Haldwani, Nainital. 22 Nov 2019
- 4. Attended National Seminar on "Vocational Education and Open & Distance Learning" organised by School of Vocational Studies, Uttarakhand Open University, Haldwani.16 Dec 2019.
- 5. Attended one day National Webinar on "Revival, Survival and Expansion of Tourism and Hospitality Industry" organised by School of Tourism Hospitality and Hotel Management, Uttarakhand Open University. July 21,2020.
- 6. Attended online Seminar on "Strategic Thinking about Movement from Global to Local" organized by School of Management and Commerce, Uttarakhand Open University July 29-30, 2020.
- 7. Attended two days National Webinar on "National Webinar on Challenges related to mental well being of Divyangjan in Corona Period and their therapeutic Rehabilitation" organised by School of Education, Uttarakhand Open University. January 23 and 24,2021.
- 8. Attended online Seminar on ""जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख: हमारी भूमिका" by School of Management and Commerce, Uttarakhand Open University. Feb 13 and 14, 2021





जन्तु विज्ञान विभाग (Department of Zoology)

1. प्रयोगात्मक कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं का विवरण -

जंतु विज्ञान विद्याशाखा द्वारा स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर जंतु विज्ञान विषय में नामंकित विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक अकादिमक सत्र में दो बार प्रयोगात्मक कार्यशाला एंव परीक्षाओं का आयोजन कराया जाता है जिनका विवरण निम्नवत है -

ग्रीष्मकालीन सत्र 2019 -20

जंतु विज्ञान विद्याशाखा द्वारा ग्रीष्मकालीन सत्र में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं एवं परीक्षाओं का विवरण निम्नवत है-

क्रम संख्या	तिथि	स्थान
1.	4.5.2019 से 12.5.2019 तक	एस0जी0आर0आर0 पी0जी0 कॉलेज, देहरादून
2.	25.4.2019 से 1.5.2019 तक	पी0एल0एम0एस0 राजकीय महाविद्यालय,
		ऋषिकेश
3.	27.04.2019 से 5.05.2019 तक	आर0सी0यू0 राजकीय महाविद्यालय, उत्तरकाशी
6.	28.5.2019 से 5.6.2019 तक	एल0एस0एम0 जी0पी0जी0सी0 पिथौरागढ़
7.	25.5.2019 से 2.6.2019 तक	एम0बी0पी0जी0 कॉलेज, हल्द्वानी

शीतकालीन सत्र 2019 -20

क्रम संख्या	तिथि	स्थान
1.	16.10.2019 से 25.10.2019 तक	एस0जी0आर0आर0 पी0जी0 कॉलेज, देहरादून
2.	4.11.2019 से 11.11.2019 तक	एल0एस0एम0 जी0पी0जी0सी0 पिथौरागढ़
3.	18.11.2019 से 25.11.2019 तक	पी0एल0एम0एस0 राजकीय महाविद्यालय,
		ऋषिकेश
4.	20.11.2019 से 29.11.2019 तक	एम0बी0पी0जी कॉलेज, हल्द्वानी



जंतु विज्ञान विद्याशाखा द्वरा विभिन्न केन्द्रों में आयोजित प्रयोगात्मककार्यशालाओं के कुछ अंश



1-डॉ. श्याम कुंजवाल (जंतु विज्ञान विभाग)

- 1-Organized/attended any workshops/webinars/seminars/lectures or any other academic event or other event.
- डा . श्याम कुंजवाल द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी पाठ्यचर्चा विकास पर पांच दिवसीय सीआरई कार्यक्रम मैं 10/9/2019 से 14/9/2019 आयोजित सेमिनार में भाग लिया।
- डा . श्याम कुंजवाल द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के सम्मेलन हॉल में आयोजित, उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (USERC) तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सहयोग से स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़ (UOU) द्वारा, दिनांक 16-दिसंबर 2019 को आयोजित शीर्षक "वोकेशनल एजुकेशन एंड ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग" पर एक सेमिनार में भाग लिया।
- डा . श्याम कुंजवाल द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस -२०२० सेमिनार में भाग लिया।
- डा. श्याम कुंजवाल द्वारा " 5th June 2021(4PM -6.45PM) organized by Pt. L.M.S. Govt. Post Graduate College, Rishikesh in association with Socity Of Pollution & Environmental Conservation Scientist D. Dun(SPECS) Catalysed & Supported by Uttarakhand State Council For Science & Technology, D. Dun (UCOST).
- डा . श्याम कुंजवाल द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय मुख्यालय हल्द्वानी में सेंटर फॉर इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस (CIQA) तथा कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA), नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 11-13 फरवरी, 2020 तक आयोजित प्रशिक्षण

कार्यशाला शीर्षक "कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम फॉर अकादिमक कौंसिल्लोर्स" पर तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

- डा . श्याम कुंजवाल द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के सम्मेलन हॉल में आयोजित, उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (USERC) तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सहयोग से स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़ (UOU) द्वारा, दिनांक 16-दिसंबर 2019 को आयोजित शीर्षक "वोकेशनल एजुकेशन एंड ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग" पर एक सेमिनार में भाग लिया।
- 2. Provide information regarding workshop faculty members attended.
- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में आयोजित राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा शीर्षक "कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑन ड्रग एब्यूज प्रिवेंशन कार्यक्रम" पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय मुख्यालय हल्द्वानी में सेंटर फॉर इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस (CIQA) तथा कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA), नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 11-13 फरवरी, 2020 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला शीर्षक "कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम फॉर अकादिमक कौंसिल्लोर्स" पर तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 3. If you presented, published any paper during the period.
- Maturation Biology and spawning ethos of a hill stream catfish Pseudecheneis Sulcatus (Mc Clelland) in a glacier-feed stream, Alaknanda, Garhwal Himalayas.
- स्नातक स्तर तथा परास्नातक स्तर (B.Sc.(I II and III year) and M.Sc.(I Semester) तक के किताबों का निर्माण कार्य किया गया तथा विभिन्न किताबों मैं इकाई लेखन एवं संपादन का कार्य किया गया।
- 2-डॉ. मुक्ता जोशी (जंतु विज्ञान विभाग) -
- 1. Organized/attended any workshops/webinars/seminars/lectures or any other academic event or other event.
- डॉ. मुक्ता जोशी द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के सम्मेलन हॉल में दिनांक 24 अगस्त 2019 को शीर्षक "इन्वेस्टर्स अवेयरनेस एंड डिजिटल फ्रॉड" पर आयोजित सेमिनार में भाग लिया।
- डॉ. मुक्ता जोशी द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के सम्मेलन हॉल में आयोजित, उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (USERC) तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत

सरकार के सहयोग से स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़ (UOU) द्वारा, दिनांक 16-दिसंबर 2019 को आयोजित शीर्षक "वोकेशनल एजुकेशन एंड ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग" पर एक सेमिनार में भाग लिया

- डॉ. मुक्ता जोशी द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के सम्मेलन हॉल में दिनांक 17 मार्च 2020 को URKUND सॉफ्टवेयर के माध्यम से साहित्यिक चोरी की जाँच के संबंध में एक वेबिनार में भाग लिया।
- डॉ. मुक्ता जोशी द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के सम्मेलन हॉल में दिनांक 27 फरवरी, 2020 को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MoMSME) भारत सरकार, के सहयोग से स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज द्वारा आयोजित शीर्षक "नेशनल लेवल अवेयरनेस प्रोग्राम (NLAP)-2020" पर एक दिवसीय सेमिनार में भाग लिया।
- डॉ. मुक्ता जोशी द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के सम्मेलन हॉल में दिनांक 7 मार्च, 2020 को महिला दिवस पर आयोजित बैठक में भाग लिया।
- 2. Provide information regarding workshop faculty members attended.
- डॉ. मुक्ता जोशी द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में आयोजित राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा शीर्षक "कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑन ड्रग एब्यूज प्रिवेंशन कार्यक्रम" पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. मुक्ता जोशी द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय मुख्यालय हल्द्वानी में सेंटर फॉर इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस (CIQA) तथा कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA), नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 11-13 फरवरी, 2020 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला शीर्षक "कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम फॉर अकादिमक कौंसिल्लोर्स" पर तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. मुक्ता जोशी ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के सम्मेलन हॉल में दिनांक 24 फरवरी, 2020 को यू. एस. ई.आर.सी. द्वारा प्रायोजित शीर्षक " वेलिडेशन ऑफ़ ब्लेंडेड लर्निंग रेडीनेस एंड कैपेसिटी असेसमेंट ट्रल्स" पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. मुक्ता जोशी ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में महिला दिवस के अवसर पर एक रेडियो वार्ता की।
- 3. Anything happened worth mentioned in your respective department/schools.
- विद्यार्थियों/ शिक्षार्थियों की विषय सम्बंधित कठिनाइयों को दूर करने के लिए उन्हें विभाग के शिक्षकों द्वारा "E-counseling" प्रदान की जा रही है। सम्बंधित लिंक उल्लेखित है:

http://www.uou.ac.in/announcement/2020/04/1377

• वैश्विक महामारी Covid -१९ के लॉकडाउन की अवधि में, विद्यार्थियों/ शिक्षार्थियों के शैक्षणिक कार्य प्रभावित न हो, इसलिए विभाग द्वारा विश्वविद्यालय की साइट पर शिक्षकों द्वारा निर्मित, शीर्षक "Lecture Notes" के माध्यम से पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई गई अथवा वर्तमान में भी प्रदान की जा रही है। सम्बंधित लिंक उल्लेखित है:

https://www.uou.ac.in/lecturenotes/science/MSCZO-17/

रसायन विज्ञान विभाग (Department of Chemistry)

PUBLICATIONS IN PEER-REVIEWED JOURNALS

ACTIVITIES:

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं सी.ई.एम.सी.ए., नई दिल्लीद्वारा आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम ,
 में (२०२१)प्रतिभाग किया।
- 2. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं सी.ई.एम.सी.ए., नई दिल्लीद्वारा आयोजित , फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ,(२०२१) ऑनलाइन कोर्स फॉर swayam में (२०२१) प्रतिभाग किया।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं अन्य विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न वेबिनर में प्रतिभाग किया।
- 4. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की प्रवेश फॉर्म का सत्यापन (२१-२०२०)।
- 5. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की CIQA के अन्य कार्य।
- 6. रसायन विज्ञान विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के यूजी. एवं पी. जी. शिक्षार्थी के ऑनलाइन .) प्रयोगात्मक वर्कशॉप एवं प्रयोगात्मक परीक्षा2019-20,२०२० (२१-कराई।
- 7. रसायन विज्ञान विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के यूक्षार्थी के ऑनलाइन जी. एवं पी. जी. शि . को (२१-२०२०)असाइनमेंट विश्वविद्यालय के पोर्टल पर अपलोड किया।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की यूमें उड़नदस्ता (एग्जाम (२१-२०२०)जी. एवं पी. जी. की परीक्षा .
 ड्यूटी) में कार्य किया।



पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा (SCHOOL OF EARTH AND ENVIRONMENTAL SCIENCE)

पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं का विवरण -

भूगोल विभाग

(Department of Geography)

प्रयोगात्मक कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं का विवरण

भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखा द्वारा स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर विभिन्न विषयों में नामंकित विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक अकादिमक सत्र में दो बार प्रयोगात्मक कार्यशाला एंव परीक्षाओं का आयोजन कराया जाता है जिनका विवरण निम्नवत है -

ग्रीष्मकालीन सत्र 2019-20

भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा में भूगोल द्वारा ग्रीष्मकालीन सत्र में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं एवं परीक्षाओं का विवरण निम्नवत है-

क्रम	तिथि	स्थान
संख्या		
1.	4.5.2019 से 15.5.2019 तक	एस0जी0आर0आर0 पी0जी0 कॉलेज, देहरादून
2.	25.5.2019 से 5.6.2019 तक	एम0बी0पी0जी0 कॉलेज, हल्द्वानी

शीतकालीन सत्र 2019-20

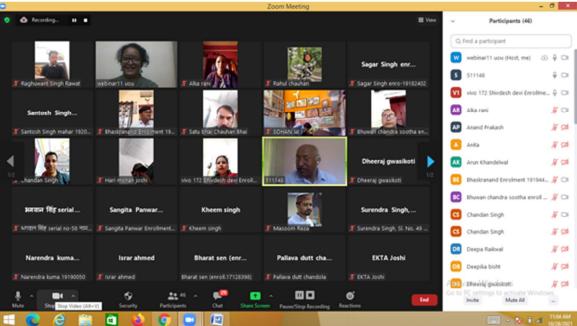
क्रम	तिथि	स्थान
संख्या		
1.	15.10. 2019 से 22.10.	एस0जी0आर0आर0 पी0जी0 कॉलेज, देहरादून
	.2019 तक	, in the second
2.	20.11.2019 से 26.11.2019	एम0बी0पी0जी0 कॉलेज, हल्द्वानी

तक

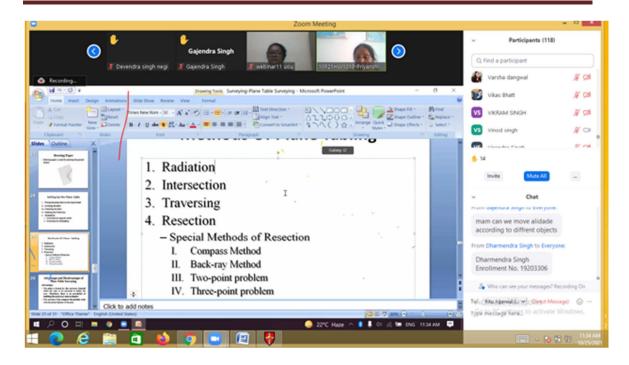
भूगोल विषय की कार्यशाला तथा प्रयोगात्मक परीक्षा 2019-20 में ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न करायी गयी।

भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा आयोजित संगोष्ठियों का विवरण -





भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा द्वारा विभिन्न केन्द्रों में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं के कुछ अंश



1- डॉ. रंजू जोशी पाण्डे – माइग्रेशन ऑफ पॉपुलेशन -ए मेजर डिजास्टर ऑफ उत्तराखंड -

- भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग द्वारा बी० ए० / बी० एस० सी० एवं एम० ए०/एम० एस० सी० की भूगोल विषय की स्व-अध्ययन सामग्री का लेखन एवं सम्पादन कार्य किया गया।
- भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग द्वारा गढवाल एवं कुमाऊं क्षेत्र के शिक्षार्थियों हेतु अनिवार्य कार्यशाला का आयोजन क्रमश: एस0 जी0 आर0 आर0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय, देहरादून तथा एम0 बी0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हल्द्वानी मे किया गया।



भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग द्वारा आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशाला के कुछ अंश

कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा

(School of Computer Science and Information Technology)

 प्रो. दुर्गेश पंत ने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेज (बीआईएएस), भीमताल द्वारा आयोजित सामुदायिक स्तर पर डिजिटल जुड़ाव पर एक संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

- प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने 16 फरवरी, 2019 को चंद्रावती तिवारी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, काशीपुर द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी की अध्यक्षता की।
- MHRD द्वारा संचालित एवं वित्त पोषित परियोजना SWAYAM के लिए Introduction to cyber security विषय पर MOOC के निर्माण हेतु डॉ. जीतेंद्र पाण्डे सहायक प्राध्यापक (कंप्यूटर विज्ञानं) को MHRD/IGNOU द्वारा 13.5 लाख(तेरह लाख पचास हजार रूपए मात्र) का अनुदान स्वीकृत हुआ, जिसके अंतर्गत साइबर सिक्यूरिटी विषय में 20 घंटे के विडियो लेक्चर स्वअध्यन सामग्री विकसित की गयी। यह कोर्स दिनांक ०१ जुलाई २०१९ से SWAYAM प्लेटफार्म पर उपलब्ध है। वर्तमान में करीब ४८ देशों के लगभग ९००० छात्र इस कोर्स में पंजीकृत हैं।
- विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे द्वारा दिनांक १ से ३ अगस्त को Sukhothai Thamathirat Open University एवं UNESCO द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित International Conference on Distance Learning में प्रतिभाग किया गया। डॉ. पाण्डे द्वारा अपने शोध पत्र जिसका शीर्षक "Teacher's Attitude towards OER: A Comparative Study of Uttarakhand Open University, India and Sukhothai Thamathirat Open University, Thailand" है, प्रस्तुत किया गया।
- स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत डॉ जीतेन्द्र पाण्डे का चयन एशियन एसोसिएशन ऑफ़ ओपन यूनिवर्सिटीज की प्रतिष्ठित स्टाफ एक्सचेंज फ़ेलोशिप के लिए हुआ जिसके अंतर्गत डॉ पाण्डे ने १ अक्टूबर से ३० अक्टूबर ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ़ श्रीलंका में A comparative study of Open Educational practices at Uttarakhand Open University(UOU), India & Open University of Sri Lanka, Srilanka विषय में शोध किया
- डॉ जितेंद्र पांडे, सहायक प्रोफेसर- कंप्यूटर साइंस द्वारा सह-लेखक "Assessing cybersecurity maturity of organizations: An empirical investigation in the Indian context", Information Security Journal: A Global Perspective, Taylor & Francis नामक शोध पत्र में प्रकाशित हुआ है, जो एक स्कोपस और ईएससीआई अनुक्रमित जर्नल है।
- ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल के सहयोग से स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी ने 26-29 नवंबर, 2019 को भीमताल में "Computing with Words via with Fuzzy Logic with applications" विषय पर एक फैकल्टी डेवलपमेंट वर्कशॉप का आयोजन किया।
- आईआईई एमएसए, दक्षिण अफ्रीका के प्रो. ब्राम वान डेर वायवर ने 1-4 दिसंबर, 2019 तक उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का दौरा किया। वह डॉ. जीतेंद्र पांडे- सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस

एंड आईटी के साथ एक सहयोगी शोध परियोजना ''डेटामाइनिंग के माध्यम से एमओओसी शिक्षार्थियों के बीच में छोड़ने की समस्या का मूल्यांकन करना'' में काम करेंगे।

- डॉ जीतेंद्र पांडे, सहायक प्रोफेसर- स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी, द्वारा सह-लेखक शोध पत्र "Quality Assurance Toolkit for ODL Institution: A Review Study of Uttarakhand Open University", द ऑनलाइन जर्नल ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन एंड ई-लर्निंग (एक यूजीसी लिस्टेड जर्नल) वॉल्यूम 8 (अंक 01) जनवरी 2020 में प्रकाशित हुआ है।
- डॉ. जीतेंद्र पांडे, सहायक प्रोफेसर- स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी द्वारा सह-लेखक शोध पत्र "Descriptive Analytics of MOOCs with ICT in Respect of Developed Countries and Indian Context", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज एंड ह्यूमन डेवलपमेंट, आईजीआई-ग्लोबल, (यूजीसी लिस्टेड जर्नल) खंड 11 (अंक 04) जनवरी 2020, में प्रकाशित हुआ हैUSEARC and Spoken Tutorial (IIT Bombay) के सहयोग से स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी, आईसीटी सेल और स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में शिक्षकों के लिए एक दिवसीय आईसीटी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 15 फरवरी 2020 को कर। इसमें उत्तराखंड के 70 शिक्षकों ने भाग लिया। प्रो. ओपीएस नेगी, कुलपित ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और प्रो. दुर्गेश पंत ने मुख्य भाषण दिया। IIT मुंबई (स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट) से श्रीमती श्यामा अय्यर और श्रीमती आकांक्षा सैनी ने तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की।
- डॉ. जीतेंद्र पांडे, सहायक प्रोफेसर- कंप्यूटर विज्ञान को CIET-NCERT, नई दिल्ली, अंग्रेजी में विकसित पुस्तिका "साइबर सुरक्षा और सुरक्षा पर छात्रों, शिक्षकों और स्कूलों के लिए दिशानिर्देशों" का हिंदी में अनुवाद की समीक्षा और अंतिम रूप देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा

(SCHOOL OF EDUCATION)

शिक्षाशास्त्र विभाग:-

- सभी विभागीय शिक्षकों द्वारा पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।
- विभागीय शिक्षकों द्वारा मौखिकी परीक्षा का आयोजन किया गया।
- डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा के द्वारा कई वेबिनारों में प्रतिभाग किया गया।

विशिष्ट शिक्षा विभाग (Department of Special Education) :-

बी.एड. (विशेष शिक्षा) सत्र 2019 केप्रथम सेमेस्टर की सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविध्यालय के हल्द्वानी व देहरादून परिसर स्थित माडॅल अध्ययन केंद्रो मे बी.एड. (विशेष शिक्षा) सत्र 2019 के प्रथम सेमेस्टर के अधिगम अक्षमता एवं मानसिक मंदता में अध्ययनरत छात्रों की उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय



सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हल्द्वानी में दिनांक 4-10 नवम्बर, 2019 ओर देहरादून में श्री गुरु राम राय स्नातकोत्तर महाविध्यालय में 18-24 नवम्बर, 2019 तक आयोजित की गयी।

हल्द्वानी में दिनांक 4-10 नवम्बर, 2019 तक आयोजित की गयी सात दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन शिक्षाशास्त्र के निदेशक प्रो. एच.पी. शुक्ल द्वारा किया गया। अपने उद्घोधन में छात्रों को पाठयक्रम की उपयोगिता के विषय में बताते हुये समाज में दिव्यांगों के प्रति संवेदनशीलता का परिचय दिया। देहरादून में श्री गुरु राम राय स्नातकोत्तर महाविध्यालय में 18-24 नवम्बर, 2019 तक आयोजित की गयी कार्यशाला का उद्घाटन महाविध्यालय के प्राचार्य डॉ विनय आनंद बोडाई व क्षेत्रीय निदेशक डॉ संदीप नेगी द्वारा किया गया।

कार्यशाला में डॉ विनोद कैन , सहायक प्राध्यापक, NIEPVD, देहरादून द्वारा प्रतिभागियों को नेत्र की क्रिया विधि नेत्र से सम्बंधित विकार ओर समस्याएं व उनका उपचार सम्बंधी व्याख्यान दिया। नेत्रहीन बालक के शैक्षिक पाठयक्रम के विषय में बताया। RVTTI, बरेली के सहायक प्राध्यापक डॉ सतीश चंद्रा द्वारा कान के श्रवण की प्रक्रिया के विषय में बताने के साथ मूक-बिधर होने के कारणों की चर्चा की। डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा मानसिक मंदता के विषय, प्रकार, ओर होने के कारण के विषय में बताया। डॉ कल्पना लखेडा ने शिक्षा मनोविज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों के बारे में अपना व्याख्यान दिया।



कार्यशाला से संबंधित जानकारी देते बी०एड० विशिष्ठ षिक्षा के समन्वयक डा० पोखरियाल।

डॉ दिनेश कुमार ने शिक्षा क्या है? शिक्षा के समाजशास्त्रीय रूप के विषय मे बताया। डॉ मनीषा पंत ने विभिन्न शिक्षा आयोग व सिद्धांतो के बारे में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। दिल्ली से आयी डॉ सुनिता देवी ने स्वलीनता (आटिज्म) के होने के कारण, प्रकार व समस्या ओर उसके उपचार की जानकारी दी। क्लिनीकल साइकोलोजिस्ट नीतू शर्मा ने प्रमस्तिक पक्षाघात (सेरेब्रेल पाल्सी) के होने के कारण, प्रकार व समस्या ओर उसके उपचार की जानकारी दी।

दिल्ली विवि की डॉ शिवानी जैन द्वारा विभिन्न शिक्षा शास्त्रियों के शिक्षा सिद्धांतो व दर्शन के बारे मे अपना व्याख्यान दिया। हल्द्वानी कार्यशाला का समापन सक्षम के उत्तराखंड प्रभारी श्री राम मिश्र द्वारा किया गया। देहरादून कार्यशाला का समापन सक्षम के उत्तराखंड प्रांत उपाध्यक्ष डॉ आर के गुप्ता व मुख्य शिक्षा अधिकारी श्रीमती आशा पैन्यूली द्वारा किया गया। मुख्य शिक्षा अधिकारी श्रीमती आशा पैन्यूली द्वारा

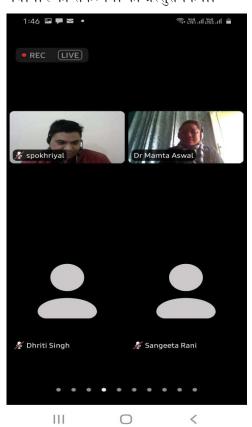


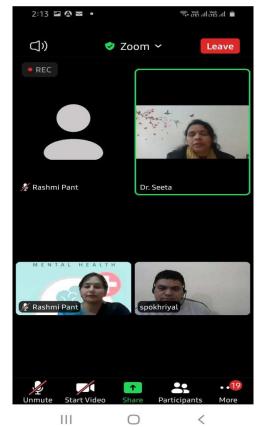
कार्यशाला के समापन कार्यक्रम में प्रतिभाग करते मा0 कुलपति जी व अन्य

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

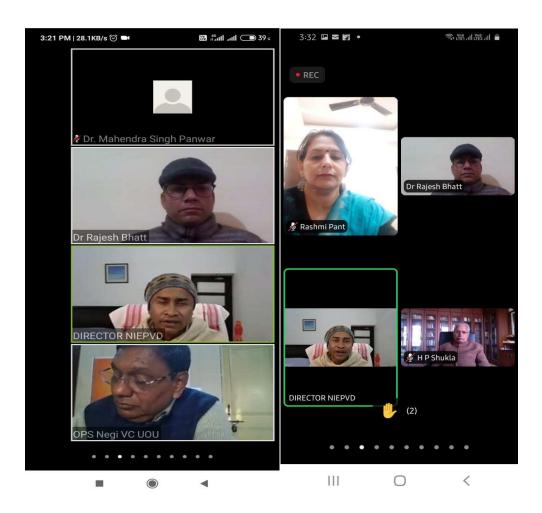
अपने उद्बोधन में एक शिक्षक के लिये अपनी वेशभूषा, आचरण ओर पढाने की तकनीक को बेह्तर बनाने पर जोर दिया। कार्यशाला में प्रतिदिन छात्रो द्वारा दैनिक प्रार्थना, राष्ट्रगान व दैनिक विचार से सम्बंधित पाठयोत्तर क्रियाकलाप भी किये गये, जिनका अवलोकन माननीय कुलपित प्रो. ओम प्रकाश नेगी जी व कुलसचिव श्री भरत सिहं द्वारा किया गया।

कोरोना काल में दिव्यांग जनों के उत्तम मानसिक स्वास्थ्य हेत् उनका पुनर्वास एवं उपचार विषय पर दो राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आज किया गया। इस वेबीनार का आयोजन विशिष्ट शिक्षा विभाग. उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं मनोविज्ञान विभाग एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी के द्वारा भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली के सहयोग से किया गया।वेबीनार का उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मक्त विश्वविद्यालय के प्रो. एच पी शक्ला, निदेशक, शिक्षा शास्त्र विद्या शाखा एवं मुख्य अतिथि डॉ. बी आर पंत प्राचार्य एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अपने उद्बोधन में प्रोफेसर शुक्ला ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य को वर्तमान परिस्थिति में महत्वपूर्ण बताया। मुख्य वक्ता के रूप में नई दिल्ली के ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंस इंस्टिट्यूट की नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ रुचि वर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं एवं उनके उपचार के विषय में अपना व्याख्यान दिया। विशेषज्ञ डॉ कल्पना लखेडा द्वारा मानसिक स्वास्थ्य को उत्तम बनाने संबंधित विधियों का उल्लेख किया। भारतीय काउंसलिंग परिषद के अध्यक्ष डॉ आश्तोष श्रीवास्तव संवेगात्मक रूप से स्वस्थ रहने के उपाय बताएं। कुमाऊं विश्वविद्यालय के अल्मोड़ा परिसर की सहायक प्राध्यापिका डॉ ममता असवाल ने आत्म प्रत्यय एवं आत्म सम्मान से संबंधित आयामों पर चर्चा की। काउंसलर डॉ सलोनी अरोड़ा द्वारा दिव्यांगजनों की मानसिक सहायता एवं पारिवार की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। वेबीनार के आयोजन सचिव डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा वेबीनार के उद्देश्यों के बारे में बताया। वेबीनार का संचालन कर रही आयोजन सचिव डॉ रश्मि पंत द्वारा इस महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित किए जा रहे वेबीनार की संकल्पना को प्रस्तुत किया।





भारती पुनर्वास परिषद के तत्वाधान में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं एमबीपीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के अंतर्गत दो दिवसीय वेबीनार के दूसरे दिन के उद्घाटन सत्र में उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ बीएस बिष्ट द्वारा उद्बोधन दिया गया उन्होंने इस कार्यक्रम को दिव्यांगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित बहुत लाभप्रद बताया व्याख्यानों के क्रम में डॉक्टर निखिल दास ने डिप्रेशन के कारण और उपचार पर प्रकाश डाला डॉ सतीश चंद्र द्वारा संवेगात्मक बुद्धि के विभिन्न पक्षों पर बात की गई डॉक्टर सीता ने स्ट्रेस और उसकी उपचार विधियों को दिव्यांगों के संदर्भ में बताया डॉक्टर राजेश भट्ट ने विशेष अतिथि के रुप में माइंडफुलनेस टेक्निक के बारे में विस्तृत रूप से बताया आयोजक सचिव डॉ रश्मि पंत द्वारा सरकार को मानसिक स्वास्थ्य संबंधित कुछ सुझाव दिए गए 1 प्रदेश में युवा आयोग का गठन होने जा रहा है इसमें एक सदस्य मनोविज्ञान के क्षेत्र से भी होना चाहिए ताकि युवाओं की मानसिक समस्याओं का समाधान हो सके 2, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे विशिष्ट शिक्षा पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों हेत् राज्य सरकार द्वारा सरकारी विद्यालयों में सीटें निर्धारित होनी चाहिए .3 मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता हेतु कॉलेज और स्कूलों में राज्य सरकार की ओर से अनिवार्य रूप से सेंटर खोलने हेत् दिशा निर्देश जारी किए जाने चाहिए 4, मनोविज्ञान से संबंधित रोजगार परक पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किया जाना चाहिए और विषय से संबंधित नियक्तियों का प्रावधान भी राज्य सरकार को करना चाहिए ताकि इस क्षेत्र से संबंधित विद्यार्थी को अपने ही प्रदेश में रोजगार की प्राप्ति हो सके।



इन सभी मुद्दों पर सरकार को ध्यान देना होगा तभी मानसिक स्वास्थ संबंधित कार्यक्रमों की सार्थकता है और हम युवा वर्ग को और साथ ही मुख्यधारा से वंचित दिव्यांगों को सही दिशा देने में सक्षम हो पाएंगे और

कहीं ना कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार की ओर कदम बढ़ेंगे आयोजक सचिव डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने दो दिवसीय वेबीनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की समापन सत्र में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ विजुअल डिसेबिलिटी के डायरेक्टर डॉ हिमांशु दास ने कोरोना पीरियड में दिव्यांगों हेतु आई मानसिक स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों को विस्तृत रूप से बताया और उनके निदान के लिए स्पेशल एजुकेटर और मनोवैज्ञानिकों से मिलकर काम करने को कहा समापन सत्र में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपित प्रोफेसर ओ पी एस नेगी द्वारा सभी प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिया गया एवं इसी तरीके के कार्यक्रमों को लगातार करवाने और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने के लिए कहा गया कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर एसपी शुक्ला द्वारा सभी सभी स्पीकर्स का धन्यवाद ज्ञापित किया गया

• डॉ0 सिद्वार्थ कुमार पोखरियाल, समन्वयक विशिष्ट शिक्षा द्वारा दिनांक 09/07/2019 से दिनांक 13/07/2019 तक विद्यालयी एवं परिवार दिव्यांग बच्चों के व्यवहार को नियंत्रण करने हेतु विषय सतत पुनर्वास कार्यक्रम (Continous Rehabilitation Program – CRE) द्वारा देहरादून परिसर में आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा (SCHOOL OF HEALTH SCIENCE)

गृह विज्ञान विभाग (Department of Home Science)

दिनांक 1 से 07 सितंबर, 2019

केंद्र सरकार द्वारा स्वस्थ पोषण की आवश्यकता पर जोर देने के लिए सितंबर माह "राष्ट्रीय पोषण माह" के रूप में मनाया जा रहा है। इस मिशन का उद्देश्य भारत को कुपोषण से मुक्त करना है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा माननीय कुलपित प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी के दिशा निर्देश पर दिनांक 1-7 सितम्बर के बीच राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया।

इस सप्ताह में विभाग द्वारा पोषण शिक्षा एवं जागरुकता से सम्बंधित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिनांक 02-09-2019 एवं 05-09-2019 को क्रमशः मानपुर पश्चिम क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र में गाँव की पूर्व प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती गीता के सहयोग से तथा ग्राम भगवानपुर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती मनीषा काण्डपाल के सहयोग द्वारा एक जागरुकता शिविर लगाया गया। आहार एवं पोषण विभाग के शिक्षक डा0 प्रीति बोरा तथा श्रीमती मोनिका द्विवेदी द्वारा महिलाओं और बच्चों को कुपोषण से सम्बन्धित जानकारी देने के साथ-साथ



डाँ० रीता रघुवंशी, अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान महाविद्यालय, पंतनगर पोषण से सम्बन्धित जानकारी देती हुई।

पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी दी गई। साथ में उन्हें स्वस्थ जीवन में स्वच्छता का महत्व तथा शिश्ओं के

लिए पूरक आहार के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रेडियो विभाग की परामर्शदाता श्रीमती सुनीता भास्कर द्वारा आंगनबाड़ी लाभार्थियों से बातचीत भी की गई।



दिनांक 04-09-2019 को विभाग द्वारा गृह विज्ञान के शिक्षार्थियों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बीज वक्ता के रूप में डॉ0 रीता रघुवंशी, अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान महाविद्यालय, पंतनगर को आमंत्रित किया गया। डॉ0 रघुवंशी द्वारा पोषण माह की थीम "सही पोषण-देश रोशन" पर वक्तव्य दिया गया। विभाग

द्वारा सप्ताह में विश्वविद्यालय के रेडियो चैनल "हैलो हल्द्वानी" के माध्यम से विभिन्न रेडियो कार्यक्रम भी प्रसारित किए गए जिसमें आयुर्वेदाचार्य डॉ0 वंदना पाठक द्वारा "आहार, पोषण एवं आयुर्वेद" तथा डॉ0 प्रीति बोरा द्वारा "एनीमिया में उचित पोषण" विषय पर रेडियो व्याख्यान दिए गए।

विश्वविद्यालय के शैक्षिक तथा गैर-शैक्षिक कार्मिकों के लिए पोषण सप्ताह में एक आहार परामर्श सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें डॉ0 दीप्ती सलूजा, डायटीशियन, मैट्रोसिटी अस्पताल, रुद्रपुर द्वारा "आहार एवं शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता" विषय पर व्याख्यान दिया गया तथा श्रोताओं की आहार सम्बंधी समस्याओं का समाधान भी किया गया। सप्ताहंत में विभाग द्वारा एक पोषण क्विज का भी आयोजन किया गया। पोषण क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से आहार एवं पोषण से सम्बंधित सामान्य प्रश्न पूछे गए। क्विज प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के छात्रों ने प्रतिभाग किया।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विभाग -

योग कार्यशाला

योग विभाग द्वारा सितम्बर माह में योग विषय की 10 दिवसीय कार्यशालायें एवं प्रयोगात्मक परीक्षा निम्नानुसार सम्पन्न की गयी –

क्रम संख्या	विषय	दिनांक	कुल प्रतिभागी
1	एम0 ए0 योग प्रथम वर्ष/ योग विज्ञान	21 सितम्बर 2019 से 30 सितम्बर 2019 तक	92
	डिप्लोमा एवं स्नातक प्रथम वर्ष(Back)	तथा प्रयोगात्मक परीक्षा 1 अक्टूबर 2019	
	(MAY-1 st /DYS/BA 1 st year)	·	
2	एम0 ए0 योग द्वितीय वर्ष (MAY-17)	21 सितम्बर 2019 से 30 सितम्बर 2019 तक	254
		तथा प्रयोगात्मक परीक्षा 1 अक्टूबर 2019	
		कुल-	346

उपर्युक्त कार्यशालाओं में देश के विविध राज्यों से आयें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विविध अध्ययन केन्द्रों के महिला एवं पुरूष शिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यशाला का शुभारम्भ दिनांक 21 सितम्बर 2019 को वेद निकेतन धाम, हरिद्वार में किया गया। उपर्युक्त कार्यशालाओं में 10 दिन तक प्रतिदिन विविध प्रयोगात्मक एवं तकनीकी सत्रों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ।

प्रयोगात्मक सत्रों में कार्यक्रम संयोजक डा0 भानु जोशी के दिशा- निर्देश तथा विश्वविद्यालय के सहा०योग प्रशिक्षक श्री यशवन्त बहुगुणा के कुशल नेत्रत्व में प्रात:काल कुल 12 महिला एवं पुरूष योग प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन योगिक षटकर्म, सूक्ष्म व्यायाम , आसन, प्राणायाम ,मुद्रा, बन्धों तथा ध्यान का अभ्यास शिक्षार्थियों को कराया गया ।सायंकाल प्रयोगात्मक परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को कठिन आसन भी करायें गये । प्रतिदिन 2 तकनीकी सत्र विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए रखे गये जिसमे योग के विविध सैद्धान्तिक पक्षों की जानकारी अलग- अलग विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई।

तकनीकी सत्रों में देश के अलग-अलग संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से आये विषय विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को मिला। जिसमें डा॰ अमृत लाल गुरूर्वेद्र , एसो० प्रोफेसर देवसंस्कृति विष्वविद्यालय,हरिद्वार , निसर्गाचार्य डी० एन० शर्मा, ममता पंत योग विभाग राज० एम० बी०पी० जी० कालेज,हल्द्वानी, प्रोफेसर ईश्वर भारद्वाज गुरूकुल कागडी विश्वविद्यालय , हरिद्वार ,डा० रिश्म शर्मा देवसंस्कृति विष्वविद्यालय, हरिद्वार, डा० अनुराधा कोटनाला देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, डा० महेन्द्र कुमार मलानी पतंजिल विश्वविद्यालय, हरिद्वार, डा० परिद्वार, डा० परिद्वार, डा० जी॰एस॰ ठाकुर, विभागाध्यक्ष योग एच०ए०बी केन्द्रिय विश्वविद्यालय गढवाल तथा विद्यार्थीयों की प्रयोगात्मक परीक्षा डा॰ उघम सिंह

गुरूकुल कागडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, डा0 महेन्द्र कुमार मलानी पतंजिल विश्वविद्यालय, हरिद्वार व डा० जी०एस० ठाकुर, विभागाध्यक्ष योग एच०ए० बी केन्द्रिय विश्वविद्यालय गढवाल के द्वारा सम्पादित की गई । इसके अलावा विश्वविद्यालय के कार्यक्रम संयोजक योग विभाग डा0 भानु प्रकाश जोशी ने समय –समय पर अपने पाठ्यक्रम से सम्बन्धित अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये।



योग कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी।



दिनांक 29 सितम्बर को विश्वविद्यालय के कुलपित जी प्रो0 ओ0पी0 एस0 नेगी जी वेद निकेतन धाम हिरिद्वार में पहुच कर सभी विद्यार्थियों को योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया तथा समाज के सभी वर्ग को जीवन में हमेशा योग को अपनाने का आग्रह भी किया व साथ ही साथ यह भी बताया की आज के समय में योग का मनुष्य के शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत करने में कितना अहम योगदान है ।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा माननीय कुलपित प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी के दिशा निर्देश पर दिनांक 13-17 जनवरी, 2020 को गृह विज्ञान के परास्नातक शिक्षार्थियों के लिए तीन दिवसीय प्रयोगात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभाग के शिक्षक डाँ0 प्रीति बोरा, श्रीमती मोनिका द्विवेदी तथा डाँ0 ज्योति जोशी द्वारा शिक्षार्थियों को वस्त्र एवं परिधान विषय से सम्बंधित प्रयोगात्मक कार्य कराया गया तथा उनसे रंगाई एवं छपाई विधि के प्रयोग द्वारा विभिन्न परिधान तैयार कराए गए। इसके अतिरिक्त छात्रों द्वारा विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रयोगात्मक मैनुअल सम्बंधित प्रयोगात्मक कार्य भी कराया गया जिसमें तन्तु दहन परीक्षण तथा कपड़े की बुनाई सम्बंधित प्रक्षिक्षण भी दिया गया।

कार्यशाला में शिक्षार्थियों की कार्यक्रम सम्बंधी शंकाओं तथा परेशानियों का भी समाधान किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन में माननीय कुलपति जी द्वारा छात्रों



को सम्बोधित किया गया तथा उनके द्वारा किए गए कार्य की सराहना की गई। कुलपति जी ने शिक्षार्थियों को इस कार्य को स्वरोजगार हेतु प्रयोग करने का सुझाव दिया तथा उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।

पर्यटन, आतिथ्य व होटल प्रबन्ध विद्याशाखा

(School of Tourism, Hospitality & Hotel Management)

- विभागीय अध्यापक डॉ. अखिलेश सिंह के द्वारा पर्यटन के विद्यार्थियों की मौखिकी परीक्षा का आयोजन किया गया।
- पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।

विधि विद्याशाखा School of Law

• विधि विद्याशाखा के अध्यापकों द्वारा पाठ्यसामिगयों का सम्पादन कार्य किया गया।

3. शोध/ परामर्श एवं प्रसार

(Research, Consultancy and Extension)

शोध विश्वविद्यालय के चिन्तन का प्राण होता है। नवीन खोज एवं शोध ही हमारी मौलिक विचार दृष्टि का निर्माण करते हैं। नवीन तथ्य एवं खोज जहाँ पूर्व के विचारों पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, उसका विस्तार करते हैं; वहीं वे नवीन चिन्तन की आधारपीठिका भी तैयार करते हैं। इसीलिए शोध और विचार का सम्बन्ध पार्श्व एवं मुख्यांश का है, जो एक-दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। शोध के इसी महत्व को समझते हुए यू.जी.सी. एवं उच्च शिक्षण संस्थान समय-समय पर गुणवत्तापरक शोध की दिशा में प्रयासरत रहते हैं। चूँकि विश्वविद्यालय अपने नवीन शोध कार्य के कारण जाना जाता है, इसलिए विश्वविद्यालय में शोध कार्य का महत्व स्वयं सिद्ध है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने वैचारिक गुणवत्ता के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय—अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर अपनी शोध की पीठिका तैयार की है। विश्वविद्यालय में कुलपित महोदय की अध्यक्षता में शोध के नये-नये कार्य किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में शोध की गतिविधियों को केंन्द्रित करने के लिए 'शोध एवं नवाचार निदेशालय' की स्थापना की गयी है। शोध एवं नवाचार निदेशालय का कार्य शोध के प्रवेश से लेकर शोध की मौखिकी कराने तक का है।

विश्वविद्यालय में शोध सम्बन्धित गतिविधियाँ सुचारू एवं अनुशासनबद्ध तरीके से चलें, इसके लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने विभागीय शोध समिति एवं शोध उपाधि समिति का गठन किया है। विभागीय शोध समिति की रूपरेखा एवं शोध उपाधि समिति की रूपरेखा इस प्रकार है –

3.1 विभागीय शोध समिति:

• विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष

सम्बन्धित विभाग का समन्वयक - संचालक

• सम्बन्धित विद्याशाखा के अध्यापक - सदस्य

• कुलपित द्वारा नामित सदस्य - अन्य विद्याशाखा का अध्यापक

3.2 शोध उपाधि समिति:

• सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष

• सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष - संयोजक

• सम्बन्धित विभाग के समस्त अध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हो - सदस्य

• कुलपित द्वारा नामित सम्बन्धित विषय के दो बाह्य परीक्षक जिनमें से एक की उपस्थित अनिवार्य-सदस्य

• निर्देशक शोध - सदस्य

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपने शोध कार्य को लेकर विशेष रूप से प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय ने 2012 से अब तक दो बार पी.एच.डी. हेतु प्रवेश परीक्षा कराई है, जिसके तहत अब तक 26 शोधार्थी विभिन्न विषयों में शोध हेतु नामांकित हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों में पंजीकृत विद्यार्थियों की सूची निम्नवत् है –

विषयवार पंजीकृत शोध छात्र

क्रमांक	विषय	छात्र संख्या
1	कम्प्यूटर विज्ञान (Computer Science)	1
2	शिक्षा (Education)	9
3	हिन्दी (Hindi)	2
4	इतिहास (History)	2
5	प्रबन्धन अध्ययन (Management Studies)	4
6	समाज शास्त्र (Sociology)	1
7	अंग्रेजी (English)	1
8	पर्यटन (Tourism)	1
9	पत्रकारिता (Journalism)	5
	कुल	26

1. विश्वविद्यालय शोध एवं नवाचार निदेशालय में जिन शोधार्थियों द्वारा पंचम दीक्षान्त समारोह 03 दिसम्बर 2019 के बाद जिन पीएच0डी0 शोधार्थियों द्वारा शोध कार्य जमा किया गया है, उनका विवरण निम्नवत् है—

SNO.	Department	Name	Date of submission of
			Ph.D. thesis
1-	English	Narinder Sharma	30-09-2020

- 2. पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा— 2020 हेतु लिखित परीक्षा, दिनांक 18 अक्टूबर 2020 को आयोजित करायी गयी। जिसके बाद विषयवार 19 विषयों में लिखित परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का साक्षात्कार भी आयोजित कराया गया। जिनका पीएच0डी0 कोर्स वर्क शोध पद्धित (Research Methodology) हेतु छः माह का पाठ्यकार्य गतिमान है।
- 3. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रोफेसर एच०पी० शुक्ल, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा की अध्यक्षता में दिनांक 15 अक्टूबर 2020 (वृहस्पतिवार) को पूर्वाहन 11:30 बजे शोध परिषद की द्वितीय बैठक विश्वविद्यालय सभागार में आहूत की गयी।
- 4. पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा के शोधार्थी श्री हरीश चन्द्र लखेड़ा, (नामांकन संख्या—11015687), की पीएच0 डी0 उपाधि हेतु मौखिकी परीक्षा, शोध शीर्षक "स्थानीकरण और समाचार पत्र : उत्तराखण्ड में प्रमुख मुद्यों के निर्माण में भाषाई समाचार पत्रों की भूमिका" पर दिनांक 15 जुलाई 2019 को सम्पन्न करा ली गयी हैं।
- 5. प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा की शोधार्थी श्रीमती सुनीता सांगुड़ी, (नामांकन संख्या—12027642), की पीएच0 डी0 उपाधि हेतु मौखिकी परीक्षा, शोध शीर्षक "A Study of Economic Empowerment of Marginalized Sections Through Financial Inclusion." पर दिनांक 22 जुलाई 2019 को सम्पन्न करा ली गयी हैं।
- 6. पर्यटन प्रबंध, आतिथ्य एवं होटल प्रबंध विद्याशाखा के शोधार्थी श्री अनुराग भोंसले, नामांकन संख्या—12029484, की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक दिनांक **27 जुलाई 2019** को सम्पन्न करा ली गयी हैं।

3.3 अनुसन्धान, प्रकाशन और पुरस्कार (RESEARCH PUBLICATIONS AND -AWARDS) कार्यशालाएँ / सेमिनार में प्रतिभाग/ आमन्त्रित व्याख्यान का विवरण (Details of Workshops/Seminars Attended)

क्रमांक	नाम	विद्याशाखा/ विभाग	वर्ष	सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला
	डॉ0 गगन सिंह	वाणिज्य	2019-20	1. डॉ० गगन सिंह, सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) द्वारा यूजीसी—एच.आर.डी.सी., हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में दिनांक ०४ नवम्बर से १६ नवम्बर, 2019 तक आयोजित Refresher Course on Commerce & Management (RC-316) में प्रतिभाग किया गया।
2.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी	ज्योतिष	2019-20	1. दिनांक 13 मई 2019 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (BHU) के ज्योतिष विभागीय M.A. (आचार्य) पाठ्यक्रम के छात्रों का मेरे द्वारा वाह्य परीक्षक (विषय विशेषज्ञ) के रूप में प्रायोगिक एवं Viva लेने सम्बन्धित कार्य पूर्ण किया गया। 2. दिनांक 14 मई 2019 को मेरे द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग में 'ज्योतिषशास्त्र की प्रासांगिकता'' विषय पर व्याख्यान दिया। 3. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 11 सितम्बर 2019 से 24 सितम्बर 2019 पर्यन्त UGC-HRDC कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा आयोजित Refresher Course सफलतापूर्वक प्रतिभाग व पूर्ण किया गया। 4. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 19 नवम्बर 2019 को उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी एवं उत्तराखण्ड सरकार के संयुक्त तत्वावधान में हल्द्वानी स्थित कपिलाश्रमी संस्कृत महाविद्यालय में आयोजित एकमासिक ज्योतिष-पौरोहित्य प्रशिक्षण में 'विशिष्ट अतिथि/मुख्य वक्ता' के रूप में 'ज्योतिष एवं पौरोहित्य' विषय पर अपना व्याख्यान दिया गया।
3.	डॉ0 हरीश चन्द्र जोशी	वानिकी	2019-20	1. डॉ हरीश चन्द्र जोशी (सहायक प्रध्यापक) वानिकी द्वारा दिनांक 11 सितम्बर 2019 से 24 सितम्बर 2019 तक UGC-HRDC कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा Refresher Course में प्रतिभाग किया।

				4 5 14 115 1 1
4.	डॉ. मीनाक्षी राणा	भौतिक विज्ञान भौतिक विज्ञान	2019-20 2019-20	1. Dr. Meenakshi Rana received Leading Woman Researcher Award from Uttarakhand Sate Council for Science and Technology (UCOST) on International Woman Day (8th March, 2021). 2. Dr. Meenakshi Rana received Special Award from Uttarakhand Open University, Haldwani on the occasion of International Woman Day (8th March, 2021). 4. Attended a "Diet counseling session delivered by Dt. Deepti Saluja (Dietition at Metrocity Hospital & Research Centre, Rudrapur) for all employee of Uttarakhand Open University under the celebrating National Nutrition week at Uttarakhand Open University, Haldwani. 7 Sep 2019. 5. Attended National conference on leveraging new technology for reimagining education at MIET Haldwani, Nainital. 22 Nov 2019. 6. Attended National Seminar on "Vocational Education and Open & Distance Learning" organised by School of Vocational Studies, Uttarakhand Open University, Haldwani.16 Dec 2019. 7. Attended one day National Webinar on "Revival, Survival and Expansion of Tourism and Hospitality Industry" organised by School of Tourism Hospitality and Hotel Management, Uttarakhand Open University. July 21,2020. 8. Attended online Seminar on "Strategic Thinking about Movement from Global to Local" organized by School of Management and Commerce, Uttarakhand Open University July 29- 30, 2020. 9. Attended two days National Webinar on "National Webinar on Challenges related to mental well being of Divyangjan in Corona Period and their therapeutic Rehabilitation" organised by School of Education, Uttarakhand Open University. January 23 and 24,2021.
				10. Attended online Seminar on "'जम्मू

				æ9ारि ।। वं व्यवस्त वस्ति भरितारः ।
				कश्मीर एवं लद्दाख: हमारी भूमिका" by School of Management and Commerce, Uttarakhand Open University. Feb 13 and 14, 2021
5.	राजेश मठपाल	भौतिकी	2019-20	1. Attended two days workshop on "CRYOGENICS & SUPERCONDUCTIVITY", at Jaypee Institute of Information Technology (JIIT), Noida. 27-28 September 2019. 2. Attended two days online workshop held on "Virtual Labs" conducted by School of computer science and IT, Uttarakhand Open University in collaboration with Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi, November 9-10, 2020 3. Attended two day's workshop on "Virtual labs organized by Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA), New Delhi.December 17-18, 2020. 4. Attended a three-day workshop from 2-4 March, 2021 on Moodle for teachers and administrators conducted by School of computer science and IT, Uttarakhand Open University in collaboration with Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi, March 02-04, 2021 5. Attended two day's workshop on "Virtual labs organized by Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi, March 02-04, 2021 5. Attended two day's workshop on "Virtual labs organized by Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA), New Delhi. December 17-18, 2020. 6. Attended a "Diet counseling session delivered by Dt. Deepti Saluja (Dietition at Metrocity Hospital & Research Centre, Rudrapur) for all employee of Uttarakhand Open University under the celebrating National Nutrition week at Uttarakhand Open University, Haldwani. 7 Sep 2019

- 7. Participated in National Seminar on National Seminar on Progression and Innovation in Higher Education at MBPG college, Haldwani. 16 Nov 2019
- 8. Attended National conference on leveraging new technology for reimagining education at MIET Haldwani, Nainital. 22 Nov 2019
- 9. Attended National Seminar on "Vocational Education and Open & Distance Learning" organised by School of Vocational Studies, Uttarakhand Open University, Haldwani.16 Dec 2019.
- 10. Attended one day National Webinar on "Revival, Survival and Expansion of Tourism and Hospitality Industry" organised by School of Tourism Hospitality and Hotel Management, Uttarakhand Open University. July 21,2020.
- 11. Attended online Seminar on "Strategic Thinking about Movement from Global to Local" organized by School of Management and Commerce, Uttarakhand Open University July 29-30, 2020.
- 12. Attended two days National Webinar on "National Webinar on Challenges related to mental well being of Divyangjan in Corona Period and their therapeutic Rehabilitation" organised by School of Education, Uttarakhand Open University. January 23 and 24,2021.
- 13. Attended online Seminar on ""जम्मू कश्मीर एवं लद्दाखः हमारी भूमिका" by School of Management and Commerce, Uttarakhand Open University. Feb 13 and 14, 2021 Presented paper on the topic "Open and Distance Learning System in Science Education an Innovative Approach" in National Seminar on Progression and Innovation in Higher Education at MBPG college,

				Haldwani. 16 Nov 2019.
6.	श्री भूपेन सिंह	पत्रकारिता	2019-20	1. डॉ0 भूपेन सिंह, सहायक प्रध्यापक, पत्रकारिता द्वारा दिनांक 14/07/2019 से दिनांक 27/07/2019 तक जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली में रिफ्रेसर कोर्स में प्रतिभाग किया गया। 2. Dr. Bhupen Singh, Asst. Professor, Journalism and mass communication participated in a national workshop on "COMMUNITY RADIO – A TOOL FOR COMMUNITY DEVELOPMENT IN INDIA", held in Delhi on October 22, 2019, organized by Commonwealth Educational Media Centre For Asia (CEMCA).
7.	डॉ0 गोपाल दत्त	व्यावसायिक अध्ययन	2019-20	1. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं यूसर्क द्वारा आयोजित क्षमता संवर्द्धधन कार्यशाला— डिप्लपमेंट ऑफ ऑनलाइन कोर्सेज यूजिंग मूडल लर्निंग मैंनेजमेंट सिस्टम में प्रतिभाग किया। कार्यशाला का आयोजन मार्च 1—2, 2019 के दौरान किया गया। 2. विरला इन्सट्यूट ऑफ अप्लाइड साइसेंस, भीमताल द्वारा आयोजित सिम्पोजियम— डिजिटल इंगेजमेंट एट कम्यूनिटी लेवल, में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आयोजन फरवरी 16, 2019 के दौरान किया गया। 3. 20 फरवरी 2019 को डॉ० रघुनन्दन सिंह तोलिया, उत्तराखंड एकेडमी ऑफ एडिमिनिस्ट्रेसन द्वारा व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। व्याख्यान का विषय आई.सी.टी. इन एडिमिनिस्ट्रेसन था।

8.	डॉ. जितेंद्र पाण्डे	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी	2019-20	1. डॉ. जीतेंद्र पांडे, सहायक प्रोफेसर- कंप्यूटर विज्ञान और आईटी स्कूल ने 4 और 5 फरवरी को हैदराबाद विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) में एक विशेषज्ञ के रूप में राष्ट्रमंडल एशिया में उच्च शिक्षा ओडीएल संस्थानों के लिए गुणवत्ता आश्वासन टूलिकट के विकास पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।, 2019। 2. विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे का चयन Asian Association of Open Universities (AAOU) की प्रतिष्ठित Inter-University Staff Exchange Fellowship हेतु Open University of Sri Lanka विश्वविद्यालय में हुआ है। इस फेलोशिप के अंतर्गत डॉ जीतेंद्र पाण्डे कुछ समय Sri Lanka में रहकर A comparative study of Open Educational practices at Uttarakhand Open University(UOU), India & Open University of Sri Lanka, Srilanka विषय में शोध करेंगे। 3. विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे का शोध-पत्र जिसका शीर्षक "Teacher's Attitude towards OER: A Comparative Study of Uttarakhand Open University, India and Sukhothai Thamathirat Open University, Thailand" है, Sukhothai Thamathirat Open University एवं UNESCO द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित International Conference on Distance Learning, जोकि १-२ अगस्त , २०१९ को शाईलैंड में आयोजित होने जा रही है, ओरल प्रेजेंटेशन हेतु चयनित हुआ है।
9.	मो0 अकरम	भूगोल	2019-20	Mr. Mohd Akram, Assistant Professor attended teleconferencing sessions on "Teleconferencing on 'Copyright and Plagiarism in Research and ODL' - reg." on 22 nd October, 2019 from 3-5 PM Live at EMPC Studio,

				IGNOU, Maidan Garhi, New Delhi.
10.	डॉ. कमल देवलाल	भौतिकी	2019-20	1. डॉ० कमल देवलाल, सहायक प्राध्यापक द्वारा दिनांक 03–07 अक्टूबर तक फेकल्टी डवलपमेंट कार्यकम "Design Development and Delivery of MOOCs" हेतु STRIDE IGNOU, New Delhi में प्रतिभाग किया। 2- Dr. Kamal Devlal, Asst. Professor, Physics Attended and presented paper in National Conference on "Fit India: Holistic health care for quality life" on 19th November, 2019 at PLSM Government PG College, Rishikesh, Dehradun, Uttarakhand. 3- Dr. Kamal Devlal, Asst. Pro Physics Attended and presented pa National Conference on "Geology Natural Resources of Himalaya" on 2: 26th November, 2019 at PLSM Gover PG College, Rishikesh, Deh Uttarakhand.
11.	डॉ. चारू चन्द्र पन्त	रसायन विज्ञान	2019-20	 Dr. Charu Pant, Academic Consultant Participate in a National conference on Fit-India "Holistic health care for quality life" at Govt. PG College Rishikesh on dated November, 2019. Dr. Charu Pant, Academic Consultant Presenting a research paper (Title: Biodiversity in Himalayan region) on "National conference on Geology and nature resources in Himalaya" at Govt. PG College Rishikesh on dated 25, 26 November, 2019.

प्रकाशन (Publications)

क्रमां क	नाम	विद्याशाखा / विभाग	प्रकाशन
1.	डॉ0 मदन मोहन जोशी	इतिहास	Kumauni Housing Architecture: Regional variation in Online International Interdisciplinary Research Journal, {Bi-Monthly}, ISSN 2249-9598, Volume-09, Issue-04, July-Aug 2019 Issue pp.159-165
2.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी	मानविकी / ज्योतिष	1. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा लिखित ''सिद्धान्त ज्योतिष : परिचय एवं महत्व'' शीर्षक सम्बन्धित शोध आलेख International Journal of Jyotish Research 'वेदचक्षु' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ। (ISSN No. – 2456-4427)
3.	डॉ0 सुचित्रा अवस्थी	मानविकी/ अंग्रेजी	Paper: "The Underpinnings of the Biblical Motif of Satan's Fall in Salman Rushdie's Fiction". <i>The Literary Criterion</i> . Mysore, India. Issue: ¾. 2019.
4	डॉ. विरेन्द्र कुमार	कृषि	डॉ० वीरेन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक (कृषि) द्वारा उच्च संकाय प्रशिक्षण केन्द्र, कृषि विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर में दिनांक 20 नवम्बर से 10 दिसम्बर, 2019 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम विषयक 'Agronomic interventions for augmenting food, nutrition and farmers income' में प्रतिभाग किया गया।

5.	डॉo कल्पना पाटनी लखेड़ा	शिक्षाशास्त्र	क्वेस्ट शोध पत्रिका में शोध पेपर 'Anxiety a theoretical analysis शोध पत्र प्रकाशित।
6.	डॉ. जितेंद्र पाण्डे	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी	1. The research paper entitled "Assessing cybersecurity maturity of organizations: An empirical investigation in the Indian context" co-authored by Dr. Jeetendra Pande, Assistant Professor- Computer Science is published in Information Security Journal: A Global Perspective, Taylor & Francis which is a SCOPUS and ESCI indexed journal
6.	डॉ. सूर्यभान सिंह	राजनीति विज्ञान	सिंह, सूर्यभान. 2020. भारत में लोकतांत्रिक शासन और सामाजिक रूपांतरण (Democratic Government in India and Social Transformation). दृष्टिकोण (DRISHTIKON) 12(1):418-423 0975-119X (UG सिंह, सूर्यभान. 2021. भारत में दो स्तर पर शासन की त्रिस्तरीय संरचना (Three tier structure of government in India at two level). दृष्टिकोण (DRISHTIKON) 13(1):1244-1249 0975-119X सिंह, सूर्यभान. 2021. बाल्मीकी रामायण में दंड सिद्धांत : बाली बध के विशेष सन्दर्भ में '. भास्वती' (BHASVATI)38-39:113-123, 0976-9196 (UGC Listed) (UGC Listed) C Listed)
7.	डॉ. घनश्याम जोशी	लोकप्रशासन	- "Role of E-Governance in Modern Administration" THINK INDIA (Quarterly Journal) ISSN:0971-1260, Vol. 22, Issue-4, Oct-Dec. 2019.

8.	डॉ. मीनाक्षी राणा	भौतिकी विज्ञान	1. Rana M., K Devlal , "Investigation of Optical and Electrical Properties of Pyrrole-2-carboxyldehyde (PCL) in PVA Polymer Matrix" Materials Today: Proceedings. ISSN:2214-7853. (2021) (Published by Elsevier, Indexed in SCI and SCOPUS). (https://doi.org/10.1016/j.matpr.2020.12.994) 2. Rana M., Kamal Devlal , "Thioglycolic acid capped CdTe quantum dots as sensors for the detection of hazardous heavy metal ion Cu ²⁺ in water" Mapan (2021) (Published by Springer, Indexed in SCI and SCOPUS) (https://doi.org/10.1007/s12647-021-00479-5)
9	डॉ. कमल देवलाल	भौतिकी विज्ञान	1. N. Suresh Kumar, Nityananda Das, Kamal Devlal, Syeda Seema, M. S. Shekhawat, Mohamed Hidayath,and S. Abdul Khader, Dielectric and magnetic studies of Ni-Mg mixed ferrite by combustion method, AIP Conference Proceedings 2020, 110043 (2020); https://doi.org/10.1063/5.0001907 2. Rana M., K Devlal, "Investigation of Optical and Electrical Properties of Pyrrole-2-carboxyldehyde (PCL) in PVA Polymer Matrix" Materials Today: Proceedings. ISSN:2214-7853. (2021) (Published by Elsevier, Indexed in SCI and SCOPUS). (https://doi.org/10.1016/j.matpr.2020.12.994) 3. Rana M., Kamal Devlal, "Thioglycolic acid capped CdTe quantum dots as sensors for the detection of hazardous heavy metal ion Cu²+ in water" Mapan (2021) (Published by Springer, Indexed in SCI and SCOPUS) (https://doi.org/10.1007/s12647-021-00479-5) 4. Shradha Lakhera, Kamal Devlal, Arabinda Ghosh, Meenakshi Rana, In Silico Investigation of Phytoconstituents from Medicinal Herb 'Piper Longum' Against SARS-CoV-2 by Molecular Docking and Molecular Dynamics Analysis" 'Results in chemistry", Volume 3, January 2021, 100199 (2021). 5. Hema, Tara Bhatt, Pratibha Arya, Charu Ch. Dhondiyal, Himani Tiwari, Kamal Devlal, Structural and vibrational study of molecular interaction in a ternary liquid mixture of benzylamine, ethanol and benzene, Vol.:(0123456789)1 3Structural Chemistry https://doi.org/10.1007/s11224-021-01832-9, June 2021

			Singh, S.,2020. Coorelation studies among soil properties, climatic conditions and essential oil constituents of <i>Origanum vulgare</i> L. from
10	S. Singh	रसायन विज्ञान विभाग	Central Himalaya, India. International Journal of
			Applied Research. 6(12): 216-221 (ISSN Print No.
			2394-7500, ISSN Online 2394-5869)

3.4 विस्तार गतिविधियाँ और संस्थात्मक सामाजिक उत्तरदायित्व (Extention Activities and Institutional Social Responsibility)

❖ एशिया दूरस्थ शिक्षा संघ में यूओयू (UOU is a Member of AAOU)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को वर्ष 2018 के लिए एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपन यूनिवर्सिटीज (AAOU) की सदस्यता प्राप्त हो गई है। वर्तमान में एशिया के 61 मुक्त विश्वविद्यालय इस संगठन के सदस्य हैं। विश्वविद्यालय अपनी बेहतर साख के आधार पर AAOU में शामिल हुआ है। इससे विश्वविद्यालय की पहचान वैश्विक स्तर पर होने लगेगी। भारत में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अतिरिक्त 15 अन्य मुक्त विश्वविद्यालय इस संगठन में शामिल हैं। यह संगठन दूरस्थ शिक्षा से जुड़े विषयों पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विचार विमर्श करता है। दूरस्थ शिक्षा में ज्ञान व अनुभव के आदान प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपन यूनिवर्सिटीज ने इंटर यूनिवर्सिटी स्टाफ एक्सचेंज फेलोशिप की भी शुरूआत की है।

❖ ग्रामों को गोद लिया जाना (Village Adoption)

विश्वविद्यालय ने गोद लिया हल्द्वानी का बसानी गॉव

- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा नैनीताल जनपद के सुदूरवर्ती ग्राम ─बसानी गाँव को गोद लिये जाने की योजना बना रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) के साथ बासानी गाँव को डिजीटल विलेज बनाने के लिए सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल बसानी में कम्प्यूटर प्रदान भी किया।
- इस आवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपित जी ने कहा कि गाँव को शिक्षित तथा डिजिटल बनाने का प्रयास किया जायेगा। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ इलाकों में शिक्षा की लौ जगाने का पूरा प्रयास कर रहा है।



सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल बसानी गाँव में कार्यक्रम के दौरान मा0 कुलपति प्रो0 नेगी व अन्य।

❖ राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम (1-7 सितम्बर 2019)

दिनांक 1-7 सितम्बर 2019 के बीच विश्वविद्यालय में ''राष्ट्रिय पोषण सप्ताह मनाया गया। स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा अच्छी सेहत को बढ़ावा देने में उचित पोषण के महत्व तथा संतुलित आहार के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए प्रतिवर्ष 1 सितम्बर से 7 सितम्बर के मध्य खाद्य और पोषण बोर्ड, महिला और बाल विकास मन्त्रालय द्वारा राष्ट्रिय पोषण सप्ताह का विषय था, बच्चे के प्रथम 1000 दिनों के दौरान अल्प पोषण को संबोधित करने हेतु केन्द्रित हस्तक्षेप सुनिश्चित करना : बेहतर बाल स्वास्थ्य '' Ensuring focused interventions on addressiong under nutrition during the first 1000 days of the Child: Better Child Health." इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रिय पोषण सप्ताह मनाया गया, जिसमें विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के रेडियो चैनल 'हैलो हल्द्रानी' के माध्यम से विभाग द्वारा रिकॉडिंग की गयी तथा खाद्य एवं पोषण पर व्याख्यान तथा चर्चाओं को प्रसारित किया गया। इन चर्चाओं का केन्द्र मूलत: बाल आहार तथा पोषण एवं शिशु के पूरक आहार का महत्व तथा आवश्यकता पर था। साथ ही सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पोषण कार्यक्रमों की भी जानकारी रेडियो कार्यक्रमों के माध्यम से दी गयी। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँव मानपुर पश्चिम में वहाँ की ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी के सहयोग से पोषण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों डॉ. प्रीति बोरा तथा श्रीमती मोनिका द्विवेदी द्वारा गाँव के ऑगनबाड़ी केन्द्र पर जाकर वहाँ पर आए लाभार्थियों जिसमें गर्भवती एवं धात्री महिलायें, किशोरियाँ तथा बच्चे सम्मिलित थे तथा कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें पोषण सम्बन्धी जानकारी दी गयी। इस शिविर में गाँव की महिलाओं को संतुलित पोषण एवं आहार के महत्व की जानकारी दी गयी। साथ ही उनकी आहार एवं पोषण सम्बन्धी समस्याओं का निदान भी किया गया। विशेषकर बच्चों के आहार एवं पुरक पोषण पर बल दिया गया।

इस अवसर पर दिनांक 6 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा चार्ट/ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था – बच्चों की स्वस्थ भोजन थाली। चार्ट/ पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 10 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। दिनांक 7 सितम्बर को विभाग द्वारा आहार एवं पोषण क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था – ''भोजन एवं हमारा स्वास्थ्य।'' कार्यक्रम के अन्त में माननीय कुलसचिव एवं निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रोफेसर आर.सी. मिश्र द्वारा पुरस्कार अर्जित करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

4. अधिसंरचना और अधिगम संसाधन

(Infrastructure and Learning Resources)

उत्तराखण्ड प्रदेश में शैक्षिक जगत के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना एक अभूतपूर्व उपलिब्ध है। इस विश्वविद्यालय ने अल्प समय में ही यहाँ के दूरस्थ, ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को भी शिक्षा से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है। परम्परागत शिक्षा प्रणाली की अपनी सीमाएं होती हैं। सीमित सीटों, सीमित संसाधनों की वजह से वे सभी के लिए सुलभ नहीं हो पाती। परम्परागत शिक्षा प्रणाली केन्द्रीयता के सिद्धान्त पर चलने वाली व्यवस्था है, जिसमें एक केन्द्र की क्रियाशीलता होती है। मुक्त विश्वविद्यालयी प्रणाली में ''शिक्षा आपके लिए तथा शिक्षा आपके द्वार'' जैसी अवधारणा होती है। यही कारण है कि शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित लोग भी इस प्रणाली में मुख्यधारा के अंग बन जाते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की इसी अवधारणा के क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है।



विश्वविद्यालय का मुख्य द्वार

4.1 भौतिक अधिसंरचना (Physical Infrastructure)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का मुख्यालय हल्द्वानी में स्थित है। हल्द्वानी को उत्तराखण्ड का प्रवेश द्वार कहा जाता है, क्योंकि इसके पश्चात् राज्य की पर्वत श्रृंखलायें शुरू हो जाती है। यहाँ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एक तरह से शिक्षा का द्वार भी बन जाता है, क्योंकि इसी के माध्यम से सम्पूर्ण राज्य में शिक्षा का 'सार्वजनीन प्रसरण' सम्भव हो पा रहा है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी प्राथमिक भूमिका को समझ कर राज्य के शिक्षार्थियों-बुद्धिजीवियों के लिए नये-नये पाठ्यक्रम का संचालन व अकादिमक गतिविधियों में उनकी सिक्रय भागीदारी कर अपना महत्वपूर्ण सांस्कृतिक योगदान दिया है। किसी भी संस्था के कार्य का प्राथमिक आधार उसके ढाँचे और अधिसंरचनाएं होती हैं। मूलभूत ढाँचा और अधिसंरचना संस्था के कार्यों के सुचारू रूप

से सम्पन्नता/संचालन में अपना विशेष योगदान देते हैं। इन्हीं के माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ अपना सजीव आकार ग्रहण कर पाती हैं। भौतिक अधिसंरचना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के भवन, परिसर, मूलभूत सुविधा, तकनीकी सुविधा एवं अन्य क्षेत्र आते हैं। एक प्रकार से अधिसंरचना एवं मानवीय संसाधन क्षमतायें संस्था के शरीर की भॉति होते हैं, जिसमें सभी गतिविधियाँ संचालित होती हैं।

4.2 मुख्य भवन (Main Building)

विश्वविद्यालय भवन का शिलान्यास तत्कालीन महामिहम कुलाधिपति एवं राज्यपाल डॉ. मार्ग्रेट अल्वा, मुख्यमन्त्री डॉ.रमेश पोखरीयाल 'निशंक' द्वारा अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। तद्परान्त विश्वविद्यालय के भवन का उद्घाटन माननीय राज्यपाल श्री अजीज कुरैशी जी के कर कमलों द्वारा हुआ।



विश्वविद्यालय का मुख्य भवन

विश्वविद्यालय का भवन शैक्षिक, प्रशासिनक एवं तकनीकी परिसरों का संयुक्त समवाय है। इसका एक भवन जहाँ अकादिमक सदस्यों के लिए निर्मित है, वही दूसरा भवन प्रशासन के कार्यों के क्रियान्वयन के लिए है। भवन का एक हिस्सा कम्प्यूटर लेब के रूप में विकसित है। शैक्षणिक भवन के भीतर विश्वविद्यालय के 13 विद्याशाखाओं के शिक्षकों के बैठने के लिए स्वतन्त्र कक्ष की सुविधा उपलब्ध है, जिससे वे अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें। शैक्षणिक भवन का विभाजन विद्याशाखाओं के अनुसार किया गया है। एक विद्याशाखा के भीतर विभिन्न विभाग हैं, जो आन्तरिक विषय-वस्तु की दृष्टि से जुड़े हुए हैं। कक्षों का विभाजन भी वैज्ञानिक पद्धित पर किया गया है। मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइन्स, वाणिज्य एवं प्रबन्धन, पत्रकारिता जैसी विद्याशाखाओं के लिए स्वतन्त्र स्थान एवं कक्ष निर्मित किये गए हैं।

4.3 प्रशासनिक भवन: (Administrative Building)

प्रशासनिक भवन विश्वविद्यालय की समस्त अकादिमक गतिविधियों के संचालन को व्यावहारिक धरातल पर क्रियाशील करने का केन्द्र होता है। इस भवन में कुलपित कार्यालय, कुलसिचव कार्यालय, वित्त नियंत्रक कार्यालय प्रमुख रूप से निर्मित है। कुलपित कार्यालय सम्पूर्ण विश्वविद्यालयी गतिविधियों, चाहें वह अकादिमक हो या प्रशासनिक का केन्द्र है। कुलसिचव कार्यालय सम्पूर्ण प्रशासन—कार्यों का नियन्त्रण करता है।



प्रशासनिक भवन

विश्वविद्यालय प्रशासन का तीसरा घटक वित्त नियन्त्रक कार्यालय है। वित्त-नियन्त्रक विश्वविद्यालय के समस्त आर्थिकी का केन्द्रभूत अधिकारी है। इस प्रकार कुलपित, कुलसिचव एवं वित्त कार्यालय आस-पास हैं, जिससे कार्य-संचालन में सुविधा हो।

विश्वविद्यालय भवन में कुछ अन्य अधिकारियों के कार्यालय भी हैं जिसमें मुख्य रूप से जनसम्पर्क अधिकारी, सहायक कुलसचिव, लोक सूचना अधिकारी हैं।

4.4. पुस्तकालय: एक अधिगम संसाधन के रूप में (Library: As a Learning Resource)

विश्वविद्यालय ज्ञान की एक बौद्धिक इकाई है। यह ज्ञान का ऐसा केन्द्र है, जो सम्पूर्ण समाज व संस्कृति को प्रभावित करता है। यह केवल ज्ञान का वितरण ही नहीं करता बल्कि उसका निर्माण भी करता है। ज्ञान-विज्ञान की इस प्रक्रिया में संवादात्मकता अनिवार्य है। संवाद की यह प्रक्रिया अध्यापक और छात्र के मध्य भी चलती है तथा पुस्तक और छात्र के मध्य भी। पुस्तक ज्ञान के संयोजित रूप होते हैं, इसीलिए हर वर्ग के व्यक्तियों के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

यह हमेशा प्रासंगिक बनी रहती है। किसी भी उन्नत समाज की एक प्रमुख पहचान यह होती है कि उस समाज के पास श्रेष्ठ ग्रन्थ, पुस्तकें कितनी हैं? समृद्ध समाज, समृद्ध पुस्तकों का ऋणी होता है। प्राचीन समय में भी नालन्दा, तक्षशिला के ग्रन्थालय भारतीय ज्ञानात्मक चेतना के उत्कर्ष के प्रतीक थें। आज भी ग्रन्थालय किसी भी स्थान समाज और विश्वविद्यालय के ज्ञान—केंद्र बने हुए हैं। ग्रन्थालय विश्वविद्यालय के ज्ञान केन्द्र होते हैं, जो विद्यार्थी व शिक्षक को निरन्तर ज्ञानात्कम ऊर्जा से संचालित करते हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पास समृद्ध पुस्तकालय है। इस पुस्तकालय में 26594 पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, योग—आयुर्वेद, ज्योतिष, परम्परागत धर्मशास्त्र, विधि से लेकर लोक आधुनिक विषयों को भी समेटे हुए हैं। विश्वविद्यालय ग्रन्थालय विभाग इस बात के लिए दृढ़प्रतिज्ञ है कि ग्रन्थालय में किसी भी विषय की महत्वपूर्ण अध्ययन पुस्तकें उपलब्ध हों, इसीलिए समय-समय पर सम्बन्धित विषयों के प्राध्यापक नवीन पुस्तकों की सूची पुस्तकालय विभाग को देते रहते हैं।

ग्रन्थालय में पुस्तकों के साथ शैक्षणिक विडियों/ऑडियों भी संग्रहीत हैं, जिसका लाभ प्राध्यापक एवं छात्र उठाते रहते हैं। इसके अतिरिक्त प्रमुख जर्नल, पित्रकाएं एवं समाचार पत्रों की सुविधाएं भी हैं, जो ग्रन्थालय को बहुविध ज्ञान–विज्ञान से सम्पन्न करती हैं। विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय विभाग छात्रहित केन्द्रित रहा है, इसलिए उसने छात्र–हित को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सुविधाएं दी हैं, फिर वह चाहें छात्रों को पुस्तकों के आदान-प्रदान की सुविधा हो या इन्टरनेट सुविधा, फोटोकॉपी कराने की सुविधा हो या स्कैन कराने की सुविधा।

विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त है। ग्रन्थालय में सारी पुस्तकों की प्रविष्टि ई—माध्यम से की जा रही है जिससे अपनी दक्षता एवं तकनीकी सुविधाओं के उचित उपयोग से छात्र विश्वविद्यालय में उपलब्ध पुस्तकों को सहजता से ही प्राप्त कर सकते हैं।

पुस्तकालय विभाग की सक्रियता एवं कुशलता को समय–समय पर विभिन्न संगठनों ने सराहा है। NCTE, VGC, DEC एवं RC के सदस्यों के निरीक्षण समय-समय पर यहाँ होते रहें हैं। ग्रन्थालय के प्रभारी डाँ0 जटाशंकर तिवारी के साथ ही राकेश पंत एवं श्रीमती मीनू गुप्ता की सक्रियता ने पुस्तकालय को छात्र हित के सर्वथा अनुकूल बना दिया है। इस प्रकार विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक सुविधाओं के साथ ही मानवीय दृष्टि से भी सहयोगी है। ग्रन्थालय से लगा इसका वाचनालय शांतिपूर्ण कक्ष है, जिसमें छात्र पुस्तकालय का उचित लाभ उठाते रहे हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपनी अकादिमक गतिविधियों के लिए उत्तराखण्ड में विशेष प्रसिरत रहा है। इसकी अकादिमक गतिविधियाँ स्वत: र्स्फूत हैं। यही कारण है कि विश्वविद्यालय में आए दिन विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। विश्वविद्यालय में विभिन्न महापुरूषों की जयन्तियाँ मनाने का प्रचलन रहा है, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कार्यसूची में भी है।

4.5. पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.)

मुक्त विश्वविद्यालयीय परम्परा में पाठ्यसामग्री का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान है। दूसरे शब्दों में कहा जाय तो पाठ्यसामग्री मुक्त शिक्षण व्यवस्था में सर्वमूलाधार है। इस प्रणाली में छात्र प्रत्यक्ष नहीं होता, इसलिए यहाँ के अध्यापकों के लिए एक विशेष दायित्व बन जाता है कि उन्हें छात्रों को अप्रत्यक्ष रूप से उसका विषय बोध करायें। इस कड़ी में अध्यापक अपनी पाठ्यसामग्री से ही छात्रों से जुड़ता है। पाठ्यसामग्री मुद्रणोपरान्त एम.पी.डी.डी. प्रभाग द्वारा छात्रों को वितरित की जाती है। इस प्रकार पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण प्रभाग है। यह प्रभाग छात्रों तक पाठ्यसामग्री वितरण के प्रति उत्तरदायी है। यह प्रभाग सुनिश्चित करता है कि पाठ्यसामग्री छात्रों को समय पर प्राप्त हो सके।



एम.पी.डी.डी. के सदस्यों द्वारा छात्रों को पाठ्यसामग्री वितरण करते हुए

यह प्रभाग छात्रों के हित में, वर्ष 2018-19 से अधिकांश विद्यार्थियों की अध्ययन सामग्री सीधे उनके अध्ययन केन्द्रों पर प्रेषित कर रहा है। एम0पी0डी0डी0 अनुभाग द्वारा विद्यार्थियों को तीन प्रकार से पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराई जा रही है-

- 1. विद्यार्थियों को उनके अध्ययन केन्द्रों तक सीधे पहुँचाकर।
- 2. क्षेत्रीयों केन्द्रों तक पहुँचाकर।
- 3. विद्यार्थियों को सीधे उनके पते पर स्पीड पोस्ट के माध्यम से।
- 4. कूरियर सेवा के द्वारा।



उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

एमपीडीडी अनुभाग

इस वर्ष से विश्वविद्यालय का एम.पी.डी.डी. अनुभाग का यह प्रयास रहा है कि विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री और अधिक सहजता से प्राप्त हो सके। इसके लिए यह अनुभाग निरन्तर नवीन योजनाओं के साथ कार्य कर रहा है। वर्ष 2018-19 में यह अनुभाग अपनी कार्यकुशलता के साथ नवीन परिवर्तन करते हुए शीघ्रता से विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री प्रेषित कर चुका है। इस प्रकार यह प्रभाग विद्यार्थियों को उनका पाठ्यसामग्री वितरण हेतु कटिबद्ध है।

4.6. सूचना प्रौद्योगिकी अधिसंरचना (Information Technology Infrastructure)

• सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (I.C.T.)

वर्ष 2010 में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय के पास वर्तमान में विश्वविद्यालय के आई.सी.टी. विभाग का अपना स्वयं का वैब सर्वर, एप्लिकेशन सर्वर और डेटाबेस सर्वर है। विश्वविद्यालय के पास सम्प्रति 12TB NAS की सम्पूर्ण बैकअप धारिता क्षमता है, और विश्वविद्यालय 1GBPS NKN नेटवर्क पाइप से जुड़ा है तथा 4MBPS नेटवर्क पाइप के बैकअप की व्यवस्था है।



आइ.सी.टी अनुभाग में कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञ

आई.सी.टी. विभाग मूलत: सूचना प्रोद्यौगिकी के सम्बन्ध में योजना निर्माण के साथ सूचना, तकनीकी निर्माण, हार्डवेयर प्रबंधन, आई.टी. सम्भरण एवं सहायता, अधिप्राप्ति, आभासी शिक्षा, कम्यूनिटी रेडियो आदि कार्यों का सम्पादन करता है और सॉफ्टवेयर विकास, पोर्टल विकास, प्रयोज्यता सम्भरण, डाटा केन्द्र प्रबन्धन, नेटवर्क प्रबन्धन, आई.टी. सेवाएं तथा सहयोग एवं सभी प्रकार के सम्प्रेषण के कार्यों का निर्वहन करता है। विश्वविद्यालय में इसके द्वारा स्टूडेण्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम का निर्माण किया गया है, जिसके अन्तर्गत ऑनलाइन प्रवेश/ परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया, इन्ट्रानेट में प्रार्थना पत्र के अलावा एम.पी.डी.डी., प्रवेश फॉर्म, परीक्षा/ अंकपत्र, वित्त एप आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा वैब पोर्टल बनाया गया है और छात्रों के लिए शिकायती टिकट प्रणाली भी निर्मित की गयी है।

वन-व्यू एप्लीकेशन द्वारा छात्रों को उनकी प्रोफाइल, शुल्क, परीक्षा आदि की समस्त जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा विकसित ई-ग्रन्थालय भी विश्वविद्यालय में उपलब्ध है। विश्वविद्यालय

कर्मचारियों के लिए इन्ट्रानेट पोर्टल कार्यरत है और बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, परीक्षाफल, हार्डवेयर एवं प्रयोज्यता से संबंधित आई.सी.टी. सहायता दी जाती है।

आई.सी.टी. विभाग द्वारा शिक्षण केन्द्रों के लिए भी प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन शुल्क भुगतान, परीक्षाफल तथा सम्बन्धित सूचनायें प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग द्वारा छात्रों के लिए एक किओस्क भी स्थापित किया गया है, और ऑनलाइन लर्निगं भी शुरू की गयी है। वर्तमान में विश्वविद्यालय परिसर Wi-Fi से सुसज्जित है, और सुरक्षा की दृष्टि से परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय देश का प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय है, जिसने विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने के लिए मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (MOOC) की सुविधा दी है।

4.7. मानव संसाधन (Human Resources)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय श्रेयताओं के सर्वांगीण विकास के लिए उच्च भौतिक एवं मानवीय संसाधनों से युक्त विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय में जहाँ एक ओर उच्च तकनीकी सुविधायें उपलब्ध हैं, तो दूसरी ओर अपने-अपने विषय में विशेषज्ञ प्राध्यापक एवं कर्मचारी भी हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्र-हित को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठ मानवीय क्षमताओं की उत्पादकता निर्मित करना है। इसलिए विश्वविद्यालय भौतिक, तकनीकी एवं मानवीय संसाधनों की 'एकसूत्रता की अंतर्क्रिया' पर विशेष बल देता है। अर्थात् एक ओर तो इसमें भौतिक ढाँचा, कार्यदशायें हैं, दूसरी ओर उन कार्यदशाओं को प्रसारित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता है, तो तीसरी ओर कार्यदशा को व्यावहारिक रूप देने के लिए श्रेष्ठ मानवीय संसाधन यानी शिक्षा और कौशल का संयुक्त समवाय देखने को मिलता है। यहाँ का हर सदस्य अपने विषय की दक्षता के साथ ही यन्त्र एवं तकनीकी कौशल से युक्त है। आज का युग तकनीकी कौशल का युग है। आज हमारे पास ज्ञान का पुस्तकीय रूप ही पर्याप्त नहीं रह गया है। तेजी से बदल रहे विश्व में घटित हो रही हर महत्वपूर्ण घटना दूसरे समाज (देश) को प्रभावित कर लेती हैं। ऐसी स्थित में यह युग की आवश्यकता है कि हम तकनीकी रूप से सक्षम बनें और सूचना युग में अपने लिए तथा अपने समाज के लिए ज्ञान का सृजन करें। इसलिए आज के युग में ज्ञान और कौशल दोनों महत्वपूर्ण हो उठे हैं। ज्ञान को प्रसारित होने के लिए कौशल चाहिए तथा कौशल को ज्ञान का स्त्रोत चाहिए। इसीलिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने तकनीकी कार्य कुशल प्राध्यापक एवं कर्मचारियों की नियुक्त की हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में नियमित और अस्थायी शिक्षकों की श्रेष्ठ टीम है। यह देश के प्रारम्भिक विश्वविद्यालयों में से है, जहाँ शिक्षकों की चयन प्रक्रिया को लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से सम्पन्न किया जाता है।

एक ओर हम छात्रों के लिए उच्चस्तरीय पाठ्यपुस्तकें निर्मित करते हैं तो दूसरी ओर उनके ज्ञानात्मक उत्कर्ष के लिए वीडियो लेक्चर, रेडियो व्याख्यान, टैली कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से अध्यापन, कार्यशाला, परामर्श सत्रों का आयोजन एवं संगोष्ठी का आयोजन करते हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का शिक्षण तन्त्र लचीलेपन, लोकतान्त्रिक एवं पारदिक्रया से संचालित होता है। प्राध्यापक सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन करते समय विशेष सुझावात्मक टिप्पणियाँ करते हैं, जिससे छात्र परीक्षा के पूर्व ही अपनी किमयों में सुधार कर लेते हैं। इसी प्रकार परामर्श सत्र में छात्रों की जिज्ञासाओं का रचनात्मक तरीके / पद्धित से शमन किया जाता है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें सम्बन्धित विषय के विशेषज्ञ विद्धानों को आमन्त्रित किया जाता है जिससे छात्र लाभान्वित हो सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी तीन प्रक्रियाओं के तहत नियुक्त किए जाते हैं। कर्मचारियों का बड़ा वर्ग 'उपनल' सरकारी संस्था के तहत नियुक्त है। दूसरा वर्ग आउटसोर्सिंग एजेन्सियों के तहत नियुक्त है तथा तीसरा वर्ग दैनिक भत्ते वाले कर्मचारी हैं।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पदों का सृजन उत्तराखण्ड सरकार द्वारा किया जाता है। इन पदों पर नियुक्तियाँ उत्तराखण्ड सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित सेवा शर्तों पर की जाती है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षा परिषद् (डेब) के मानकों के अनुरूप कुछ विश्व परामर्शदाताओं की नियुक्ति भी विश्वविद्यालय करता रहा है। इन शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों की सम्यक व्यवस्था में सहयोग के लिए तकनीकी कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है।

SWAYAM

MHRD द्वारा संचालित एवं वित्त पोषित परियोजना SWAYAM के लिए Introduction to cyber security विषय पर MOOC के निर्माण हेतु डॉ.जीतेंद्र पाण्डे - सहायक प्राध्यापक (कंप्यूटर विज्ञान) को MHRD/IGNOU द्वारा 13.5 लाख(तेरह लाख पचास हजार रूपए मात्र) का अनुदान स्वीकृत हुआ, जिसके अंतर्गत साइबर सिक्यूरिटी विषय में 20 घंटे के विडियो लेक्चर स्वअध्यन सामग्री विकसित की गयी। यह कोर्स दिनांक 01 जुलाई 2019 से SWAYAM प्लेटफार्म पर उपलब्ध है। वर्तमान में करीब 50 देशों के लगभग 15800 छात्र इस कोर्स में पंजीकृत हैं। 12 हफ्ते के इस कोर्स का अभी ११वां हफ्ता चल रहा है।

इस कोर्स की समाप्ति पर दिनांक 10 नवम्बर 2019 को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा ऑनलाइन परीक्षा करायी जाएगी तथा सफल प्रतिभागियों को MHRD एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से मार्कशीट एवं 4 क्रेडिट के कोर्स को पूर्ण करने का सर्टिफिकेट जारी किया जायेगा। गौरतलब है की यह सर्टिफिकेट अपने विश्वविद्यालय पर जमा करने पर विद्यार्थी को क्रेडिट मोबिलिटी भी प्रदान की जायेगी।

5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

(Student Support Services)

किसी भी शिक्षण संस्था या विश्वविद्यालय के दो मुख्य घटक होते हैं — छात्र और प्राध्यापक। एक शिक्षा का ग्रहीता है तो दूसरा उसका प्रदाता। छात्र और अध्यापक के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान वैसे तो प्रत्यक्ष रूप में होता है, किन्तु उसकी प्रक्रिया के निष्पादन में विश्वविद्यालय के अन्य तत्व भी सहायक के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। परम्परागत विश्वविद्यालय में गुरू और छात्र के बीच ज्ञान ग्रहण की प्रक्रिया प्रत्यक्ष होती है, किन्तु दूरस्थ व मुक्त शिक्षा पद्धित में अध्यापक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष संवाद प्राय: नहीं होता। इसलिए यहाँ विद्यार्थी सहायता सेवाओं की लम्बी प्रक्रिया क्रियाशील होती है, जिसमें विश्वविद्यालय में छात्र के प्रवेश से लेकर उसके प्लेसमेन्ट और पुराछात्र समुदाय तक की प्रक्रिया चलती है। किसी भी शिक्षण तन्त्र के लिए छात्र केन्द्रीय घटक होता है। इस प्रकार विद्यार्थी सहायता सेवा का तात्पर्य उस पूरी प्रक्रिया से है, जो किसी भी शिक्षण संस्था में छात्रों के ज्ञानार्जन व सीखने की प्रक्रिया को समुन्नत व सुगठित रूप प्रदान करने के लिए कोई शिक्षण संस्था अपनाती है।

शिक्षण सहायता सेवाएँ के अन्तर्गत प्रवेश, पाठ्य-सामग्री, परामर्श सत्र, पुस्तकालय, परीक्षा, दीक्षान्त, प्लेसमेन्ट एवं पुराछात्र आदि शिक्षार्थी केन्द्रित व्यवस्था सन्निहित होती है। इस पूरी प्रक्रिया को इस चित्र/आरेख के माध्यम समझा जा सकता है -



शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

• अकादिमक सत्र

सामान्यतः विश्वविद्यालय का सत्र जुलाई से प्रारम्भ होकर अगले वर्ष जून तक चलता है। इस पाठ्यक्रम वार्षिक परीक्षा प्रणाली या सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली पर आधारित हैं। सेमेस्टर प्रणाली में सेमेस्टर की अवधि छः माह है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष में एक बार प्रवेश दिया जा रहा है।

1. ग्रीष्म कालीन सत्र - (प्रवेश 1 जुलाई से प्रारम्भ)

• प्रवेश की अंतिम तिथि -

प्रवेश	सत्र
	ग्रीष्मकालीन
आरम्भ की तिथि	01 जुलाई
अंतिम तिथि	31 अगस्त
विलम्ब शल्क रू.250/- के साथ	15 सितम्बर
विलम्ब शल्क रू.500/- के साथ	30 सितम्बर

• ऑनलाइन प्रवेश -

सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। ऑनलाईन प्रक्रिया में शुल्क का भुगतान पेमेंट गेटवे (डेबिड कार्ड/क्रेडिड कार्ड अथवा नेट बैकिंग) के माध्यम से किया जाता है।

प्रथम वर्ष/प्रथम समेस्टर में प्रवेश हेतु विद्यार्थी अपने आवेदन पत्र तथा संलग्नकों को अनिर्वाय रूप से अध्ययन केन्द्र में जाकर सत्यापित कराते हैं। इन विद्यार्थियों को अग्रिम वर्ष में प्रवेश लेते समय अपने अभिलेखों को सत्यापित करवाने की आवश्यकता नहीं होती और वे सीधे ऑनलाइन प्रवेश प्राप्त करते हैं।

अगर कोई विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पूर्व से ही नामांकित है तथा नये पाठ्यक्रम में ऑनलाइन प्रवेश लेना चाहता है, तो उस विद्यार्थी को अपने फार्म तथा संलग्नकों का सत्यापन अनिवार्य रूप से करवाना होता है।

• नामांकन/ पहचान पत्र

शिक्षार्थी सहायता सेवा का प्रथम चरण छात्र द्वारा विश्वविद्यालय में प्रवेश है। विश्वविद्यालय में प्रवेश के पश्चात् प्रत्येक विद्यार्थी का नामांकन किया जाता है और उसे एक नामांकन संख्या का आवंटन एक ही बार होता है, जिसका उल्लेख अंक तालिका, प्रमाण पत्र एवं उपाधि पत्र में किया जाता है।

विश्वविद्यालय में छात्रों को पहचान पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। छात्र द्वारा पहचान पत्र पर प्रविष्टियाँ अंकन तथा नवीनतम फोटोग्राफ चिपका कर सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र निदेशक से हस्ताक्षरित कराया जाना अनिवार्य होता है। पहचान पत्र शिक्षार्थी के विश्वविद्यालय में छात्र होने का प्रमाण होता है।

• पुनर्प्रवेश एवं पार्श्व प्रविष्टि

यदि कोई विद्यार्थी अपिरहार्य कारणों से पाठ्यक्रम के मध्य में ही अध्ययन छोड़ देता है और बाद में पुन: प्रवेश लेना चाहता है, तो ऐसे विद्यार्थी को इस प्रतिबन्ध के साथ पुन: प्रवेश प्रदान किया जा सकता है कि ऐसे

विद्यार्थी द्वारा उसके सम्बन्धित पाठ्यक्रम में प्रथम प्रवेश की अवधि से निर्धारित अधिकतम अवधि के अन्तर्गत ही पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाना होगा।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पार्श्व प्रविष्टि (Lateral Entry) की भी व्यवस्था की है। पार्श्व प्रविष्टि के आधार पर प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थियों के प्रकरणों में उनके पूर्व संस्थानों के प्राप्तांको को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित प्रतिशतांक में परिवर्तित किया जाता है, जिससे कुल प्रतिशत के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि का निर्धारण किया जा सके।

• प्रवेश पद्धति -

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों ही पद्धितयों से प्रवेश लेने की व्यवस्था की गई है। जिन कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश होता है वहाँ राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित आरक्षण के नियम लागू होते हैं, किन्तु जिन कार्यक्रमों में सीधे प्रवेश की व्यवस्था है, वहाँ सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में केवल वे अभ्यर्थी ही प्रवेश के पात्र हैं जो विद्या परिषद द्वारा निर्धारित शैक्षिक अर्हता, आयु सीमा तथा अन्य मापदण्डों को पूरा करते हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र अथवा विश्वविद्यालय से निर्धारित शुक्ल का भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं। अभ्यर्थी का प्रवेश उसी अध्ययन केंद्र में माना जाएगा, जहाँ उसने पूरित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हो अथवा पंजीकरण कराया हो। विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए वही आवेदन पत्र स्वीकार्य हैं, जिनके साथ विद्यार्थी द्वारा स्वप्रमाणित एवं सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र द्वारा सत्यापित अभिलेख/प्रमाण पत्र संलग्न हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु मात्र उन्हीं स्कूल बोर्डों/ विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र एवं उपाधियाँ मान्य है जिन उपाधियों को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी ऐजुकेशन/विद्यालयी शिक्षा परिषद उत्तराखण्ड/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समकक्षता/ मान्यता प्रदान की गयी हो।

प्रवेश

- विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2019-20 का शैक्षणिक कलैण्डर जारी कर दिया है। इसके तहत्
 विश्वविद्यालय में 1 जुलाई, 2019 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
- दिनांक 31/07/2019 को उपलब्ध आकड़ों के अनुसार अब तक कुल 15808 प्रवेशार्थियों द्वारा
 प्रवेश लिया जा चुका है।
- प्रवेश की अन्तिम तिथि दिनांक 24/08/2019 तक तथा विलम्ब शुल्क के साथ दिनांक 30/08/2019 तक विस्तारित की गई है।

परीक्षा

 विश्वविद्यालय की वार्षिक / सेमेस्टर परीक्षा का आयोजन दिनांक 10 जून, 2019 से 5 जुलाई, 2019 तक किया जिसमें मुख्य परीक्षा 45,363 परीक्षार्थी, बैक परीक्षा हेतु 8,740 परीक्षार्थी एवं सुधार परीक्षा हेतु 201 परीक्षार्थी (कुल 54,304 परीक्षार्थी) द्वारा परीक्षाएं दी गई।

दिनांक 14 जुलाई, 2019 को बी०एड० (विशिष्ठ शिक्षा) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा सम्पन्न कराई गई। यह परीक्षा रूड़की, देहरादून, ऋषिकेश, पौड़ी, पिथौरागढ़, रानीखेत व हल्द्वानी कुल 07 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित हुई। इस परीक्षा हेतु कुल 656 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से कुल 540 परीक्षार्थियों द्वारा परीक्षा में प्रतिभाग किया गया। उपरोक्त परीक्षा का परिणाम दिनांक 24 जुलाई, 2019 को घाषित कर दिया गया है।

- विश्वविद्यालय द्वारा सहायक क्षेत्रीय निदेशक के 08 पदों हेतु लिखित परीक्षा का आयोजन दिनांक
 28/7/2019 को राजकीय एम0बी0पी0जी महाविद्यालय, हल्द्वानी में कराया गया जिसमें 401
 परीक्षार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- जुलाई माह में ऑनलाईन व ऑफलाईन माध्यम से आवेदित 60 मूल उपाधियाँ एवं 107 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र/सत्यापन वाहक/डाक से प्रषित की गई।

• पाठ्यसामग्री (Learning Meterial)

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली में मुद्रित अध्ययन सामग्री का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री छात्रों की रूचि, उनके मानसिक स्तर तथा ज्ञान के उच्चस्तरीय क्रियारूपों की सापेक्षता में निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रवेश एवं नामाकंन के पश्चात् अध्ययन सामग्री छात्रों को दे दी जाती है। अध्ययन सामग्री का वितरण विश्वविद्यालय के मुख्यालय से भी होता है तथा क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्र से भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केंद्र हल्द्वानी, रानीखेत, बागेश्वर, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी, रूड़की एवं देहरादून में स्थित हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों का संचालन इसके अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से होता है। विद्यार्थी का नामांकन किसी अध्ययन केन्द्र पर होता है, और इस तरह वह क्षेत्रीय केंद्र तथा विश्वविद्यालय का एक भाग बनता है। विश्वविद्यालय छात्रों के लिए अध्ययन सामग्री क्षेत्रीय केंद्रो तथा अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराता है। इस प्रकार विश्वविद्यालय छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त लचीलेपन की पद्धित का अनुसरण करता है।

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2019–20 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Total Students	68771
Regional Centre	Issued B
11 Dehradun	17887
12 Roorkee	7444
14 Pauri	4295
15 Uttar Kashi	5468
16 Haldwani	17529
17 Ranikhet	7333
18 Pithoragarh	3471
19 Bageshwar	2716
Books Packed/Dispatched For	66143

• परामर्श (Counselling)

मुक्त विश्वविद्यालय की भिन्न शिक्षण-पद्धित के कारण परामर्श प्रक्रिया इसकी मुख्य आकादिमक गितिविधि है। परामर्श कक्षा-शिक्षण का विकल्प नहीं है, अपितु कक्षा-शिक्षण के आगे की प्रक्रिया है। मुक्त अध्ययन पद्धित यह स्वीकार करती है कि छात्र ने स्व-अध्ययन सामग्री का अध्ययन कर विषय को समझ लिया है तथा विषय की समझ को उसके अंतिम रूप, क्रियात्मकता तक अब 'परामर्श सत्रों' का आयोजन कर लाया जाता है। परामर्श सत्र मुख्यत: अध्यापक और छात्र के मध्य क्रियात्मक-संवाद है। यानी किसी विषय की सैद्धान्तिक अवधारणा की समझ के पश्चात् उस विषय के क्रियात्मक रूपों के अनुशासन का नाम ही परामर्श सत्र या परामर्श कक्षायें हैं। परामर्श सत्र सैद्धान्तिक अधिगम की व्यावहारिक उपस्थापना है।



परामर्श सत्र का छायाचित्र

परामर्श कक्षाओं का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्यालय, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्रों पर किया जाता है। क्षेत्रीय केंद्रो एवं अध्ययन केन्द्रों पर शनिवार एवं रिववार के दिन परामर्श सत्र का आयोजन किया जाता है, जब कि विश्वविद्यालय अपने मुख्यालय पर प्रतिदिन छात्रों के लिए परामर्श कक्षायें चलाता है। शनिवार एवं रिववार के दिन परामर्श सत्रों के आयोजन के पीछे मुख्य ध्येय यह है कि अवकाश के दिनों में व्यवसायरत, कार्यरत एवं गृहिणयाँ भी इस सत्र का लाभ उठा सकती हैं। समय-समय पर आयोजित परामर्श—सत्रों की सूचना उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बेवसाइट, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्रों कार्यालय के सूचना पट्ट एवं समन्वयकों तथा समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाती है। इस प्रकार परामर्श सत्र का आयोजन उन लोगों के लिए भी लाभप्रद है, जो अपनी व्यावसायिक एवं घरेलू व्यस्तता के कारण स्व-अध्ययन सामग्री के माध्यम से विषय का समुचित ज्ञान नहीं प्राप्त कर पाते हैं।

❖ मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार (Evaluation Process and Improvement)

• परीक्षा (Exam)

परीक्षा विद्यार्थी के स्व-अर्जित ज्ञान का मूल्यांकन चरण है। किसी छात्र ने अपने विषय को किस रूप में ग्रहण किया है तथा उसकी अभिव्यक्ति कैसी है, इस तथ्य का परीक्षा के माध्यम से ही मूल्यांकन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा को पारदर्शी ढंग से निष्पादित करने की व्यवस्था की है।

• पात्रता एवं अनिवार्यता

प्रत्येक विद्यार्थी जिसने विश्वविद्यालय में विधिवत् प्रवेश लिया हो, विश्वविद्यालय में नामांकन कराया हो, पंजीकृत हो तथा जिसने सत्रीय कार्य पूर्ण कर जमा कर दिया हो और विश्वविद्यालय का शिक्षण शुल्क तथा परीक्षा शुल्क जमा किया हो, वह परीक्षा में सम्मिलित होने का पात्र होगा। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उन समस्त विषयों की परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा जो उस पाठ्यक्रम के लिए वर्ष विशेष में उसके द्वारा चयनित किये गये हों। यदि कोई छात्र किसी परीक्षा अथवा किसी विषय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है, तो उसे उस विषय की परीक्षा अथवा सम्पूर्ण परीक्षा (यथा स्थिति) में अनुपस्थित माना जाएगा। यदि छात्र पूरी परीक्षा में अनुपस्थित रहता है तो उसे सम्बन्धित कक्षा के लिए पुन: पंजीकरण नहीं करवाना होगा और न ही प्रवेश सम्बन्धी शुल्क का भुगतान करना होगा। छात्र को केवल उस वर्ष के लिए रूपये — 200 /- प्रति प्रश्न पत्र बैक परीक्षा शुल्क के साथ बैंक फॉर्म भर के परीक्षा हेतु आवेदन करना होगा, साथ ही वह अगले वर्ष की परीक्षा हेतु आवेदन कर सकता है। परीक्षार्थी के पास विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रवेश पत्र जिसमें छात्र की फोटो लगी हो, अवश्य होनी चाहिए। परीक्षार्थी के पास अपना पहचान-पत्र (वोटर आई.डी., लाइसेंस, पैन कार्ड आदि) होना चाहिए।

• 2019-20 में विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंकों का निर्धारण

(क) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हों-

1. सत्रीय कार्य- 20% अंक

2. लिखित परीक्षा- 80% अंक

(ख) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य होते हैं-

1. सत्रीय कार्य 30% अंक

2. प्रयोगात्मक कार्य 15% अंक

3. लिखित परीक्षा 55% अंक

- (ग) पूर्णरूपेण मौखिक परीक्षा अथवा परियोजना कार्य 100 अंक अथवा सम्बन्धित विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था।
- (घ) जिन पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक प्रशिक्षण होगा उनमें सन्तोषजनक अथवा असन्तोषजनक के रूप में मूल्यांकन कार्य किया जाएगा।

• सत्रीय कार्य –

सत्रीय कार्य परीक्षा-मूल्यांकन का ही प्राथमिक चरण है। सत्रीय कार्य की परिकल्पना यह है कि इस मूल्यांकन के कारण छात्र की चिन्तन शक्ति का विकास हो तथा उसके स्व-अध्ययन सामग्री का प्रायोगिक, व्यावहारिक रूप सामने आ सके। अर्थात् छात्र द्वारा सीखे गये विषय का स्वरूप स्पष्ट हो सकें। सत्रीय कार्य छात्रों की मूल्यांकन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए यह अनिवार्य है कि छात्र निर्धारित शुल्क सीमा एवं

निर्धारित समयाविध के भीतर ही इसे अध्ययन केंद्र में जमा कर दें। यदि कोई छात्र अन्तिम तिथि के उपरान्त सत्रीय कार्य जमा करता है तो उसे रू. 100 प्रति सत्रीय कार्य की दर से जमा करना होगा।

• अंक निर्धारण –

विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंको का निर्धारण अलग-अलग हैं। जैसे उन विषयों में, जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हो, उनमें सत्रीय कार्य के लिए 20 अंक तथा लिखित परीक्षा के लिए 80 अंक रखे गये हैं। किन्तु जिन विषयों में प्रयोगात्मक कार्य होते हैं, उनमें सत्रीय कार्य 40 अंको का प्रयोगात्मक कार्य 15 अंकों का तथा लिखित परीक्षा 45 अंकों के मध्य विभाजित होती है। यह प्रणाली पूर्णरूपेण विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार सुनिश्चित की जाती है।

• परीक्षा में उत्तीर्ण होने के मापदण्ड -

प्रत्येक वर्ष में पंजीकृत छात्र द्वारा उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक विषय में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक (सत्रीय कार्य, प्रयोगात्मक परीक्षा, मौखिक परीक्षा, परियोजना कार्य एवं लिखित परीक्षा में पृथक-पृथक) प्राप्त करना आवश्यक है। यदि कोई छात्र किसी विषय में उपर्युक्त विधि से निर्धारित अंक नहीं प्राप्त करता है तो उसे उस विषय में अनुत्तीर्ण माना जाएगा। अनुत्तीर्ण छात्र को उस विषय में उत्तीर्ण होने के लिए पुन: परीक्षा देनी होगी। परन्तु किसी विषय में अनुत्तीर्ण छात्र उस पाठ्यक्रम की परीक्षा अगले वर्ष की परीक्षा के साथ दे सकता है।

• परीक्षा केन्द्र परिवर्तन, शुल्क भुगतान एवं सुधार परीक्षा

छात्र हित को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की सुविधा प्रदान की है। किसी भी अभ्यर्थी को आवंटित परीक्षा केन्द्र में परिर्वतन हेतु निर्धारित शुल्क रू० 500/- का भुगतान करना होगा। किसी भी प्रकार का प्रवेश अथवा परीक्षा शुल्क नकद रूप में मान्य नहीं है। सभी प्रकार के शुल्क का भुगतान बैंक चालान के माध्यम से अथवा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियम के अनुसार करना अनिवार्य होगा।

उत्तीर्ण होने के पश्चात् यदि कोई विद्यार्थी स्नातक अथवा स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा में प्राप्त अंको में सुधार करने की इच्छा रखता है तो वहाँ रू० 200/- प्रति प्रश्न पत्र की दर से शुल्क का भुगतान कर सुधार परीक्षा दे सकता है। यह सुविधा विद्यार्थी को अपने चयनित पाठ्यक्रम के अधिक से अधिक सभी विषयों की आधी संख्या के बराबर विषयों में ही उपलब्ध होगी, किन्तु जो भी विषय चयनित किए जायेंगे उनके सभी प्रश्न पत्रों की परीक्षा देनी होगी। स्नातकोत्तर /डिप्लोमा/प्रमाण पत्र कार्यक्रमों में भी सुधार परीक्षा अधिकतम कुल प्रश्न पत्रों की आधी संख्या के लिए अनुमन्य होगी। यथा 5 या 6 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 3 प्रश्न पत्र, 3 या 4 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 2 प्रश्न पत्र। कोई भी परीक्षार्थी जिन विषयों में अनुत्तीर्ण हो, उन विषयों में वह सुधार परीक्षा दे सकता है। सुधार परीक्षा हेतु प्रति प्रश्न–पत्र रू. 200/- की दर से शुल्क का भुगतान करना होगा। सुधार परीक्षा में निर्धारित प्राप्तांक प्राप्त करने पर विद्यार्थी को उस वर्ष के लिए उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा।

श्रेणी –

परीक्षा परिणाम की निम्न तीन उत्तीर्ण श्रेणियाँ होंगी:

A) स्नातक स्तर (Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक	First Division	60% or more
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 45 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 45%
तृतीय श्रेणी	45 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 45% and upto 35%

B) परास्नातक स्तर (Post Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक	First Division	60% or more
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 48 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 48%
तृतीय श्रेणी	48 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 48% and upto 35%

• बैक पेपर की सुविधा (Back Paper Facility)

विद्यार्थी यदि अपने चयनित पाठ्यक्रम में अनुत्तीर्ण होता है तो रू. 200 /- प्रति प्रश्न की दर से शुल्क का भुगतान कर पुन: परीक्षा दे सकता है। विद्यार्थी को यह सुविधा उन सभी विषयों में देय होगी जिनमें वह अनुत्तीर्ण है। यह सुविधा पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु निर्धारित अधिकतम समय सीमा तक देय होगी। बैक पेपर व सुधार परीक्षाएँ मुख्य परीक्षा के साथ ही आयोजित की जाती हैं।

❖ पंचम दीक्षान्त समारोह (Fourth Convocation Ceremony)

मा0 श्री राज्यपाल/कुलाधिपति सचिवालय के पत्र संख्या —2333/जी0एस0/ शिक्षा/C7-19/2016 दिनांक—24 सितम्बर, 2019 के माध्यम से इस विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह के आयोजन हेतु मा0 श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदया द्वारा दिनांक—27 नवम्बर, 2019 (बुधवार) हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की गई है।

दिनांक 03 दिसम्बर 2019 को विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल द्वारा दीक्षान्त भाषण दिया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. धन सिंह रावत, उच्च शिक्षा मन्त्री उपस्थित रहे।



पंचम दीक्षान्त समारोह का छायाचित्र

समारोह में विश्वविद्यालय में वर्ष 2017—18 में पीएच0डी0 (शोध उपाधि)/रनातक/ रनातकोत्तर/ पी0जी0 डिप्लोमा/ डिप्लोमा/ प्रमाण—पत्र/ रनातक एकल विषय में 8, 404 तथा वर्ष 2018—19 में उक्त पाठ्यक्रमों में 14, 246 कुल 22,650 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। पीएच0डी0 (शोध उपाधि)/रनातक, रनातकोत्तर एवं पी0जी0 डिप्लोमा स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण कुल 19,792 विद्यार्थियों को दीक्षान्त समारोह में उपाधियां एवं 48 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये जिसमें 39 नियमित स्वर्ण पदक, 03 कुलाधिपति स्वर्ण पदक तथा 06 प्रायोजित स्वर्ण पदक (Sponsored Madel) माननीय श्री राज्यपाल कुलाधिपति महोदया द्वारा प्रदान किये गये।

उक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय—आठ 'मानद उपाधि प्रदान करना' (धारा 5 (चार)) परिनियम 36(4) में वर्णित व्यवस्थानुसार माननीय श्री राज्यपाल / कुलाधिपित महोदया से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में उत्तराखण्ड राज्य के 02 विशिष्ट व्यक्तियों— पंडित श्री विद्यादत्त शर्मा (उनियाल) तथा श्री लवराज सिंह धर्मशक्तु, असिसटेंट कमांडेंट, भारतीय सुरक्षा बल (BSF) को विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल / कुलाधिपित महोदया द्वारा मानद उपाधि (Honoris Causa) प्रदान की गई।



पंडित श्री विद्यादत्त शर्मा (उनियाल) को मानद उपाधि प्रदान करते मा० श्री राज्यपाल व डाॅ० धन सिंह रावत जी



श्री लवराज सिंह धर्मशक्तु, असिसटेंट कमांडेंट, भारतीय सुरक्षा बल को मानद उपाधि प्रदान करते मा० श्री राज्यपाल व डॉ० धन सिंह रावत जी



निम्न शोधार्थियों को मा० श्री राज्यपाल / कुलाधिपति द्वारा पीएच०डी० (शोध उपाधि) उपाधि प्रदान की गई—

SNO.	Name	Enrolment/Reg istration No.	Subject	Title of thesis
1-	KUMAR NALIN	12027925	History	GANDHI AND MAO : A
	कुमार नलिन			COMPARATIVE STUDY OF THEIR
	S .			APPROACHES/STRATEGIES AND
				RELEVANCE IN THE MODERN
				CONTEXT
2-	SUNITA SANGURI	12027642	Management	A Study of Economic Empowerment
	सुनीता सांगुडी		Studies	of Marginalised Sections of Society
				through Financial Inclusion
3-	LT. COL. RAJINDER SINGH	12035103	Management	Professional Stress and Spiritual
	KOHLI		Studies	Intelligence : A Study of Corporate
	ले0 कर्नल राजिन्दर सिंह कोहली			and Government Executives
4-	HARISH CHANDRA LAKHERA	11015687	Journalism	स्थानीयकरण और समाचार पत्र में प्रमुख राखण्डउत्त :
	हरीश चंद्र लखेडा			मुद्दों के निर्माण में भाषाई समाचार पत्रों की भूमिका
5-	DEEP CHANDRA	13040440	Management	An Assessment of Credit Risk
	दीप चन्द्रा		Studies	Management and Financial Performance
				of Banks : A Case of Nainital Bank
				Limited
6-	UMA PANDEY PADALIA	13040448	Education	उत्तराखण्ड के कुमाऊँ क्षेत्र में उच्चतर माध्यमिक
	उमा पाण्डेय पडलिया			विद्यालयों में विद्यार्थियों के मूल्याँकन हेतु अपनायी जा
				रही प्रविधियों का आलोचनात्मक अध्ययन
7-	DINESH CHANDRA KANDPAL	12027660	Education	STUDY OF RIGHT AND LEFT
	दिनेश चन्द्र काण्डपाल			HANDED ADOLESCENT STUDENTS
				IN RELATION TO THEIR EGO
				IDENTITY, INTELLECTUAL
				ABILITY, ACADEMIC
				ACHIEVEMENT AND SOME

				RELEVANT SOCIAL VARIABLES
8-	PRIYANKA SANGURI FULARA प्रियंका सांगुडी फुलारा	13040404	Education	Study of decision making style of Principals of senior secondary schools in relation to their emotional
				intelligence, teaching experience, sex, and type of institution
9-	BHUWAN CHANDRA TEWARI भुवन चन्द्र तिवारी	12027911	Education	STUDY OF EMOTIONAL INTELLIGENCE, SATISFACTION WITH LIFE AND HAPPINESS OF SENIOR SECONDARY SCHOOL TEACHERS IN RELATION TO SELECTED SOCIO-EDUCATIONAL VARIABLES
10-	PRAMILA SUYAL प्रमिला सुयाल	13042620	Education	उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण हेतु प्रयुक्त शिक्षण विधियों का आलोचनात्मक अध्ययन
11-	MANISHA PANT मनीषा पन्त	13040699	Education	उच्च शिक्षण संस्थानों के विविध पक्षों से सम्बन्धित गुणवत्ता मानकों के सन्दर्भ में उत्तराखण्ड की महाविद्यालयी शिक्षा की स्थिति का आलोचनात्मक अध्ययन

❖ प्रशिक्षण और प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ (Training and Placement Cell)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अपने छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि हेतु एक प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ का निर्माण किया गया है। इस प्रकोष्ठ में छात्रों का विस्तृत डाटाबेस रखा गया है। प्रकोष्ठ नौकरियों की रिक्तियों की सूचना के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों के एच.आर. हेड्स के सम्पर्क में रहता है।

इस दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा 'प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ' नामक एक पोर्टल निर्मित किया गया है, जिसके माध्यम से छात्रों को उनके कैरियर सम्बन्धित विभिन्न जानकारी प्रदान की जाती है। छात्र इस पोर्टल से जुड़कर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के बारे में जानकारी ले सकते है। इस प्रकोष्ठ को पुरा छात्र प्रकोष्ठ से भी जोड़ा गया है। विश्वविद्यालय के प्रबन्ध विषय में 150 से अधिक शिक्षार्थी जिन्होंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है वो विभिन्न क्षेत्रों में (यथा – प्रशासनिक, बैंकिंग, अध्यापन, निजी क्षेत्र, वित्तीय क्षेत्र आदि) कार्यरत हैं, जो विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी प्रकार पर्यटन, होटल प्रबन्ध, कला, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर तथा विज्ञान आदि विषयों के शिक्षार्थी भी विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पाकर अपनी- अपनी सेवायें दे रहे हैं। भविष्य में प्रकोष्ठ द्वारा जॉब फेयर आयोजित करने की योजना है।

6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन (GOVERNANCE, LEADERSHIP AND MANAGEMENT)

❖ विश्वविद्यालय की संदृष्टि (Vision of University):

"ज्ञान के इस युग में उच्च-शिक्षा को विकास का सशक्त माध्यम बनाने के लिए ज्ञान का सृजन कर उत्तरा -खण्ड के लोगों, विशेषकर युवाओं तथा शिक्षा से वंचित एवं रोजगार में संलग्न व्यक्तियों को मूल्य-आधारित गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के सुविधाजनक एवं सर्वसुलभ अवसर उपलब्ध कराते हुए उन्हें जीवन पर्यन्त अध्ययन के लिए प्रेरित करना तथा स्व-रोजगार, रोजगार एवं अन्य कौशलों में दक्ष बनाना जिससे कि वे प्रदेश, देश व सम्पूर्ण मानवता की उपयुक्त सेवा कर सकें।

❖ विश्वविद्यालयीय सहभागी स्वरूप एवं विकेन्द्रीकरण (Participative Decision Process and Decentralization)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय सहभागी स्वरूप की पद्धित पर कार्य करता है। िकसी भी पाठ्यक्रम या योजना को वह विभिन्न स्रोतों के माध्यम से लागू करता है। प्राध्यापक अपने निदेशक से तथा निदेशक कुलपित के माध्यम से किसी निर्णय का निस्तारण करते हैं। इस प्रकार कार्यों में केन्द्रीयता और विकेन्द्रीयता दोनों रहती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभाग विकेन्द्रीकृत हैं। जैसे प्रादेशिक सेवाएँ, प्रवेश अनुभाग, शोध एवं नवाचार, अकादिमक अनुभाग, पुस्तक वितरण अनुभाग, आईसीटी अनुभाग ये सभी मिलकर सहभागी रूप में कार्य करते हैं। इन विभागों के स्वतन्त्र रूप से प्रभारी हैं और वे इसका संयोजन करते हैं। इसी प्रकार दीक्षान्त समारोह या अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों में परस्पर सहभागी रूप में विश्वविद्यालय के सदस्य कार्य करते हैं। प्रशासन के स्तर पर विकेन्द्रीकरण का उदाहरण है – कुलपित के कार्यों का विभिन्न अकादिमक व्यक्तियों में वितरण। इस समय ओएसडी सामान्य, ओएसडी क्रय एवं मुद्रण, ओएसडी अनुरक्षण तथा ओएसडी पुस्तकालय के रूप में प्रशासन का विकेन्द्रीकरण हुआ है। विश्वविद्यालय की नीति लोकतान्त्रिक है।

❖ भविष्य की योजनायें (Perspective plans)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्विद्यालय में भविष्य की योजनाओं के अन्तर्गत प्राथमिकता के आधार पर सर्वप्रथम इस विश्विवद्यालय को 12 (बी) तथा राष्ट्रिय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा ग्रेड प्राप्त कराया जाना है, जिससे यह मुख्य धारा में सीधे रूप से जुड़ सकें और इसका सर्वतोमुखी विकास हो सके। इसके साथ-साथ विश्विवद्यालयीय परिसर का भी विस्तार कराया जाना, अकादिमक एवं गैर अकादिमक कार्मिकों की नियुक्तियाँ, जन-जन तक शिक्षा को पहुँचाने हेतु कार्य करना, इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना आदि ये समस्त कार्य भविष्य की भावी योजनाओं में निहित है।

❖ छात्र शिकायत एवं निवारण पोर्टल (Students' Greivances and Solution Portal)-

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र से तकनीकी माध्यम का उपयोग करते हुए छात्र हित में एक 'सपोर्ट टिकट पोर्टल' का निर्माण किया गया है। इसके माध्यम से कोई भी छात्र अपनी समस्या को ऑनलाइन प्रेषित कर सकता है। छात्र द्वारा जब ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जाती है, उसी समय उसे एक टिकट नम्बर भी प्राप्त हो जाता है। उस नम्बर के आधार पर वह अपनी शिकायत का निवारण कभी भी कर सकता है।

समस्या के निवारण सम्बन्धित विभाग द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय में यह सुविधा आइसीटी अनुभाग द्वारा निर्मित की गई है।

सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों का प्रबन्ध एवं संचालन (Management and monitoring of affiliated centres (Regional and study centres)

विश्वविद्यालय में सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों का संचालन आरएसडी अनुभाग द्वारा किया जाता है।

- पूर्व में स्थापित 18 अध्ययन केन्द्रों को उनके कार्यकाल पूर्ण होने के उपरान्त उन्हें नवीनीकरण की प्रक्रिया
 के दौरान असंतोषजनक प्रदर्शन के कारण बन्द कर दिया गया।
- वर्तमान में 115 अध्ययन केन्द्र संचालित हैं। (परिशिष्ट XVI का अवलोकन करें)
- अध्ययन केन्द्रों को शैक्षिक सत्र 2019-20 ग्रीष्म के शुल्क अंश की प्रथम एवं द्वितीय किश्तों का भुगतान विश्वविद्यालय द्वारा किया जा चुका है।
- निदेशालय के समस्त दैनिक कार्यों का सम्पादन यथा माँग के आधार पर विद्यार्थियों के प्रवेश व अध्ययन केन्द्र परिवर्तन, प्राप्त डाक का निस्तारण कार्य, अध्ययन केन्द्रों/ पाठ्यक्रमों को ऑन लाइन अपडेट करना, आवश्यकतानुसार अन्य विभागों द्वारा सौंपे गये कार्यों का सम्पादन करना, क्षेत्रीय केन्द्रों, अध्ययन केन्द्रों व विद्यार्थियों से सम्पर्क करना आदि।

❖ अकादिमक संपरीक्षा (Academic Audit)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल के अकादिमक संपरीक्षा की प्रक्रिया समय- समय पर सम्पन्न होती रही है। विश्वविद्यालय का अकादिमक निदेशालय इस कार्य को तत्परतापूर्वक करता रहा है। अकादिमक संपरीक्षा के अन्तर्गत सत्र 2018-19 के बीच हुए प्रमुख कार्यों का मूल्यांकन विवेचन है। इस बीच विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम की गुणवत्ता की जाँच, नए पाठ्यक्रम के प्रारम्भ की आवश्यकता एवं उनके महत्व निर्धारण, संगोष्ठी कार्यशालाओं में भागीदारी —आयोजन का मूल्यांकन करना तथा शिक्षकों के अकादिमक उन्नयन की गतिविधियों की जाँच का कार्य किया गया। विश्वविद्यालय में शीघ्र ही आईक्यूएसी (आंतिरक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ) का गठन किया जायेगा, जिससे अकादिमक संपरीक्षा और व्यवस्थित रूप में सम्पन्न हो सके। सम्प्रति विश्वविद्यालय के निदेशक, अकादिमक, प्रोफेसर आर.सी.मिश्रा के निर्देशन में अकादिमक संपरीक्षा का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

❖ विश्वविद्यालय सहायता प्रणाली (University Support System)

विश्वविद्यालय का अपना एक शिक्षार्थी Support system है, जिसके द्वारा शिक्षार्थी अपनी समस्या विश्वविद्यालय से सम्बन्धित व्यक्ति तक पहुँचा सकता है। यह एक ऑनलाइन प्रक्रिया है। शिक्षार्थी सपोर्ट सिस्टम का उद्देश्य है - विश्वविद्यालय से जुड़े छात्रों या जुड़ने वाले छात्रों की समस्या का समाधान तकनीकी माध्यम से करना। अत: युगानुरूप शिक्षार्थियों के समस्या समाधानार्थ यह एक सुलभ साधन है। इसके अतिरिक्त शिक्षार्थी प्रवेश या परीक्षा से सम्बन्धित कोई भी समस्या सीधे दूरभाष द्वारा बता सकता है साथ ही उसका समाधान भी प्राप्त कर सकते है।

❖ विश्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन (Financial Management of University)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में बजटीय नियन्त्रण प्रणाली का पालन किया जाता है जिसके द्वारा विश्वविद्यालय का बजट तैयार किया जाता है। विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट आगामी वर्ष के पहले ही तैयार कर लिया जाता है।

विश्वविद्यालय को शुल्क राशि (Fee-Fund) से आय प्राप्त होती है तथा राज्य सरकार द्वारा राज्य-अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। जहाँ तक वित्तीय संसाधनों का सम्बन्ध है, विश्वविद्यालय सभी अनुदान/ निधि का कुशलता से उपयोग करता है।

लेखा के ऑडिट के लिये माननीय कुलपित महोदय द्वारा एक चॉर्टड एकाउन्टेन्ट को बाहरी ऑडिटर के रूप में नियुक्त किया जाता है। यह चार्टड एकाउन्टेन्ट प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में लेखा की ऑडिट रिपोर्ट तैयार करता है। (देखें ... परिशिष्ट XI)

अध्ययन परिषद/ विशेषज्ञ सिमति की बैठक के महत्वपूर्ण बिन्दु

क्रम	विभाग	तिथि	अध्ययन परिषद/ विशेषज्ञ समिति
संख्या			
1.	वाणिज्य	8 जुलाई 2019	अध्ययन बोर्ड का आयोजन किया गया।
2.	भौतिकी विज्ञान	8 जुलाई 2019	अध्ययन बोर्ड का आयोजन किया गया।
3.	वनस्पति विज्ञान	9 जुलाई 2019	अध्ययन बोर्ड का आयोजन किया गया।
4	रसायन विज्ञान	9 जुलाई 2019	अध्ययन बोर्ड का आयोजन किया गया।
5	प्राणि विज्ञान	10 जुलाई 2019	अध्ययन बोर्ड का आयोजन किया गया।
6	पर्यावरण विज्ञान	11 जुलाई 2019	अध्ययन बोर्ड का आयोजन किया गया।
7.	भूगोल	12 जुलाई 2019	अध्ययन बोर्ड का आयोजन किया गया।
8	मनोविज्ञान	15 जुलाई 2019	अध्ययन बोर्ड का आयोजन किया गया।
9	अर्थशास्त्र	15 जुलाई 2019	अध्ययन बोर्ड का आयोजन किया गया।
10	ज्योतिष-कर्मकाण्ड	1-2 फरवरी 2020	एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम को वार्षिक प्रणाली से सेमेस्टर प्रणाली में परिवर्तित किया गया। पूर्व से संचालित पाठ्यक्रमों में संशोधन एवं परिवर्द्धन कर संचालन हेतु अनुमति दी गयी। तीन नवीन पाठ्यक्रमों का पाठ्यक्रम तैयार किया गया।
11	संस्कृत	1-2 फरवरी 2020	एम.ए. संस्कृत पाठ्यक्रम को वार्षिक प्रणाली से सेमेस्टर प्रणाली में परिवर्तित किया गया। पूर्व से संचालित पाठ्यक्रमों में संशोधन एवं परिवर्द्धन कर संचालन हेतु अनुमित दी गयी।
12	अंग्रेजी	अगस्त 2020	एम.ए. अंग्रेजी पाठ्यक्रम को वार्षिक प्रणाली से सेमेस्टर प्रणाली में परिवर्तित किया गया।

अध्ययन बोर्ड की बैठकों का आयोजन

भौतिक विज्ञान-

विश्वविद्यालय के विज्ञान विद्याशाखा के अंतर्गत भौतिक विषय की अध्ययन बोर्ड की बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से किया गया। बैठक में सभी सदस्यों द्वारा ऑलाइनGoogle Duo platformके माध्यम से प्रतिभाग किया गया जिसमें मा० कुलपित जी द्वारा स्वयं प्रतिभाग किया गया इसके अतिरिक्त वाह्य विशेषज्ञ के रूप में डॉ० एस०आर० झा, प्रोफसर भौतिकी, इग्नू, नई दिल्ली, डॉ० पीएस बिष्ट, प्रोफेसर भौतिकी, अल्मोड़ा कैम्पस, कुमांऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा प्रतिभाग किया गया। विश्वविद्यालय से प्रोफेसर पी०डी० पंत, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ० कमल देवलाल, सहा० प्राध्यापक, डॉ० राजेश मठपाल तथा डॉ० मिनाक्षी राणा अकादिमक परामर्शदाता द्वारा प्रतिभाग किया गया।



बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा हुई जिसमें एमएससी के पाठ्यक्रम की पाठ्य सामग्री का निर्माण तथा सेमेस्टर प्रणाली में पाठ्य सामग्री तैयार करना।

प्राणी विज्ञान-

विश्वविद्यालय के विज्ञान विद्याशाखा के अंतर्गत भौतिक विषय की अध्ययन बोर्ड की बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से किया गया। बैठक में सभी सदस्यों द्वारा ऑलाइन Google Duo platform के माध्यम से प्रतिभाग किया गया जिसमें मा० कुलपित जी द्वारा स्वयं प्रतिभाग किया गया इसके अतिरिक्त वाह्य विशेषज्ञ के रूप में डॉ नीरा कपूर, प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान, इग्नू, नई दिल्ली, डॉ० ए०के० डोबिरयाल, प्रोफेसर, बीजीआर कैम्पस, पौड़ी,एच०एन०बी० गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, डॉ० एस०पी०एस० बिष्ट, डीएसबी कैम्पस, कुमाऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल। विश्वविद्यालय से प्रोफेसर पी०डी० पंत, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ० श्याम सिंह कुंजवाल, डॉ० पूर्णिमा विश्वकर्मा एवं डॉ० मुक्ता अकादिमक परामर्शदाता, प्राणी विज्ञान, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय।

बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा हुई जिसमें सेमेस्टर प्रणाली में पाठ्य सामग्री तैयार करना तथा यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुरूप ही CBCSके अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करना।



मा० कुलपति जी की अध्यक्षता में वीडियो कोन्फेंसिंग के माध्यम से आयोजित समस्त शिक्षकों के साथ बैठक—

विज्ञान विद्याशाखा-

दिनांक 27 अप्रैल, 2020 को माननीय कुलपित जी की अध्यक्षता में विज्ञान विद्याशाखा के समस्त शिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ZOOM App के माध्यम से किया गया। बैठक में प्रोफेसर पी0डी0 पंत निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा बैठक की शुरूआत की गई तथा सभी का स्वागत किया गया।

माननीय कुलपति जी ने प्रत्येक विभाग के संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की तथा उनके द्वारा लॉकडाउन अविध में किये गये कार्यों की समीक्षा की। सभी विषयों के समन्वयकों द्वारा माननीय कुलपति जी को अपनी प्रगति के सम्बन्ध में अवगत कराया।

मननीय कुलपित जी द्वारा समस्त संकाय सदस्यों को सुझाव दिया कि लॉकडाउन अविध के दौरान घर से कार्य करते हुए विद्यार्थियों की सर्वोत्तम सहायता करें। विद्यार्थियों को पाठ्यकमों के पीपीटी बनाकर, ई—पुस्तकों तथा विकासशील वीडियों के लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाईट में उपलब्ध करवाये। कुलपित जी द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि जिन विभागों में अद्यतन अध्ययन बोर्ड की बैठक का आयोजन नहीं हुआ है वे जल्द ही ऑनलाइन अध्ययन बोर्ड की बैठक करवाना सुनिश्चित करें।

बैठक में स्नातकोत्तर तथा स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर प्रणाली में किये जाने तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। अंत में प्रोo पीoडी पंत के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक समाप्त हुई।

समाज विज्ञान विद्याशाखा

दिनांक 30 अप्रैल, 2020 को माननीय कुलपित जी की अध्यक्षता में समाज विज्ञान विद्याशाखा के समस्त शिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। बैठक में प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा बैठक की शुरूआत की गई तथा सभी का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् माननीय कुलपित जी ने समस्त शिक्षकों को लॉकडाउन की अविध में घर से कियेगये कार्यों का विवरण प्रस्तुत किये जाने हेतु आदेश दिये।

- डॉ० एमएम जोशी, सहायक प्राध्यापक द्वारा बताया गया कि उनके बीए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा एमए के प्रथम वर्ष के पाठ्य सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा 16 पीपीटी अपलोड किये गये हैं। सत्र 2020—21 से पाठ्य सामग्री सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार तैयार करने की प्रक्रिया गतिमान है।
- डॉ० सूर्यभन सिंह, सहायक प्राध्यापक द्वारा अवगत कराया गया कि उनके बीए तथा एमए की पाठ्य सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा 11 पीपीटी अपलोड किये गये हैं तथा लॉकडाउन अवधि में इनके द्वारा







लगभग 4200 विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री तथा सत्रीय कार्य ई मेल तथा सोशियल नेटवर्किंग के माध्यम से प्रेषित किये गये। सत्र 2020–21 से पाठ्य सामग्री सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार तैयार करने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली है।

- डॉ० नीरजा सिंह, सहायक प्राध्यापक, समाज कार्य द्वारा अवगत कराया गया कि इनके द्वारा MSW-II semesterतथाMSW -IV semester project workपीपीटी अपलोड किये गये हैं। इन्होंने 51 विद्यार्थियों की टेलीफोनिक काउंसिलिंग भी की। एमएसडब्ल्यू की समस्त पाठ्य सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध है।
- डॉ० शालिनी चौधरी, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र ने बताया कि उनके द्वारा इनके द्वारा व्हाट्स एप तथा मेल के माध्यम से विद्यार्थियों को सत्रीय कार्य तथा पाठ्य सामग्री प्रेषित की जा रही है। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा 02 पीपीटी अपलोड किये गये हैं। इनके विषय की समस्त पाठ्य सामग्री तैयार है।
- डॉ० सीता, सहायक प्राध्यापक तथा डॉ० रूचि तिवारी, अकादिमक परामर्शदाता, मनोविज्ञान द्वारा अवगत कराया गया कि सत्र 2020—21 से पाठ्य सामग्री सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार तैयार करने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। अध्ययन बोर्ड की बैठक की तैयारी की जा रही है। ई—काउंसिलिंग की प्रक्रिया गतिमान है।
- डॉ दीपांकुर जोशी, अकादिमक परामर्शदाता, विधि द्वारा बैठक में बताया कि इनके द्वारा माबाईल तथा व्हाट्स ऐप के माध्यम से विधि विषय के विद्यार्थियों की समस्याओं का निराकरण किया गया। इनके विषय की समस्त पाठ्य सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध है। इन्होंने आरटीआई पाठ्यकम से सम्बन्धित पीपीटी तैयार किये गये।

मानविकी विद्याशाखा-

दिनांक 30 अप्रैल, 2020 को माननीय कुलपित जी की अध्यक्षता में मानविकी विद्याशाखा के समस्त शिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। बैठक में प्रोफेसर एच०पी० शुक्ल, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा बैठक की शुरूआत की गई तथा सभी का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् माननीय कुलपित जी ने समस्त शिक्षकों को लॉकडाउन की अविध में घर से किये गये कार्यों का विवरण तथा विद्यार्थियों को प्रेषित की जाने वाली पाठ्य पुस्तकों की स्थित से अवगत कराने हेतु आदेश दिये।



- **डॉ० देवेश कुमार मिश्रा, सहा० प्राध्यापक, संस्कृत** द्वारा अवगत कराया गया कि इनके द्वारा पीपीटी तैयार किये गये।
- डॉ० सुचित्रा अवस्थी, सहा० प्रध्यापक तथा डॉ० नागेन्द्र गंगोला, अकादिमक परामर्शदाता, अंग्रेजी द्वारा इनके द्वारा 2 किताबें एम० ए० की तैयार की गई तथा 4 पीपीटी अपलोड किये गये। सेमेस्टर प्रणाली का कार्य पूर्ण हो चुका है।

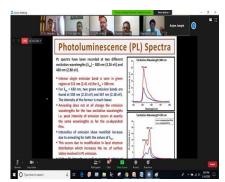
• डॉ० भूपेन सिंह, सहा० प्राध्यापक, पत्रकारिता द्वारा अवगता कराया गया कि पत्रकारिता के समस्त पाठ्यकमों की अध्ययन सामग्री अपलोड कर दी गई है तथा छात्रों हेतु विडीयो लेक्चर भी तैयार किये जा रहे है।

- डॉ० नन्दन कुमार तिवारी, सहा० प्राध्यापक, ज्योतिष द्वारा बताया गया कि इनके द्वारा छात्रों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। वास्तु शास्त्र पर वीडियो लेक्चर तैयार किया गया तथा इनके विषय के पीपीटी विश्वविद्यालय की बेबसाइट पर अपलोड है।
- डॉ ममता कुमारी, सहा0 प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र द्वारा बैठक में बताया गया कि व्हट्स एप के माध्यम से विद्यार्थियों को सहायता की जा रही है। लेक्चर तथा पीपीटी तैयार कर अपलोड किये जा रहे है।
- **डॉ कल्पना पाटनी लखेड़ा, सहा० प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र** द्वारा किताबों के सम्पादन कार्य के साथ साथ लेक्चर तथा पीपीटी तैयार कर अपलोड किये जा रहे है।
- डॉ० राजेन्द्र सिंह कैड़ा, अकादिमक परामर्शदाता, हिन्दी द्वारा 4 किताबों का संपादन कार्य किया गया। इनकी समस्त पाठ्य सामग्री सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार तैयार है। इनके द्वारा विद्यार्थियों हेतु 4 पीपीटी अपलोड किये गये।
- **डॉ० सिद्वार्थ कुमार पोखरियाल, अकादिमक परामर्शदाता**, विशेष शिक्षा द्वारा समस्त पाठ्य सामग्री विद्याथियों हेत् अपलोड कर दी गई है।

अंत में मननीय कुलपित जी द्वारा समस्त संकाय सदस्यों को सुझाव दिया कि लॉकडाउन अविध के दौरान घर से कार्य करते हुए विद्यार्थियों की सर्वोत्तम सहायता करें। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रमों के पीपीटी बनाकर, ई—पुस्तकों तथा विकासशील वीडियों के लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाईट में अधिक से अधिक उपलब्ध करवाये।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय कोविड—19 के तहत् जारी लॉकडाउन के दौरान शिक्षकों द्वारा की गई अन्य महत्वपूर्ण अकादिमक गतिविधियाँ

- 1. Dr. Kalpana Patni Lakhera Submitted abstract to National Seminar on -Innovation in Open and Distance Learning for quality education 2020 in theme Innovation in Assessment and evaluation system and accepted for presentation.
- Dr. Kalpana Patni Lakhera Presented a research paper in National Seminar organized by Uttarakhand Open University Haldwani sponsored by ICSSRNew Delhi on role of NEP 2019 in approaches to teacher education on 14-15 Mar 2020.
- 3. Dr. Gopal Dutt, Programe coordinator, Vocational Studies Participated in International online seminar on Teaching, learning in the time of pandemic, role of online learning organized by KKSHOU and CEMCA on 21-22 Apr. He also Published a research paper titled "Study of Implementation of Technology Enabled Education in Teaching Learning: A Study", at Journal of Xidian University (Scopus indexed and UGC approved Journal), ISSN No. 1001- 2400, Vol. 14, Issue 5.
- 4. Dr. Meenakshi Rana, attended and presented paper in the "International conference on Teaching-learning in the time of pandemic: Role of online learning" organized by K K Handiqui state open university, Guwahati, Assam, India, during 21 to 22 April 2020. Presented paper entitled "Online Learning During the Crisis of the Novel Corona Virus"



5. Dr. Meenakshi Rana submitted a conference paper entitled "Online Learning during the Crisis of the Novel Corona Virus". [First page attached]

- 6. Dr. Meenakshi Rana, attended webinar on "Material Science, Technology & Society (MSTS 2020)" organized by JNU, New Delhi, India, during 8 to 9 May 2020.
- 7. Dr. Meenakshi Rana, attended webinar on Biomedical Applications of Raman Spectroscopy, organized by University of Lucknow, on 11 May 2020 She also attended and presented paper in the international webinar on "Prospective of Interdisciplinary Research in Science and Technology in Present Scenario", organized by the Department of Physics, Ch. Charan Singh University, Meerut, UP, India, during May 15-16, 2020.

7. नवाचार एवं उत्तम क्रियायें (Innovations and Best Practices)

मा० उच्च शिक्ष मंत्री डाॅ० धन सिंह रावत की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन

उच्च शिक्षा, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डाँ० धन सिंह रावत ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कुलपित की उपस्थिति में सभी विद्याशाखा निदेशकों, अधिकारियों अनुभाग प्रभारियों की बैठक ली तथा विश्वविद्यालय के सभी अनुभागों की समीक्षा की।

कुलपित प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी ने उच्च शिक्षा मंत्री को पुष्प गुच्छ व सौल भेंट कर उनका स्वागत व सम्मान किया और कुलसिचव भरत सिंह ने विश्वविद्यालय की वस्तु स्थिति से उन्हें अवगत कराया।

प्रो0 आर0 सी मिश्र ने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली और प्रगति आख्या की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 राजेन्द्र कैडा ने किया।



समीक्षा बैठक लेते उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत

समीक्षा बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री ने निम्न बिन्दुओं पर दिशा निर्देश दिये –

- विश्वविद्यालय में शुल्क मद के बचत कोष से 80 प्रतिशत खर्च कर विश्वविद्यालय के ढांचागत निर्माण का विकास किया जाय।
- सभी रिक्त पदों पर निुक्ति हेतु 23 जुलाई तक विज्ञापन जारी किये जाएंए नियुक्तियों में सर्वण आरक्षण को पूर्णत: लागू किया जाए।
- विश्वविद्यालय में बायोमैट्रिक उपस्थिति सभी के लिए अनिवार्य किये जाएं।
- दीक्षांत समारोह प्रत्येक वर्ष आयोजित किये जाएं दीक्षांत समारोह में कम से कम खर्च किया जाए अधिक पैसा खर्य करने के बजाए उपाधि लेने वाले छात्रों की उपस्थिति संख्या पर ध्यान दिया जाए।
- विश्वविद्यालय किसी एक विशेष क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाने का प्रयास करें।

 सामुदायिक रेडियो केन्द्र हैलो हल्द्वानी की सफल संचालन पर सामुदायिक रेडियो पर 10 मिनट का प्रस्तुतिकरण तैयार किया जाएए जिसे भारत सरकार में प्रस्तुत किया जाएगा।

- विश्वविद्यालय का भवन निर्माण का कार्य कम से कम 15 माह और अधिकतम 18 माह में पूरा कराया जाए।
- विश्वविद्यालय मे शैक्षिक कलेण्डर का अनुपालन किया जाए।
- उत्तर पुस्तिकाओं का केन्द्रीय मुल्यांकन कराया जाए।
- गढवाल क्षेत्र के लिए देहराद्न परिसर से अध्ययन सामग्री बांटी जाए।
- विश्वविद्यालय के सभी 8 क्षेत्रीय कार्यालयों की समीक्षा कर उनका भैगोलिक आधार पर उनका पुनर्गठन किया जाए।
- सभी राजकीय/अशासकीय महाविद्यालयों में अध्ययन केन्द्र स्थापित किए जाएं। बैठक में विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, अनुभाग प्रभारी मौजूद रहे। संचालन हिन्दी विभाग के डॉ० राजेन्द्र सिंह कैडा द्वारा किया गया।

योजना बोर्ड की 5वीं बैठक का आयोजन

दिनांक 22 जुलाई, 2019 को विश्वविद्यालय की 5वीं योजना बोर्ड की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अनेक बिन्दुओं पर चर्चा हुई। बैठक में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12 (बी) के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों पर चर्चा के साथ अनुमोदन किया गया।

इसके अतिरिक्त बैठक में दूरस्थ शिक्षा पद्वित के विश्वविद्यालयों के लिए मानव संसाधन की आवश्यकता को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग क ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक शैक्षिक व शिक्षणैत्तर पदों के सृजन पर चर्च की गई। विश्वविद्यालय में परीक्षा एमपीडीडी के भण्डार के लिए आधारभूत आवश्यकताओं पर चर्चा की गई। इस दौरान विश्वविद्यालय की स्वयं के अन्य आय के स्रोत से भविष्य में भवन निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में कुल 8 प्रस्तावों पर योजना बोर्ड की मोहर लगी।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

दिनांक 20 जुलाई, 2019 को विश्वविद्याल में बैंक ऑफ बड़ौदा के सौजन्य से वृक्षा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मा० कुलपति, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, उपकुलसचिव व अन्य कार्मिकों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।



वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते मा० कुलपति, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक तथा बैंक ऑफ बडौदा के कर्मचारी

"नई शिक्षा नीति-2019 के प्रारूप निर्माण में सुझाव" विषय पर गोष्ठी का आयोजन

विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा की ओर से दिनांक 8 जुलाई, 2019 को विश्वविद्यालय में 'नई शिक्षा नीति के प्रारूप निर्माण में सुझाव' विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में नई शिक्षा नीति पर चर्चा कर विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा सुझाव रखे गये।

कुलपति प्रोo ओo पीo एसo नेगी द्वारा नई शिक्षा नीति का प्रारूप सुझावों को अवश्यक बताया। प्रोo एच पी शुक्ल ने भी नई शिक्षा नीति के प्ररूप पर सुझावों के महत्व पर प्रकाश डाला।

SWAYAM के लिए Introduction to cyber security विषय पर MOOC हेतु ऑनलाईन पाठ्यक्रम का निर्माण

मानव संसाधन विकास मत्रालय (MHRD) द्वारा संचालित एवं वित्त पोषित परियोजना SWAYAM के लिए Introduction to cyber security विषय पर MOOC के निर्माण हेतु डॉ. जीतेंद्र पाण्डे- सहायक प्राध्यापक (कंप्यूटर विज्ञानं) को MHRD/IGNOU द्वारा 13.5 लाख(तेरह लाख पचास हजार रूपए मात्र) का अनुदान स्वीकृत हुआ, जिसके अंतर्गत साइबर सिक्यूरिटी विषय में 20 घंटे के विडियो लेक्चर स्वअध्यन सामग्री विकसित की गयी। यह कोर्स दिनांक 01 जुलाई 2019 से SWAYAM प्लेटफार्म पर उपलब्ध है। वर्तमान में करीब 48 देशों के लगभग 9000 छात्र इस कोर्स में पंजीकृत हैं।



योजना बोर्ड की 5वीं बैठक में प्रतिभाग करते कुलपति व अन्य

बैठक की अध्यक्षता मां० कुलपित जी द्वारा की गई। बैठक में कुमांऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपित प्रों० बी एस राजपूत, इस विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपित प्रों० सुभाष धूलिया, पंतनगर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपित प्रों० बी०एस० बिष्ट, निदेशक इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली के डॉं० के रिवकांत, प्रों० आरं० सी० मिश्र, प्रों० दुर्गेश पंत, प्रों० गिरिजा पाण्डे, वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल द्वारा प्रतिभाग किया गया। अन्त में कुलपित जी के धन्यवाद ज्ञापित करने के उपरांत बैठक सम्पन्न हुई।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से विज्ञान विषयों की मान्यता

मुक्त व दूरस्थ अधिनियम, 2017 के अनुपालन की सुनिश्चिता हेतु विश्वविद्यालय अनुदान

आयोग, नई दिल्ली द्वारा गठित चार सदस्यीय समिति द्वारा विश्वविद्यालय का दो दिवसीय दौरा किया गया। जिसके फलस्वरूप माह जून, 2019 में विश्वविद्यालय को विज्ञान विषय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (M.Sc. in Botany, Chemistry, Environmental Science, Geography, Mathematics, Physics and Zoology) संचालन हेतु अनुमति यू०जी०सी० द्वारा प्रदान की गई।

विद्या परिषद की 15 वीं बैठक का आयोजन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 15 वीं बैठक विश्वविद्यालय के सभागार में सोमवार को सम्पन्न हुई, बैठक कुल 22 प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिनमें से अधिकतम प्रस्तावों पर अनुमोदन दिया गया। 04 प्रस्ताव अध्यक्ष की ओर से अतिरिक्त रखे गये।

बैठक में सर्व प्रथम विद्या परिषद की 12 वीं, 13 वीं, तथा 14 वीं बैठकों के निर्णयों पर कार्यवाहीं की गई। तत्पश्चात् विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के अध्ययन बोर्डो की संस्तुतियों पर अनुमोदन दिया गया। विश्वविद्यालय के प्रश्नपत्रों में



अब केवल दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 15 वीं बैठक के दौरान विद्या परिषद के अंदिस्य अंदिस्य

प्रश्नों को हटाने की अनुमित परिषद ने दे दी है। विश्वविद्यालय में परम्परागत पद्धित के पाठ्यक्रमों को संचालित करने की भी संस्तृति परिषद ने दे दी है। विश्वविद्यालय में कुछ नये डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र कार्यक्रमों को शुरू करने की संस्तृति भी प्रदान की गयी है। 30 मई, 2019 को सम्पन्न प्रवेश सिमित की बैठक में लिए गये निर्णयों पर भी परिषद ने अपनी संस्तृति दी है। बी ए एकल विषय पुन: शुरू करने के लिए यूजीसी को प्रस्ताव भेजा जायेगा, नार्थ एक्रििडएशन किमशन यू एस ए द्वारा प्रदान किये जाने वाले हाई स्कूल डिप्लोमा को विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता प्रदान की गई है।

अध्यक्ष की ओर से रखे गये अतिरिक्त प्रस्तावों में बाह्य शोधार्थीयों द्वारा शोध परियोजनाओं को उत्तराखण्ड मुक्त विश्विद्यालय के माध्यम से संचालित किये जाने एवं इस हेतु प्रक्रिया निर्धारित किये जाने पर संस्तुति दी गयी। व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा द्वारा कौशल विकास हेतु चार नये डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम संचालित किये जाने की अनुमित प्रदान की गई है। विधि विद्याशाखा के अन्तर्गत बैंकिंग एण्ड इन्सोरेन्स लॉ एवं हयूमन राइट्स प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम संचालित किये जाने की अनुमित प्रदान की गई है।

बैठक कुलपित प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, बाह्य सदस्य के रूप में मानविकी एवं समाज विज्ञान महाविद्यालय, गोविन्द वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पन्तनगर के प्रोफसर बी0 एस0 कुमार, उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ0 अनिता रावत, विश्वविद्यालय की

ओर से प्रोफसर आर0 सी0 मिश्र, प्रोफसर एच0 पी0 शुक्ल, प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, डॉ0 गगन सिंह, डॉ0 शशांक शुक्ल, कुलसचिव भरत सिंह, वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल, उप कुलसचिव विमल कुमार मिश्र शामिल रहे।

जुलाई 2019 में हैलो हल्द्वानी से प्रसारित प्रमुख कार्यक्रम

1. जुलाई माह में हैलो हल्द्वानी से लगभग 30 नए कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय परिसर से नाम से नए कार्यक्रम की शुरूआत की गई। चूंकि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं लिहाजा प्रवेश को ध्यान में रखते हुए विवि के हर विभाग व हर विषय से संबंधित जानकारी इस प्रोग्राम में दी गई। इस प्रोग्राम में 15 विभागों की जानकारी अलग अलग समय पर प्रसारित की गई।



- इसके अलावा कार्मस स्ट्रीम में किरअर की संभावनाओं पर
 भी तीन कार्यक्रमों का निर्माण किया गया, जिसमें कुमाऊं विवि अल्मोड़ा कैंपस के कार्मस विभाग के डीन डा. सिंघल व हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के डा. सुबोध कुमार ने शिरकत की।
- 3. उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद के जन्मदिवस पर पांच अलग अलग एपिसोड्स का निर्माण किया गया। जिसमें प्रेमचंद की कहानियों के नायक कौन, प्रेमचंद के उपन्यासों में समाज का चित्रण, प्रेमचंद के साहित्य में स्त्री विमर्श और प्रेमंचद के समग्र साहित्यिक योगदान पर उत्तराखंड मुक्त विवि के हिंदी विभाग के डा.शशांक शुक्ला व राजेन्द्र कैड़ा से बातचीत की गई।
- 4. उत्तराखंड की खेती व बागवानी पर दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का निर्माण किया गया जिसमें मुक्तेश्वर में स्थिति टेरी संस्थान के वैज्ञानिक डा. नारायण दत्त से उत्तराखंड में बागवानी की संभावनाओं पर बातचीत हुई,साथ ही उत्तराखंड के टूरिस्ट क्षेत्रों में घटते खेती के रकबे की चुनौतियों पर बातचीत की गई।
- 5. विश्व जनसंख्या दिवस पर जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ डा. एच एस बिष्ट से विस्तार से बातचीत की गई।
- 6. उत्तराखंड की प्रतिभाओं को मंच देने की कोशिश भी की गई। जिसमें सुदूर पिथौरागढ़ के हिर्षत मेहता से बातचीत की गई जो कि मुंबई अभिनय की बारीकियां सीख रहा है।
- 7. हल्द्वानी में पीने का पानी लगातार प्रदूषित होता जा रहा है। ऐसे में आर ओ लगाना हर इंसान की जरूरत बनता जा रहा है वाटर प्यूरीफिकेशन इंजीनियर डा. डी सी पंत से आर ओ की जरूरतों पर विस्तार से बातचीत की गई।

अगस्त माह में हैलो हल्द्वानी से प्रसारित चंद कार्यक्रम

1- प्रोग्राम मुलाकात में उत्तराखंड के फोक पर काम करने वाले गौरव पांडे से बातचीत की गई। गौरव पांडे खुद भी गाता है और पुराने भूल बिसर चुके पहाड़ के लोकगीतों को नई धुनें देने का काम करता है। इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के भिन्न भिन्न इलाकों के लोक पर विस्तार से बात की गई है।



2- प्रोग्राम साहित्य से दोस्ती में जिन जिन साहित्याकारों की जन्म या पुण्य तिथि इस माह पड़ी उनके जीवन के बारे में फीचर तैयार किए गए। कहानीकार व उपन्यासकार भीष्म साहनी, हिंदी के पहले किव चंदकुंवर बर्त्वाल व मनोहर श्याम जोशी के जीवन पर कार्यक्रम तैयार किए गए।

- 3- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया में एक नर्सरी की शिक्षिका से बातचीत की गई। मंजू मेहरा पिछले 35 सालों से हाईलेंडर पब्लिक स्कूल में नर्सरी के बच्चों को पढ़ा रही हैं काफी लोकप्रिय हैं पेरेंट्स के बीच व बच्चों के बीच। उनके 35 साल के शिक्षण के अनुभवों पर यह कार्यक्रम तैयार किया गया।
- 4- प्रोग्राम बात पहाड़ की में पहाड़ में आपदा के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की गई। बीएसएफ के सेवानिवृत कमांडेट मनोज तिवारी बीएसएफ से रिटायर्ड होने के बाद पहाड़ की आपदा पर कुछ काम शुरु कर रहे हैं। उनकी प्लानिंग पर और पहाड़ में आपदा की चुनौतियों पर इस कार्यक्रम में बातचीत की गई।
- 5- गीतकारों से रुबरू कार्यक्रम में हिंदी सिनेमा का बेहतरीन गीतकार व संगीतकारों के बारे में कार्यक्रम निर्माण किए जाते हैं। संगीतकार खय्याम के इंतकाल पर शहर के जाने माने फिल्म पत्रकार दीप भट्ट से ख्यायाम पर बातचीत की गई।







• मा० कुलपति जी द्वारा दिनांक 12—13 जुलाई, 2019 को भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा आयोजित "North East Disability Summit" में प्रतिभाग किया गया, जिसका आयोजन गुवाहाटी, आसाम में किया गया।

 दिनांक 22 जुलाई, 2019 को विश्वविद्यालय की 5वीं योजना बोर्ड की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अनेक बिन्दुओं पर चर्चा हुई। बैठक में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12 (बी) के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों पर चर्चा के साथ अनुमोदन किया गया।

मा० कुलपित जी द्वारा कुमांऊ विश्वविद्यालय के सोबन सिंह जीना परीसर में गणित विभाग सभागार में इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग एवं भारतीय इतिहास संकल्प समिति के संयुक्त सहयोग से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया।
 मा० कुलपित जी ने संगोष्ठी में पहाडों से निरंतर हो रहे पलायन से हो रहे खतरे से अवगत

कराया तथा इनको बचाने हेतु स्वरोजगारपरक पाठ्यक्रम की शिक्षा देने से सम्बन्धित सुझाव भी दिये।



राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग करते मा० कुलपति।

- मा0 कुलपित जी द्वारा दिनांक 6-7 सितम्बर 2019 को कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय मेसूरू द्वारा भारत के समस्त मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपितयों के शिविर सम्मेलन में प्रतिभाग किया गया।
 - दिनांक 25/09/2019 से 28/09/2019 तक हल्द्वानी परिसर तथा दिनांक 01/10/2019 से 05/10/2019 तक देहरादून में, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा द्वारा मास्टर डिग्री और पीजी डिप्लोमा पाठयक्रमों के अंतिम सत्र के विद्यार्थियों के लिए मीडिया और संचार शोध पर चार दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च शिक्षा का 9 दिवसीय प्रचार– प्रसार कार्यक्रम

उच्च शिक्षा को घर- घर तक, हर जन तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय के ''उच्च शिक्षा आपके द्वार'' अभियान के तहत जनसम्पर्क एवं प्रचार –प्रसार अनुभाग द्वारा माननीय कुलपित प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी के निर्देशों के क्रम में 1 से 9 अगस्त, 2019 तक कुल 9 दिवसीय प्रचार–प्रसार कार्यक्रम रखा गया था। माननीय कुलपित उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय



प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी द्वारा विश्वविद्यालय से तीन- तीन सदस्यीय दो टीमें गठित की गई थीं। एक टीम कुमाऊं क्षेत्र में तथा दूसरी टीम गढ़वाल क्षेत्र के दूरस्थ क्षेत्रों के नये अध्ययन केन्द्रों, सार्वजिनक स्थलों तथा इण्टर कालेजों पर विश्वविद्यालय के प्रचार – प्रसार को लेकर गई थीं।

प्रचार – प्रसार कार्यक्रम मुख्यत: नये अध्ययन केन्द्रों खासकर राजकीय महाविद्यालयों में आयोजित किये गयें, महाविद्यालयों में वहां के संस्थागत छात्र- छात्राओं के साथ–साथ शिक्षक – शिक्षणेत्तर कार्मिकों को भी दूरस्थ शिक्षा पद्धति की परिभाषा, अर्थ, प्रणाली, लाभ, उपयोगों से अवगत कराया गया क्योंकि अब उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अधिकतर अध्यययन केन्द्र राजकीय महाविद्यालय हीं होगें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की प्रवेश



(ऑफ लाईन – ऑन लाईन) प्रक्रिया से लेकर सत्रीय कार्य, अध्ययन सामग्री, परीक्षा पद्धित और समय – समय पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं के बारे में भी प्रचार – प्रसार टीमों द्वारा जानकारी दीं गई।

गढवाल क्षेत्र के नैनबाग, डामाटा, नौगांव, बडकोट, पुरोला, ब्रहमखाल, धरांसू, उत्तरकाशी, चम्बा, नई टिहरी, पौडी, भरसार, थैलीसैण, चौब्बटाखाल, नौगांखाल, सतपुली, पौखाल, गुमखाल, काण्डी, बिथाणी, यमकेश्वर आदि जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा कुमाऊं क्षेत्र के कोटाबाग, स्यात, नयागांव, कालाढुंगी, मंगोली के अलावा,



अल्मोड़ा, रानीखेत, दन्या, सोमेश्वर, कौसानी, गरूड़, बागेश्वर, बेरीनाग, थल, डीडीहाट, नाचनी, तेजम, मुनस्यारी, मुवानी, पिथौरागढ़, झुलाघाट, लोहाघाट, चम्पावत, देवीधूरा, पाटी व धारी आदि क्षेत्रों में भी प्रचार किया।

विषेशकर राजकीय महाविद्यालय और नये अध्ययन केन्द्रों पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें बडी़ तादात पर छात्र- छात्राओं ने, शिक्षकों ने तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों व आम लोगों ने प्रतिभाग किया। गढवाल क्षेत्र की टीम में डॉ0 मदन मोहन जोशी, डॉ0 राकेश रयाल एवं श्री बालम दफोटी तथा कुमाऊं की टीम में राजेन्द्र सिंह क्वीरा, डा. कमल देवलाल, डा. श्याम कुंजवाल शामिल थे। प्रचार के दौरान अध्ययन केन्द्र समन्वयकों एवं मीडिया से जुड़े सभी स्थानीय प्रतिनिधियों का अपार सहयोग मिला।

निदेशालय, क्षेत्रीय सेवायें

विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में कुल 112 अध्ययन केन्द्र संचालित है।

 विश्वविद्यालय द्वारा माह अगस्त 2019 में गठित समिति की स्थलीय निरीक्षण आख्या के आधार पर निजी शिक्षण संस्थानों में कुल 08 अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की गई है तथा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया। उपरोक्त के अतिरिक्त वि०वि० द्वारा माह अगस्त, 2019 में 03 राजकीय महाविद्यालयों में भी अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की गई तथा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया।

- वि०वि० द्वारा ०१ राज्य सरकार द्वारा अनुदानित महाविद्यालय में अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई तदोपरान्त समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया।
- वि०वि० द्वारा माह अगस्त, २०१९ से विद्यार्थियों की सुविधा हेतु ओ०टी०पी० के माध्यम से आनलाइन अध्ययन केन्द्र परिवर्तन की व्यवस्था भी लागू की गयी।

01- निजी शिक्षण संस्थान में स्थापित नवीन अध्ययन केन्द्रों का विवरण

क्रम	अध्ययन केन्द्र	अध्ययन केन्द्र का नाम
प्रंख्या	कोड	ज्ञाल्ययम् यम् यम् माम
राख्या	पगड	
04	40004	जाहनी आयुर्वेदा एवं योग केन्द्र,
01	12081	जाहना आयुपदा एप यांग कन्द्र, सप्तऋषि रोड, प्रेमविहार चौक, हरीपुर कलाँ, हरिद्वार
		सर्वाऋषि राष्ट्र, प्रमापहार चाक, हरापुर कला, हारद्वार
02	12083	ऋषियोग संस्थान, पूर्वी नाथ
		नगर, ज्वालापुर, हरिद्वार
03	12080	एच0ई0सी0 ग्रुप ऑफ इंस्टीटीयूट, लक्सर रोड, जगजीतपुर, हरिद्वार
04	12084	फेरूपुर डिग्री कालेज, फेरूपुर, जिला– हरिद्वार
05	12082	सीता राम डिग्री कालेज, रूडकी जिला हरिद्वार
06	11132	ऋषिकेश योग धाम संस्थान,
		तपोवन, ऋषिकेश (टि०ग०)
07	11131	उगते (यूनिवर्सल गैरोला टूरिज्म एंड एक्सीलेंसी,) नेपाली फार्म तिराहा,
		देहरादून रोड, खैरीखुर्द, श्यामपुर,
		ऋषिकेश
80	11133	इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट, 60 चकराता रोड, देहरादून

02- राजकीय महाविद्यालयों में स्थापित नवीन अध्ययन केन्द्रों का विवरण।

01	17070	राम सिंह धौनी राजकीय महाविद्यालय, जैंती, जिला अल्मोडा
02	11134	राजकीय महाविद्यालय, पावकी देवी, जिला टिहरी गढवाल
03	14050	राजकीय महाविद्यालय, चौबट्टाखाल, जिला– पौडी गढवाल

03- राज्य सरकार द्वारा अनुदानित महाविद्यालय में स्थापित नवीन अध्ययन केन्द्र का विवरण।

01	11135	महायोगी गुरू गोरखनाथ महाविद्यालय, बिथ्याणी (यमकेश्वर)
		जिला–पौडी गढवाल

Two Days Workshop on "To Prevent Alcohol & Drug Abuse in the Family/School/College & Community"

उत्तराखंड मुक्त विश्वविध्यालय, हल्द्वानी एवं National Institute of Social Defence, New Delhi (MOSJE, Govt. of india) के सन्युक्त तत्ववाधान में दो दिवसीय कार्यशाला (26-27 सितम्बर) का आयोजन मुक्त विश्वविध्यालय, हल्द्वानी के परिसर में किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन नैनीताल जिले के एसएसपी श्री सुनील कुमार मीणा एवं विवि के कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी जी के द्वारा किया गया।

अपने वक्तव्य मे एसएसपी श्री सुनील कुमार मीणा ने विध्यार्थियों को नशे एवं शराब से दूर करने मे माता-पिता के साथ ही शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे मे कहा माता-पिता को अपने बच्चों पर विशेष



निगरानी रखनी चाहिये साथ ही शिक्षकों द्वारा विध्यार्थियों को नैतिक ओर सामाजिक शिक्षा भी प्रदान की जानी चाहिये। कुलपित प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी जी ने अपने वक्तव्य मे कहा कि शिक्षा के द्वारा समाज मे फैली इस बुराई को समाप्त किया जा सकता है। शिक्षकों द्वारा शिक्षा को ब्रह्मास्त्र बना कर विध्यार्थियों को इस नशे एवं शराब की लत से दूर किया जा सकता है।

कार्यशाला सन्योजक डॉ सिद्धार्थ पोखिरयाल ने नशे का विध्यार्थी जीवन पर पडने वाले दुष्प्रभाव के विषय में बताया। समापन सत्र में सीओ श्री डी.सी.ढोंढियाल ने विध्यार्थियों में बढती नशे एवं शराब की लत के कारणों के बारे में बताने के साथ ही उनके निराकरण के बारे में बताया।कार्यशाला में कुमांऊ मंडल के राजकीय महाविध्यालय के समस्त शिक्षकों के साथ ही एनएसएस व एनसीसी के छात्र उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से प्रत्यायन संबंधी कार्यवाही

विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से प्रत्यायन प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है | जिस हेतु सम्बन्धित विभागों से आवशयक डाटा प्राप्त कर लिया गया है तथा भाग A का डाटा निर्धारित प्रारूप में भर लिया गया है भाग B को भरने की कार्यवाही प्रगति पर है |

इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है ताकि समय रहते राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से प्रत्यायन प्राप्त किया जा सके

कर्मचारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 26 से 28 सितम्बर तक एक उन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें WILL & SKILL CREATION (P) LTD. DEHRADUN द्वारा विभागीय कार्य प्रणाली पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।



कार्यशाला में प्रतिभाग करते विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण

इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 08 नवनियुक्त सहायक क्षेत्रीय निदेशक तथा विश्वविद्यालय के अन्य विभिन्न विभागों में कार्यरत 17 कार्मिकों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

शिक्षक दिवस समारोह

दिनांक 05 सितम्बर 2019 को विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया | इस सहारोह के अंतर्गत प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय द्वारा किसी भी विरिष्ठ शिक्षक को 'विशिष्ठ शिक्षक सम्मान' से अलंकृत किया जाता है | इस वर्ष यह सम्मान विरिष्ठ शिक्षक प्रोफ़ेसर एच.सी.एस.सांगा को प्रदान किया गया | समारोह की अध्यक्षता प्रोफ़ेसर एच.पी. शुक्ल द्वारा की गयी | अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफ़ेसर शुक्ल ने कहा कि भारतीय परम्परा में शिक्षक का विशिष्ठ स्थान रहा है | यहाँ मात्र शिक्षकों की परम्परा नहीं है अपितु यहाँ वास्तविक ज्ञान देकर गुरू शिष्य को जीवन के रहस्य से परिचित कराता है | मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर एच.सी.एस.सांगा ने अपने शैक्षिक जीवन से जुड़े विभिन्न शिक्षकों एवं छात्रों को याद करते हुए अपने अनुभवों को सभी के साथ साझा किया | कुलसचिव श्री भरतिसंह ने सभी उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया | समारोह का समन्वयन एवं संचालन डॉ. राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया | इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशा, अधिकारीगण, शिक्षक एवं कार्मिक उपस्थित थे |

द्वितीय पूर्व छात्र सम्मेलन (2nd Alumni Meet)

दिनांक 18 सितंबर] 2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में द्वितीय पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 90 पूर्व विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सम्मेलन में पुरानी कार्यकारिणी को भंग करते हुए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

सम्मेलन में पूर्व सचिव] रेखा बिष्ट द्वारा पूर्व छात्र समिति द्वारा किये गये विगत वर्षों के कार्यों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की गई।

कार्यक्रम के अगले क्रम में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर0 सी0 मिश्र द्वारा पंजीकरण से सम्बन्धित सुझाव दिये गये। परीक्षा नियंत्रक प्रो0 पी0डी0 पंत ने पुर्व छात्र समिति से सम्बन्धित अपने छात्र जीवन के कार्य अनुभव साझा किये।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया जिसमें सर्वसम्मित से निम्न पदाधिकारियों का चयन किया गया-

अध्यक्ष- भारत नैनवाल उपाध्यक्ष- आन सिंह मटियाली

सचिव-रवि कृरिया

कोषाध्यक्ष-नेहा अग्रवाल

कार्यकारिणी के सदस्य-दीपक कुमार पंत- प्रकाश चन्द्र- दीपक चन्द्र भट्ट- अखलेश कुमार- रीता रौतेला- गणेश चन्द्र जोशी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रो0 एच0पी0 शुक्ल द्वारा की गई तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ0 भानु जोशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव भरत सिंह तथा कार्यकारिणी के पूर्व सदस्य मौजूद रहे।



प्रो० पी०डी० पंत अपने छात्र जीवन के कार्य अनुभव साझा करते हुये

विश्वविद्यालय का 14वॉ स्थापना दिवस दिनांक 31 अक्टूबर, 2019

दिनांक 31 अक्टूबर, 2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वाविद्यालय का 12वॉ स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ0 अविचल कपूर, संयुक्त निदेशक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को

स्थापना दिवस व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालयके कुलपति प्रोफेसर ओ0 पी0 एस नेगी द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा के निदेशक डॉ0 एस0सी0 पंत को आमंत्रित किया गया था। समारोह के मुख्य वक्ता उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय



के रूप में आमंत्रित डॉ0 अविचल कपूर ने वर्तमान समय में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा व्यवस्था की प्रासंगिकता में सकारात्मक रूप में वृद्धि को विस्तृत रूप में व्यक्त किया।

उन्होंने नवीन मानाकों के अनुरूप उच्च एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धित के विश्वविद्यालय के नियमन को जरूरी बताया। उन्होनेंकहा कि प्रवेश, परीक्षा, विद्यार्थियों की सुविधा,अध्ययन केन्द्रों की व्यवस्था, अधारभूत संरचना, अध्ययन सामग्रियों के लेखन, सम्पादन एवं वितरण की व्यवस्था में अधिकाधिक सम्पन्न बना कर ही मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धित को भविष्य की चुनौतियों हेतु तैयार किया जा सकता है। उन्होंने शिक्षा को रोजगारपरक एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए समुचित प्रयासों पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय से कहा कि अपने उत्तीर्ण एवं सफल विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करने तथा इस आधार पर नवीन विद्यार्थियों को प्रेरित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। विशिष्ट अतिथि डाँ० एस0सी० पंत ने कहा कि वर्तमान में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की पहुँच प्रदेश के ऐसे सुदूरवर्ती एवं अगम्य स्थानों तक हैं जहाँ के निवासियों तक परम्परागत शिक्षण पद्धित की पहुँच अब तक नहीं थी। प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रचार प्रसार में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की भूमिका को उन्होंने महत्वपूर्ण माना।

समारोह की अध्यक्षता करते विश्वविद्यालय के कुलपित प्रोफसर ओ0पी0एस0 नेगी ने कहा कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अभी अपनी किशोरावस्था में ही है परन्तु अपने प्रथम सत्र में 2700 विद्यार्थियों

वाला यह विश्वविद्यालय आज 14 वर्षों में 70 हजार विद्यार्थियों के सत्र का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है। कुलपित ने कहा कि प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों का यह विश्वास हमारी कार्यपद्धित एवं सहायता-सेवाओं पर स्वयं एक सकारात्मक टिप्पणी है। कुलपित महोदय ने विश्वविद्यालय की प्रगति एवं उन्नयन के प्रति अपनी आशा प्रकट की तथा सभी को शुभकामनाएँ प्रेषित की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के न्यूज लैटर 'उड़ान' के नवीन संयुक्तांक का विमोचन भी किया गया।



स्थापना दिवस में मा० कुलपति जी विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुये।

कुलसचिव श्री भरत सिंह ने सभी उपस्थित आगंतुकों, अतिथियों, निदेशकों, शिक्षकों, अधिकारीयों एवं कार्मिकों के प्रति आभार प्रकट किया तथा सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन डाॅं 0 राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समी निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं कार्मिक एवं उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक द्वारा ओपन युनिवर्सिटी ऑफ़ श्रीलंका में शोध

स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत डॉ जीतेन्द्र पाण्डे का चयन एशियन एसोसिएशन ऑफ़ ओपन यूनिवर्सिटीज की प्रतिष्ठित स्टाफ एक्सचेंज फ़ेलोशिप के लिए हुआ जिसके अंतर्गत डॉ0 पाण्डे ने 01 अक्टूबर से 30 अक्टूबर, 2019 तक ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ़ श्रीलंका में A comparative study of Open Educational practices at Uttarakhand Open University(UOU), India & Open University of Sri Lanka, Srilanka विषय में शोध किया।



ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ़ श्रीलंका में शोध करते डाँ0 पाण्डे

गाँधी जयंती तथा स्वच्छता कार्यक्रम

विश्वविद्यालय में प्रति वर्ष क्रमशः राष्ट्रीय पर्वों के क्रम में गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी), स्वतन्त्रता दिवस समारोह (15 अगस्त), शिक्षक दिवस समारोह (05 सितम्बर), हिन्दी दिवस समारोह (14 सितम्बर), एवं गांधी जयन्ती समारोह (02 अक्टूबर) का आयोजन सफलतापूर्वक किया जाता रहा है। गांधी जयन्ती समारोह के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री (स्व.) श्री लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती का भी आयोजन किया गया। वर्ष 2015 से गांधी जयन्ती समारोह के अवसर पर गांधी स्मृति व्याख्यान का शुभारंभ किया गया। प्रथम गांधी स्मृति व्याख्यान प्रोफेसर आर.सी. मिश्र द्वारा प्रादन किया गया। इसके अतिरिक्त स्वच्छता अभियानों का आयोजन भी किया जाता रहा है। जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं निकट के क्षेत्र की सफाई की जाती है।



विश्ववद्यालय के कार्मिका स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग करते हुये।

इसी क्रम में इस वर्ष भी 02अक्टूबर 2019 को विश्वविद्यालय में गांधी जयन्ती समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के सभी सदस्य प्रातः 08:45 बजे परिसर में उपस्थित हुए। समारोह की अध्यक्षता प्रोफ़ेसर एच.पी. शुक्ल द्वारा की गयी। अपने अध्क्षीय उद्बोधन में प्रोफ़ेसर शुक्ल ने कहा कि वर्तमान में

सम्पूर्ण विश्व में भारतीयता एवं महात्मा के विचारों की प्रासंगिकता को बढ़ावा मिला है। कुलसचिव श्री भरत सिंह ने सभी उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का समन्वयन एवं संचालन डॉ. राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया। समारोह के अंतिम चरण में विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों द्वारा स्थानीय स्तर पर स्वच्छता अभियान में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया।

Lecture Demonstration on Drone Technology"

दिनांक 16 अक्टूबर, 2019 को विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विभाग द्वारा यूसर्क, देहरादून के सहयोग से ड्रोन तकनीक पर व्याख्यान व डैमो आयोजित किया गया। आइटीआइ मुम्बई के एरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के रिसर्च साइंटिस्ट रमन वर्मा ने शिक्षकों को ड्रोन से संबंधित जानकारी दी। यू सर्क के निदेशक प्रो0 दुर्गेश पंत ने राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में ड्रोन का महत्व व उपयोगिता पर प्रकाश डाला।



आइटीआइ मुम्बई के एरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के रिसर्च साइंटिस्ट रमन वर्मा ने शिक्षकों को ड्रोन से संबंधित जानकारी देते हुये

- दिनांक 29/11/2019 को उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन द्वारा आयोजित राज्य के शासकीय विश्वविद्यालयों हेतु अम्ब्रेला एक्ट, 2019 प्रख्यापित करने हेतू बैठक में मा० कुलपित जी द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- मा० कुलपति जी द्वारा दिनांक 16—17 नवम्बर, 2019 को माता वैष्णौ देवी विश्वविद्यालय, कटरा द्वारा आयोजित दो दिवसीय "North Zone Vice Chancellors' Meet-2019-20" में प्रतिभाग किया गया।
- School of Computer Science & IT in collaboration with Graphic Era Hill University, Bhimtal organized a faculty development workshop on "Computing with Words via with Fuzzy Logic with applications" from 26-29, November 2019 at Bhimtal.



एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 16 दिसंबर, 2019 को व्यवसायिक शिक्षा को दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली (Seminar on Vocational Education and Open & Distance Learning) के माध्यम से प्रसार और बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय के वोकेशनल स्कूल और यूसर्क, देहरादून की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षाविद् और अंतराष्ट्रीय

कम्युनिकेशन के विशेषज्ञ प्रो० पुष्पेश पंत तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो० डी०के० सिंह मौजूद रहे। अतिथियों ने व्यवसायिक शिक्षा की महत्ता पर अपने—अपने विचार रखे।



संगोष्ठी में प्रतिभाग करते प्रो0 पुष्पेश पंत व अन्य।

माननीय कुलपित प्रोo ओपीएस नेगी ने विश्वविद्यालय स्तर पर एक वोकेश्नल काउंसिल की स्थापना का विचार साझा किया जिससे ओर भी बेहतर पाठ्यकम प्रारंभ किये जा सके तथा जो भी पाठ्यकम विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किये जायेंगे उन्हें धरातल में उतारने का प्रयास विश्वविद्यालय द्वारा किया जायेगा।



संगोष्ठी में प्रतिभाग करते विश्वविद्यालय के शिक्षक व अन्य अतिथिगण।

विश्वविद्यालय द्वारा निम्न नवीन वोकेशनल पाठ्यक्रम सत्र 2020—21 से प्रारंभ किये जाने प्रस्तावित है—

- Certificate in Web Designing & Development
- Certificate in CCTV Installation & Maintenance
- Certificate in Video Editing
- Certificate in Digital Marketing & Management
- Certificate in Soft Skill & E- Office Management
- Certificate in Technology Enabled Education

- Diploma in Digital Marketing & Management
- Diploma in Soft Skill & E- Office Management
- Diploma in Technology Enabled Education



संगोष्ठी में प्रतिभाग करते मा० कुलपति जी

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवम प्रत्यायन परिषद में आवेदन किये जाने के संबंध में

विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवम प्रत्यायन परिषद में आवेदन किये जाने के संबंध में वांछित सूचना एकत्रित करने हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया है | इसकी समीक्षा के लिए समय समय पर माननीय कुलपित व निदेशक अकादिमक की अध्यक्षता में बैठके भी आहूत की जा रही है | इसी कार्य को अधिक सुचारू व व्यवस्थित रूप से संपन्न करने के लिए CEMCA की तरफ से नामित प्रोफेसर सोनवीर चौधरी, पूर्व अध्यक्ष NCTE, पूर्व निदेशक SOE, IGNOU द्वारा भी तीन दिवसीय विश्वविद्यालय का दौरा किया गया |

इस दौरान उन्होंने कुलपित महोदय, विभिन्न विभागों के निदेशकों, अधिकारियों व विभिन्न विभागों के पाठयक्रमों के समन्वयकों से बैठके की तथा इस बात पर चर्चा की गई कि किस तरह से विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवम प्रत्यायन परिषद द्वारा विभिन्न बिन्दुओं पर चाही गई सूचना को कम से समय में तैयार कर सकता है तथा किस तरह से अधिक से अधिक अंक अर्जित कर सकता है | उनके द्वारा यह भी सुझाया गया कि इस कार्य को विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों में वितरित किया जाया ताकि सूचना हर विभाग से बिना किसी देरी के प्राप्त हो सके | आगामी माह में भी उनके द्वारा इस कार्य में हुई प्रगति की समीक्षा की जायेगी |

विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2020-21 हेतु तीन नवीन पाठ्यकम हेतु यूजीसी को भेजा प्रस्ताव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय नये सत्र 2020–21 के लिए तीन नये पाठ्यक्रमों को संचालित करने का प्रस्ताव यूजीसी को भेज रहा है। जिसमें Master of Business Administration – Hospitality Administration, Bachelor of Business Administration – Hospitality Administration के अतिरिक्त Bachelor of Library & Information Science शामिल है।

विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में होटल प्रबन्धन में स्नातक — स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित कर रहा था लेकिन सत्र 2019—20 में एआईसीटी की संस्तुति के उपरांत यूजीसी ने विश्वविद्यालय के होटल प्रबन्धन के स्नातक — स्नतकोत्तर पाठ्यक्रम बंद करने के आदेश दे दिये थे। विश्वविद्यालय में होटल एवं प्रबन्धन विषय में अधिकतर छात्र वो होते हैं जो होटल एवं रेस्टोरेंटों में कार्यरत होते हैं समय का अभाव और रोजीरोटी के कारण वे संस्थागत विश्वविद्यालयों में पढ़ने में असमर्थ रहते हैं, इसे देखते हुये विश्वविद्यालय ने विचार किया कि वो नये पाठ्यक्रमों के रूप में संचालित करने के लिए यूजीसी को अतिथिय प्रबन्धन में बीबीए तथा एमबीए पाठ्यक्रमों को संचालित करने का प्रस्ताव भेजे गये है।

पुस्तकालय एवं सूचना विद्याशाखा विश्वविद्यालय में पहले से ही स्थापित है लेकिन उसके अंतर्गत अभी तक कोई पाठ्यक्रम संचालित नहीं किये जा रहे थे। विषय की उपयोगिता को देखते हुऐ अगले सत्र से बीoलिबoएसoसी (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रम) संचालित करने का भी प्रस्ताव यूजीसी को भेजे गये है।

सामाजिक सरोकार

तीन दिवसीय विशेष शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा विशेष शिक्षा में प्रमाण पत्र आधारभुत कार्यक्रम के विद्यार्थियों की तीन दिवसीय

कार्यशाला का आयोजन दिनांक 14—16 दिसम्बर 2019 को रूडकी आईआईटी स्थित अनुश्रुति विशेष विद्यालय में किया गया।



कार्यशाल का उदघाटन करते मा० कुलपति प्रो० नेगी।

कार्यशाला के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उत्तराखंड मृक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ.पी.

एस. नेगी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी अपना शैक्षिक विकास करता है ओर विशेष शिक्षा के संदर्भ में दूरस्थ शिक्षा मील का पत्थर साबित होगी। साथ ही विद्यार्थियों को विशेष शिक्षा से संबंधित बच्चों के देखरेख, उनकी शिक्षा पुनर्वास एवं संरक्षण से सम्बंधित प्रशिक्षण लेने के उपरांत उस पर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम संयोजक डॉ सिद्धार्थ

पोखरियाल द्वारा 3 दिन से कार्यशाला में दिए जा रहे विभिन्न विशेषज्ञों के व्याख्यान के बारे में रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागियों से उम्मीद की कि इस प्रमाण पत्र के पाठ्यक्रम को प्राप्त करने के पश्चात वह विशेष शिक्षा के बच्चों के विद्यालयों में अपनी सेवा दे सकेंगे।



कार्यशाला में प्रतिभाग करते मा० कुलपति व अन्य अतिथिगण।

विद्यालय के प्रबंधक प्रोफेसर एसपी हाण्डा द्वारा अनुश्रुति विशेष विद्यालय में इस प्रकार की कार्यशाला के आयोजन के लिए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपित को धन्यवाद ज्ञापित दिया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञ आईपी यूनिवर्सिटी से आई डॉ शिवानी जैन बरेली रूहेलखंड विश्वविद्यालय के डॉ जितेंद्र प्रताप, एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा से डॉक्टर रामशंकर सक्सेना और कैरोलिना हैजल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

• मा० कुलपित जी द्वारा नैक मूल्यांकन से सम्बन्धित समस्त मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपितयों के लिए आयोजित Accessor Orientation Programme (AOP), जो कि NAAC, Bangluru द्वारा आयोजित किया गया था, में प्रतिभाग किया गया।





ऐओपी कार्यक्रम में प्रो0 नेगी प्रतिभाग करते हए।

• मा० कुलपित जी द्वारा दिनांक ३० जनवरी, २०२० को NAAC द्वारा आयोजित कार्यक्रम में में प्रतिभाग किया गया जो कि माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

- दिनांक 09 जनवरी, 2020 को माननीय श्री राज्यपाल / कुलाधिपति महोदया की अध्यक्षता में आहूत
 त्रैमासिक बैठक में मा0 कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- The research paper entitled "Quality Assurance Toolkit for ODL Institution: A Review Study of Uttarakhand Open University" which is co-authored by Dr. Jeetendra Pande, Assistant Professor- School of Computer Science & IT, is published in Volume 8 (Issue 01) of The Online Journal of Distance Education and e-Learning (A UGC Listed Journal) in January 2020.
- The research paper entitled "Descriptive Analytics of MOOCs with ICT in Respect of Developed Countries and Indian Context", which is co-authored by Dr. Jeetendra Pande, Assistant Professor- School of Computer Science & IT, is published in Volume 11(Issue 04) of International Journal of Information Communication Technologies and Human Development, IGI-Global, (A UGC Listed Journal) in January 2020.
- दिनांक 22–23 जनवरी, 2020 को Association of Indian Universities (AIU) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला जो कि Safe Campus: Implementation of UGC Guidelines/Regulation on Gender Champions and POSH विषय पर थी। उक्त कार्यशाला में विश्वविद्यालय से डॉ० नीरजा सिंह, सहायक प्रध्यापक तथा श्रीमती रेखा बिष्ट, सहायक क्षेत्रीय निदेशक द्वारा पं० किया गया।



बिष्ट, सहायक क्षेत्रीय निदेशक द्वारा पं० रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ में प्रतिभाग किया गया।

- दिनांक 26 जनवरी 2018 को, देश का 70वां गणतन्त्र समारोह आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के विरष्ठ प्राध्यापक प्रो0 एच0 पी0 शुक्ल द्वारा झण्डारोहण व सामूहिक राष्ट्रीय गान के उपरांत विश्वविद्यालय की उपलिब्धियों की आख्या प्रस्तुत की गई। समारोह विश्वविद्यालय के कार्मिकों हेतु क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।
- मा० कुलपित तथा कुलसिचव द्वारा दिनांक 09 जनवरी,
 2020 को उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ बी०एस० बिष्ट का स्वागत किया गया।



"Intellectual Property Rights with focus on Copyright and Patents"

विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विधि विद्याशाखा द्वारा 11 फरवरी, 2020 को Intellectual Property Rights with focus on Copyright and Patents" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य कॉपीराइट और पेटेंट पर विशेष ध्यान देने के साथ बौद्धिक संपदा अधिकार के सम्बन्ध में जागरूकता पैदा करना था। सेमिनार में उत्तराखंड मृक्त



सम्बन्ध में जागरूकता पैदा करना था। कार्यशाला को सम्बोधित करते अतिथि और वक्ता प्रो0 एस0 के0 राठौर

विश्वविद्यालय, पीएचडी शोध छात्र एवं विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता पूर्व डीन और हेड, हिमांचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के प्रो.बी.एस. पठानिया ने की। संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि और वक्ता प्रो0 एस0 के0 राठौर, प्रिंसिपल यूनिटी लॉ कॉलेज रुद्रपुर, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल और एडवोकेट रहे श्री राजीव भट्ट थे। संगोष्ठी में अपने संबोधन में प्रो.बीएस.पठानिया ने बौद्धिक संपदा अधिकार के सम्बन्ध में रूपरेखा प्रस्तुत की तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में कॉपीराइट और पेटेंट का महत्व के सम्बन्ध में जानकारी दी।

प्रो0 गिरिजा पांडे, निदेशक, विधि विद्याशाखा ने संपत्ति के अधिकार और मानवाधिकारों के लिए संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित किया। प्रो0 आर सी मिश्रा ने अपने संबोधन में ODL प्रणाली के संबंध में कॉपीराइट पर ध्यान केंद्रित किया।

संगोठी में समापन भाषण मा० कुलपित जी द्वारा दिया गया जिसमें उनके द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार के सम्बन्ध में जागरूकता तथा कॉपीराइट और पेटेंट के महत्व पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी का संचालन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के डाँ० दीपांकुर जोशी ने किया।

शिक्षकों के लिए एक दिवसीय ICT प्रशिक्षण कार्यक्रम

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (USERC) और स्पोकन ट्यूटोरियल (IIT बॉम्बे) के सहयोग से स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी, ICT सेल और स्कूल ऑफ़ वोकेशनल स्टडीज़, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में 15 फरवरी 2020 को शिक्षकों हेतु एक दिवसीय ICT प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम में प्रदेश से 70 शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रो0 ओपीएस नेगी, मा0 कुलपति ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और प्रो0 दुर्गेश पंत ने कार्यक्रम के आयोजन के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। आईआईटी मुंबई से श्रीमती श्यामा अय्यर और श्रीमती आकांशा सैनी (स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट) ने तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की।



कार्यशाला को सम्बोधित करते प्रो0 नेगी।

सामाजिक सरोकार

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गाँव 'बसानी' में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हल्द्वानी विकास खण्ड के सुदूवर्ती गांव बसानी में 26,27 फरवरी को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल बसानी के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के नन्ने— मुन्ने बच्चों ने जमकर अपना जौहर दिखाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपरण बोर्ड के अध्यक्ष गजराज बिष्ट थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि खेलकूद से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास सम्भव है। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को जूट के बैग भी वितरित किये गये और पॉलीथिन उन्मुलन की अपील की गयी।



बसानी गाँव में कार्यक्रम का आयोजन कराते विश्वविद्यालय के कार्मिक

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दर्जा राज्य मंत्री गजराज बिष्ट ने कहा कि बच्चों के पूर्ण विकास के लिए पढ़ाई के साथ—साथ खेलकूद भी आवश्यक है, तभी बच्चा पूरी तरह विकसित होता है। उन्होंने उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपरण बोर्ड द्वारा चलाये जा रहे पॉलिथिन उन्मुलन को लेकर भी जानकारी दी और लोगों से अपने जीवन में पॉलिथिन का प्रयोग न करने की अपील की।



कार्यक्रम में उपस्थित बसानी गाँव तथा स्थानीय निवासी

कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के लोगों ने उपस्थित सैकड़ों ग्रामीमों को उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपरण बोर्ड द्वारा प्रद्त जूट के बैग भी वितरित किये। कार्यक्रम के दौरान यूओयू के राजेन्द्र सिंह क्वीरा ने बताया गया कि उत्तराखण्ड मृक्त विश्वविद्यालय व यूसर्क की ओर से बसानी गांव के विकास के लिए गांव को

गोद लिया गया है, जिसके तहत अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, उन्होंने विश्वविद्यालय के पाट्यक्रमों की भी जानकारी दी। इस दौरान उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसकें) के निदेशक प्रो. दुर्गेश पन्त, सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल की श्रीमती जीवन्ती तड़ागी, डा. अरविन्द जोशी, श्री केंंगडीं। परगाई, विरेन्दर सिंह चड्डा, गिरीश काण्डपाल, देवेन्द्र नेगी व मनोजिसंह रौतेला, ग्राम प्रधान विमला तड़ागी, दान सिंह तड़ागी, हेमन्त सिंह, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से राजेन्द्र सिंह क्वीरा, डा. राजेन्द्र कैड़ा, डा. ममता, रूचि आर्या सिहत बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग मौजूद थे।



बच्चों को पुरस्कृत करते अतिथिगण

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय तथा कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA) द्वारा संयुक्त रूप से Capacity Building Programme for Academic Counsellors का आयोजन

स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी और सेंटर ऑफ इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस (CIQA) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यशाला में उत्तराखण्ड मुक्त विश्ववि्वालय के अध्ययन केंद्रों और विश्वविद्यालय के 52 अकादिमक परामर्शदाताओं ने भाग लिया। डाँ० जीतेन्द्र पांडे, सचिव, तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला द्वारा अकादिमक परामर्शदाताओं तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यशाला की शुरुआत की।

प्रो0 आर.सी. मिश्रा, निदेशक (CIQA) ने उद्घाटन भाषण दिया और मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में काउंसलिंग के महत्व पर प्रकाश डाला।



कार्यशाला को सम्बोधित करते कुलपति प्रो0 नेगी।

बाहरी आमंत्रित विशेषज्ञ डाँ० अभिलाष नायक, क्षेत्रीय निदेशक— पटना क्षेत्रीय केंद्र, इग्नू ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थियों के लिए फेस—टू—फेस अध्यापन और परामर्श के बीच के अंतर पर प्रकाश डाला।

प्रोo ओपीएस नेगी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में दूरस्थ शिक्षा में प्रभावी शिक्षार्थी सहायता के संचालन हेतु आईसीटी की मध्यस्थता के साधनों के उपयोग पर अपने विचार रखे।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में श्री भरत सिंह, कुलसचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कार्य परिषद की 27वीं बैठक का आयोजन

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की 27वीं बैठक विश्वविद्यालय के सभागार में दिनांक 12 फरवरी, 2020 को सम्पन्न हुई, बैठक में कुल 19 प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिनमें से अधिकतम प्रस्तावों पर अनुमोदन दिय गया।

सर्वप्रथम कार्यपरिषद की 25वीं तथा 26वीं बैठकों के निर्णय पर कृत कार्यवाही पर चर्चा की। डाँ० दीपक पालीवाल सहायक प्राध्यापक समाज शास्त्र का एक वर्ष का असाधारण अवैतनिक अवकाश एक वर्ष बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

डॉ० शशांक शुक्ल, सहायक प्राध्यापक, हिंदी का अन्यत्र चयन होने पर उन्हें देय असाधारण अवकाश की सूचना परिषद को दी गई। विश्वविद्यालय में कार्यरत अकादिमक परामर्शदाता, तकनीकी एवं प्रशासिनक परामर्शदाताओं के सेवा विस्तार एवं नवीन नियोजन पर चर्चा की तथा शासन द्वारा स्वीकृत वाह्यप्रदाता से भरे जाने वाले पदों पर लगाये गए रोस्टर की सूचना से अवगत कराया।

विश्वविद्यालय की 10वीं बैठक तथा वित्त समिति की 13वीं बैठक की सूचना आदि मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक कुलपित प्रो० ओ०पी०एस० नेगी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई वाह्य सदस्य के रूप में ईग्नू नई दिल्ली के उपकुलपित, प्रो० सत्यकाम, प्रो० बी०एस० पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैंगवेजेज, हिमांचल प्रदेश विश्वविद्याल, प्रो० एन०पी० महेश्वरी, विश्वविद्यालय की ओर से प्रो० एच०पी० शुक्ल, प्रो० आर० सी० मिश्र, प्रो गिरिजा प्रसाद पाण्डे, प्रो० पी०डी० पंत, डाँ० सूर्यभान सिंह, कुलसचिव श्री भरत सिंह, वित्त नियंत्रक श्रीमती आभा गर्खाल व उपकुलसचिव विमल कुमार मिश्र शामिल रहे।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से प्रत्यायन संबंधी कार्यवाही

विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से प्रत्यायन प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर आवश्यक कार्यवाही गतिमान है, इस हेतु सम्बन्धित विभागों से आवश्यक डाटा प्राप्त कर लिया गया है तथा आवेदन भरने की कार्यवाही प्रगति पर है द्य इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है तािक समय रहते राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से प्रत्यायन प्राप्त किया जा सकेद्य

वित्त समिति की 13वीं बैठक का आयोजन

विश्वविद्यालय की वित्त समिति की 13वीं बैठक विश्वविद्यालय के सभागार में दिनांक 10 फरवरी, 2020 को सम्पन्न हुई, बैठक में कुल 15 प्रस्तावों एवं कुलपित महोदय की अनुमित से अन्य प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिनमें से अधिकतम प्रस्तावों पर अनुमोदन दिया गया।

सर्वप्रथम वित्त समिति की 12वीं बैठक के निर्णय पर कृत कार्यवाही पर चर्चा की। वित्तीय वर्ष 2019—2020 के आय—व्ययक का विवरण तथा वित्तीय वर्ष 2020—2021 के लिए विभिन्न मदों में

बजट प्रस्ताव अनुमोदित किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक क्रिया कलापों हेतु दो छोटे मल्टी यूटिलिटी वाहन क्रय करने की अनुमति प्रदान की गयी।

विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यकलापों के सुचारू संचालन हेतु अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के शिक्षकगण, विशेषज्ञगण विभिन्न परिषदों के सदस्यगण, विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं अधिकारीगण को निजी वाहन हेतु ` 10 प्रतिकिलोमीटर तथा साधारण टैक्सी हेतु परिवहन आयुक्त की विज्ञप्ति में अनुमन्य दर साधारण कार हेतु ` 13 दिये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

परीक्षा समिति की 10वीं बैठक दिनांक 29.01.2020 में वित्तीय उपाशय संबंधी बिन्दुओं पर अनुमोदन प्रदान किया गया। समिति द्वारा विश्वविद्यालय में नया वाहन (महिन्द्रा—Scorpio) आंतरिक स्रोत से क्रय किये जाने पर अनुमोदन दिया गया। उक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के एम्बेसडर वाहन संख्या—UK04GA 0092 की नीलामी किये जाने की संस्तृति की गयी।

समिति द्वारा वित्तीय वर्ष 2018—2019 के वास्तविक आय एवं व्यय के आंकड़ों का अवलोकन कर संतोष व्यक्त किया गया तथा प्रस्तुत किए गए लेखों पर अनुमोदन दिया गया। कुलसचिव को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के रू010,000/— (रूप्ये दस हजार मात्र) तक के व्ययों की स्वीकृति हेतु पूर्ववत अधिकृत किया गया। इसके अतिरिक्त अध्ययन केन्द्रों को देय मानदेय संबंधी प्रस्ताव में संशोधन कर अनुमोदन दिया गया।

अध्ययन केन्द्रों ने जो विश्विवद्यालय हित में 06 माह कार्य किया है उस हेतु संबंधित अध्ययन केन्द्रों को छात्रों की संख्या के अनुरूप कुल प्रोग्राम फीस का 5% (पाँच प्रतिशत) एक बार समाधान के रूप में दिये जाने और यह व्यवस्था सभी बंद हुए अध्ययन केन्द्रों चाहे वह पुरानी नियमावली या 2016 में लागू की गई मानक नियमावली से गठित किये गये हो पर समान रूप से लागू किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

अध्ययन केन्द्रों को विश्वविद्यालय की गतिविधियों के प्रचार प्रसार तथा प्रवेश पूर्व काउन्सिलिंग आदि छात्र सहायता सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के लिए "प्रमोशनल एक्टिविटी" नाम से अतिरिक्त शीर्ष की व्यवस्था किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बैठक कुलपित प्रो० ओ०पी०एस० नेगी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई वाह्य सदस्य के रूप में प्रो० बी०एस० पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैंग्वेज, हिमांचल प्रदेश विश्वविद्यालय, प्रो० एन०पी० महेश्वरी, निदेशक उच्च शिक्षा निदेशालय (प्रतिनिधि सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन) श्री भूपेन्द्र काण्डपाल, मुख्य कोषाधिकारी रूद्रपुर (प्रतिनिधि सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन) कुलसचिव श्री भरत सिंह, वित्त नियंत्रक श्रीमती आभा गर्खाल व उपकुलसचिव श्री विमल कुमार मिश्र शामिल रहे।

ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड विभाग में अध्ययन बोर्ड की बैठक

दिनांक 1—2 फरवरी 2020 को ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड विभाग में अध्ययन बोर्ड (BOS) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए —

- 1. प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल निदेशक एवं संयोजक
- 2. प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार —(बाह्य विषय विशेषज्ञ)
- 3. प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय— अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, [BHU] वाराणसी (बाह्य विषय विशेषज्ञ)
- 4. प्रोफेसर रामराज उपाध्याय— अध्यक्ष, पौरोहित्य विभाग, स्ठै, नई दिल्ली (बाह्य विषय विशेषज्ञ) उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

5. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी — असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं समन्वयक (आन्तरिक विषय विशेषज्ञ) **बैठक के महत्वपूर्ण बिन्दु :** —

अध्ययन बोर्ड द्वारा ज्योतिष विषय में तीन नवीन कोर्स (वास्तुशास्त्र में डिप्लोमा, वैदिक सृष्टि विज्ञान में प्रमाण पत्र तथा चिकित्सा ज्योतिष में डिप्लोमा) आरम्भ किये जाने हेतु पाठ्यक्रम (Syllabus) निर्माण कर संस्तुति दी गयी।

पूर्व से संचालित एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम को सेमेस्टर रूप में संचालित करने हेतु अनुमोदन दिया गया। बी.ए. कर्मकाण्ड तृतीय वर्ष का द्वितीय पत्र (प्रायोगिक) को निरस्त कर उसके स्थान पर नवीन पाठ्यक्रम तैयार कर संस्तुति दी गयी।

पूर्व से संचालित फलित ज्योतिष में डिप्लोमा (क्न्श्र—17) एवं फलित ज्योतिष में प्रमाण पत्र (CPJ&17) पाठ्यक्रम में आवश्यक संशोधन एवं परिवर्द्धन कर उनका पुर्नलेखन कराने हेतु संस्तुति दी गयी। वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (DVK&17) में आंशिक संशोधन कर अनुमोदन दिया गया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय कोविड—19 के तहत् जारी लॉकडाउन की स्थिति में Work form Home का सशक्त रूप से परिपालन कर रहा है जिसके मुख्य बिन्दु निम्नवत् हैं:—

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा स्वंय पोर्टल में 8775 learners को पंजीकृत किया गया है जिसके तहत् विभिन्न शिक्षकों, उद्योगों व वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं से ऑनलाइन काउंसलिग आमंत्रित की गयी है तथा प्रतिदिन समस्त learners को ऑनलाइन लेक्चर की सुविधा प्रदान की जा रही है। शिक्षकों द्वारा लगातार पीपीटी तथा वीडियों लेक्चर अपलोड किये जा रहे है। अद्यतन 167 PPT's 355 Video Lectures विश्वविद्यालय की वेबसाईट में अपलोड किये जा चुके है।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा यूटयूब चैनल (uou-live) को बनाया गया है व मुख्य मुख्य लेक्चरों को चैनल पर अपलोड किया गया है।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा MOODLE based e-learning platform (elearning.uou.ac.in) को learners हेतु विकसित किया गया है जिसकी सूचना समस्त learners को प्रदान की गयी है वर्तमान तक 25850 learners विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत किये गये हैं।
- कुछ कोर्सों में self learning material लॉकडाउन की स्थिति में प्रेषित नहीं हो पाये, विश्वविद्यालय द्वारा इसके समाधान हेतु Digital Learning Material को विश्वविद्यालय की वेबसाइट में अपलोड किया गया है जिसे learners द्वारा डाउनलोड कर उसका लाभ लिया जा रहा है। विश्वविद्यालाय की वेबसाईट में समस्त अध्ययन सामग्री डिजीटल मोड में उपलब्ध करायी गई है। निम्न पाठ्यकम की Digital Learning Material उपलब्ध नहीं था, उन्हें भी लॉकडाउन के दैरान अपलोड कर दिया गया है। उक्त Digital Learning Material का भारत के अन्य मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा भी लाभ लिया जा रहा है।
 - 1. MAJMC-19
 - 2. MBA-17
 - 3. MAPS-18
 - 4. MTTM-17
 - 5.BTTM-17
 - 6.BHM-17
 - 7.BJNM
 - 8.BEDSE(LD)-19
 - 9. BEDSE(MR)-19
- Ph. D coursework MOODLE को विश्वविद्यालय द्वारा online mode and blended mode पर संचालित किये जा रहे हैं।

• विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों द्वारा learners को Online counselling प्रदान की जा रही है।

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय संस्थान जैसे Commonwealth of Learning, Canada के साथ दूरस्थ माध्यम से कोविड—19 के तहत् सहभागिता की जा रही है।
- शैक्षिक ज्ञान को बढाने एवं आदान प्रदान हेतु Departmental blogs का प्रयोग किया जा रहा है।
- National Digital Library of India, Association with Spoken Tutorials IIT Mumbai की सदस्यता ली गयी है एवं Tele-counselling तथा शिक्षकों के whatapp group के माध्यम से Audio/Vedio/SLM को प्रदान किया जा रहा है इसके अतिरिक्त फेसबुक के माध्यम से योगा के लाइव सत्र की सुविधा learners को प्रदान की जा रही है।

परीक्षा की तिथियों की घोषणा से पूर्व श्री देवसुमन विश्वविद्यालय, हे0न0ब0विश्वविद्यालय एवं कुमॉऊ विश्वविद्यालय से समन्वय स्थापित किया जा रहा है। जिसके पश्चात परीक्षा की तिथियां घोषित की जायेंगी क्योंकि विश्वविद्यालय द्वारा उक्त विश्वविद्यालयों के मानव एवं अन्य संशाधनों को उपयोग में लाया जाता है।

म0 कुलपति जी द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठक में प्रतिभाग-

दिनांक 18 मार्च 2020 को देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपितयों की बैठक मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव के साथ वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। उक्त बैठक में कुलपित जी द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। बैठक में कुलपित जी द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति तथा 12बी में न होने की बात सचिव के समक्ष रखी।

नई शिक्षा नीति 2019 और इसका दिव्यांग जनों के शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

दिनांक 14 — 15 मार्च 2020 को भारतीय समाज अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा नई शिक्षा नीति 2019 और इसका दिव्यांग जनों के शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजनदून विश्वविद्यालय, देहरादून के सभागार में किया गया।

सेमीनार का उद्घाटन श्री तीरथ सिंह रावत माननीय सांसद



गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र से प्रोफेसर पीपी ध्यानी माननीय कुलपित श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपित प्रोफेसर ओ पी एस नेगी व संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखिरयाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सेमिनार के प्रथम दिवस डॉ विनोद केन प्राध्यापक राष्ट्रीय दृष्टि बिधतार्थ संस्थान, देहरादून द्वारा सेमिनार की मुख्य विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। तत्पश्चात् विषय वस्तु से संबंधित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया जिनमें नई शिक्षा नीति का विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा में भूमिका, नई शिक्षा नीति की दूरस्थ शिक्षा के संवर्धन में भूमिका, नई शिक्षा नीति का तकनीकी ज्ञान पर आधारित शिक्षा में भूमिका विषय पर विभिन्न सत्रों का आयोजन करते हुए शोधार्थियों द्वारा अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए जिनमें सत्रों के अध्यक्षता करते हुए विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा उनकी समीक्षा करते हुए उनकी सराहना की गई।

दूसरे दिल्ली दिन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सी पोखरियाल द्वारा नई शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा के मूल्यांकन और ग्णवत्ता संबंधित विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया गया साथ ही नई शिक्षा नीति में नवीन दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम की भूमिका,नई शिक्षा नीति और अध्यापक शिक्षा से संबंधित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया। साथ ही एक विशेष सत्र जिसमें की सभी विशेष शिक्षकों के साथ संवाद से संबंधित था उसका आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों मे इसे शिक्षा से संबंधित विशेषज्ञों के माध्यम से उन सभी समस्याओं का निराकरण करने संबंधी और प्राप्त सुझावों को सामान्य सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय एवं भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय को अनुशंसा के तौर पर भेजने पर सहमति व्यक्त की गई।

सेमिनार के समापन सत्र पर राज्य केप्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री आनंद वर्धन जी, दून



विश्वविद्यालय के कुलपित प्रोफेसर एके कर्नाटक जी एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपित बीएस नेगी द्वारा का सेमिनार का समापन किया गया सेमिनार में लगभग 150 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सेमिनार के अंत में संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखिरयाल के द्वारा बताया गया कि सेमिनार में प्रस्तुत किए गए उत्कृष्ट शोध पत्रों एवं सुझावों की एक रिपोर्ट राज्य के उच्च शिक्षा विभाग एवं भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेजी जाएगी।

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस, 2020

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस 2020 की पूर्व संध्या पर दिनांक 07 मार्च, 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वाविद्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष सम्पूर्ण विश्व में 8 मार्च को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी कम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में भी सभी सदस्यों ने सम्मिलित रूप में एक संक्षिप्त विचार गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ०पी०एस० नेगी ने की।





प्रोफेसर नेगी ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि भारतीय सभ्यता विश्व की सबसे

प्रचीनतन सभ्यता है तथा यह सर्वविधित है कि भारतीय सभ्यता अपने सभी युगों में सामाजिक रूप में महिलाओं के प्रति सम्मान एवं समर्पण का भाव रखती आई है। भारतीय समाज ने निरंतर अपनी महिलाओं अर्थात मातृ शक्ति का सम्मान किया है।

प्रोफेसर नेगी ने उपस्थित सभी महिलाओं का शक्ति तत्व के प्रति जागरूक होने के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय



आवाहन किया। कार्यक्रम का आरम्भ करते हुए डाँ० राजेन्द्र कैड़ा ने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण तथ्य है कि कोई समाज अपने महत्वपूर्ण प्रश्नों की महत्ता को समझे, साथ ही उन्होंने कहा कि समस्या को पहचानना एवं उसके निदान का समुचित प्रयत्न करना आवश्यक है। हमको समाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं राजनैतिक आयामों के आधार पर महिलाओं कि स्थितियों, उनकी समस्याओं को हल करने के प्रयत्न करने चाहिए।

अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक डॉ० नागेन्द्र गंगोला द्वारा महिला चेतना को एक लम्बा इतिहास माना गया, उनके अनुसार महिला को एक सामाजिक इकाई के रूप में देखने की आवश्यकता है तथा इस इकाई के समग्र विकास हेत् कार्य करने की आवश्यकता है।

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की सहायक प्राध्यापिका डाँ० ममता ने विश्वविद्यालय के अन्तर्गत महिला अध्ययन केन्द्र अथवा महिला विषयक पाठ्यक्रम की आवश्यकता पर बल दिया। इसी क्रम में माननीय कुलपति ने भविष्य में महिला विषयक पाठ्यक्रमों की योजना को सहमति प्रदान की तथा डाँ० ममता को इस कार्य की जिम्मेदरी हेतु प्रस्तावित किया।

श्रीमती आभा गर्खाल, वित्त नियंत्रक एवं अध्यक्ष महिला सेल, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा महिलाओं की अस्मिता को व्यक्त करने वाली स्वरचित कविता का पाठ किया।



श्रीमती रेखा बिष्ट, सहायक क्षेत्रीय निदेशक, ने दिनांक 22—23 जनवरी, 2020 को Association of Indian Universities (AIU) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला जो कि Safe Campus: Implementation of UGC Guidelines/Regulation on Gender Champions and POSHविषय पर पं0 रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ में प्रतिभाग किया गया था जिसके अनुभव उपस्थित सभी प्रतिभागियों से साझा किये।

प्रोफेसर पी०डी० पंत, डॉ० सूर्यभान, डॉ० प्रभा, कु० दीप्ती, श्री विनोद कुमार विरखानी ने भी अपने—अपने विचार व्यक्त किये।

श्रीमती रूची आर्य, सहायक क्षेत्रीय निदेशक, ने विश्वविद्यालय के अन्तर्गत महिलाओं के प्रति किए जाने वाले कार्यक्रमों की निरंतरता एवं गुणवत्ता पर जोर देने की बात कही।





इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्वविद्यालय की तरफ से माननीय कुलपित प्रो0 नेगी द्वारा विश्वविद्यालय की दो महिलाओं यथा श्रीमती दीपा फुलारा, अधिष्ठान विभाग तथा श्रीमती कमला राठौर, परीक्षा विभाग को उनके द्वारा विश्वविद्यालय में किये गये उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुये डॉo राजेन्द्र कैड़ा ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक, प्राध्यापकों, अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्मिकों ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्य परिषद की 25वीं बैठक का आयोजन

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की 25वीं बैठक विश्वविद्यालय के सभागार में दिनांक 2 सितंबर, 2019 को सम्पन्न हुई, बैठक में कुल 23 प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिनमें से अधिकतम प्रस्तावों पर अनुमोदन दिय गया।

बैठक में सर्वप्रथम कार्य परिषद की 24वीं बैठक के निर्णयों पर कृत कार्यवाही पर परिषद द्वारा अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय की वित्त समिति की 12वीं बैठक, मान्यता बोर्ड की 7वीं बैठक, तथा विद्या परिषद की 15वीं बैठक की संस्तुतियों का भी अनुमोदन परिषद द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय के शैक्षिक पदों पर आरक्षण नीति निर्धारण के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र दिनांक 07 मार्च, 201 द्वारा जारी केन्द्रीय शैक्षिक संस्थाओं अध्यादेश एवं उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या—194/XXXIV(6)/2019-10(01)/2016, दिनांक—26 अप्रैल, 2019 को अंगीकृत किये जाने की सूचना से परिषद अवगत हुई।

शासन के पत्र संख्या—540/XXXIV(6)/2019-01(08)/2012, दिनांक—07 अगस्त, 2019 के माध्यम से संविदा अथवा प्रतिनियुक्ति के माध्यम से पूरित किये जाने हेतु सृजित 17 पदों को नियमित (अस्थाई) पदों में परिवर्तित किये जाने की सूचना से परिषद को अवगत कराया गया तथा उक्त पदों के सापेक्ष नियुक्त 07 कार्मिकों को नियमितिकरण पर अनुमोदन किया गया।

सहायक क्षेत्रीय निदेशक के 08 पदों हेतु सम्पन्न लिखित परीक्षा, कम्प्यूटर एवं आई0टी0 दक्षता तथा साक्षात्कार दिनांक 30 अगस्त, 2019 के आधार पर चयन समिति की संस्तृतियों का अनुमोदन किया गया।

बैठक कुलपित प्रो० ओ०पी०एस० नेगी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई वाह्य सदस्य के रूप में ईग्नू नई दिल्ली के उपकुलपित, प्रो० के०बी० दास, प्रो० बी०एस० पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैंगवेजेज, हिमांचल प्रदेश विश्वविद्यालय, श्री राकेश भारती मित्तल, उपाध्यक्ष, भारती एंटरप्राईजेज, नई दिल्ली (वीडियों कोफेंसिंग के माध्यम से)। विश्वविद्यालय की ओर से प्रो० एच०पी० शुक्ल, प्रो० आर० सी० मिश्र, प्रो गिरिजा प्रसाद पाण्डे, प्रो० दुर्गेश पंत, प्रो० पी०डी० पंत, डॉ० सूर्यभान सिंह, कुलसचिव श्री भरत सिंह, वित्त नियंत्रक श्रीमती आभा गर्खाल व उपकुलसचिव विमल कुमार मिश्र शामिल रहे।

पी0एम0 केयर फण्ड में विश्वविद्यालय का योगदान

देशमेंCOVID-19 नामक वैश्विक महामारी के कारण उत्पन्न हुई अभूतपूर्व संकट हेतु विश्वविद्यालय द्वारा समस्त नियमित शिक्षकों एवं कमचारियों द्वारा अपने एक दिन का वेतन माननीय

कुलपति जी की अपील पर दान किया गया। जिसकी समस्त धनराशि रू० 1,68,470 (रूपये एक लाख अड़सठ हजार चार सौ सत्तर मात्र) पी०एम० केयर फण्ड में जमा करा दी गई है।

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12 (बी) के तहत विश्वविद्यालय द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ किये जा चुके है।
- विश्वविद्यालय द्वारा संचालित योग पाठ्यक्रम में सबसे अधिक विद्यार्थियों की संख्या है। अब तक इस पाठ्यक्रम के 54 विद्यार्थी नेट परीक्षा में सफल हो चुके है।
- विश्वविद्यालय के सहायक क्षेत्रीय निदेशक के 08 पदों हेतु लिखित परीक्षा का आयोजन दिनांक 28 जुलाई,
 2019 को किया गया तथा अन्य शैक्षिक एवं शिक्षणैत्तर पदों पर रोस्टर कमेटी की बैठक आयोजित की जा चुकी है तथा नियुक्तियाँ प्रक्रियाधीन है।
- दिनांक 20 अगस्त, 2019 को मा0 कुलपित जी द्वारा CEMCA द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की मान्यता से सम्बन्धित बिन्दुओं पर विचार—विमर्श हेतु मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपितयों की एक दिवसीय बैठक में प्रतिभाग किया गया।
- 15 अगस्त को देश के 73वें स्वतंन्त्रता दिवस समारोह के अवसर पर कुलपित द्वारा झण्डारोहण तथा संबोधन के उपरांत, कुलपितजी सिहत निदेशकों, शिक्षकों अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा विश्वविद्यालय पिरसर में पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया गया।
- विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे द्वारा दिनांक 1 से 3 अगस्त को Sukhothai Thamathirat Open University एवं UNESCO द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित International Conference on Distance Learning में प्रतिभाग किया गया। डॉ. पाण्डे द्वारा अपने शोध पत्र जिसका शीर्षक "Teacher's Attitude towards OER: A Comparative Study of Uttarakhand Open University, India and Sukhothai Thamathirat Open University, Thailand" है, प्रस्तुत किया गया।
- डॉ0 प्रीति बोरा, अकादिमक परामर्शदाता, गृह विज्ञान विभाग द्वारा गृह विज्ञान महाविद्यालय, जी0बी0 पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा 21-22 अगस्त, 2019 को "ग्रामीण विकास में सामुदायिक विज्ञान शिक्षा की भूमिका" पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "फल प्रसंस्करण: खाद्य स्रक्षा हेत् उत्तराखंड में निवेश करने योग्य संभावित परियोजना" पर शोध पत्र प्रस्तृतीकरण किया गया।
- विश्वविद्यालय को यूजीसी के मानक 12 बी में लाने हेतु जरूरी संसाधनों को पूरा करने की प्रक्रिया गितमान है।
 विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किये गये 4.50 करोड़ के प्रोजेक्ट को शासन द्वारा स्वीकृति प्राप्त हो गई है। जिससे कुलपित आवास, गेस्ट हाउस तथा एक मल्टी पर्पज हॉल का निर्माण कराया जाना है। शासन द्वारा निर्माण की जिम्मेदारी कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड को दी गई है।
- माह सितम्बर, 2019 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त, वर्ष 2019-20 (ग्रीष्मकालीन सत्र) में प्रवेश की तैयारियां, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।
- मा० कुलपित जी द्वारा दिनांक 28/10/19 को माननीय श्री राज्यपाल कुलाधिपित महोदया तथा 26/10/10 को मा० उच्च शिक्षा मंत्री जी से शिष्टाचार भेंट की तथा दिपावली की शुभकामनायें दी।
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

 माह अक्टूबर, 2019 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त प्रवेश से संबंधित कार्य, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री/पुस्तकों की संरचना/प्रकाशन आदि कार्य किये जा रहे है। विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना का अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किये गये।

- माह नवम्बर, 2019 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह से सम्बन्धित तैयारियाँ, हैलो हल्द्वानी, रेडियों कार्यक्रमों का निर्माण, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्याशाखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिंग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।
- माह दिसम्बर, 2019 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त शिक्षकों द्वारा मोडरेशन कार्य, वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा, ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।
- माह जनवरी, 2020 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त शिक्षकों द्वारा मोडरेशन कार्य, वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा का आयोजन, ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।
- दिनांक 05 फरवरी, 2020 को मा० कुलपित जी द्वारा Roundtable on STEM Education जो कि AIU तथा Vivekananda International Foundation द्वारा Vivekananda International Foundation, 03- San Martin Marg, Chanakyapuri, New Delhi में आयोजित हुई।
- दिनांक 18 फरवरी को प्रोo ओ०पी०एस० नेगी, मा० कुलपति जी द्वारा उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के सातवें दिक्षान्त समारोह में प्रतिभाग किया गया।
- Government of India has been taking several digital initiatives to support teachers and students to make use of ICT in education. Cyber safety and security is the greatest concern in the digital world. Keeping in the view CIET-NCERT has developed booklets as guidelines for students, teachers and schools on cyber safety and security in English. Efforts have been taken to translate the guidelines for students, teachers and schools in Hindi. Dr. Jeetendra Pande, Assistant Professor- Computer science was invited to review and finalize the developed guidelines in Hindi from 19-21 February 2020 at CIET, New Delhi.
- International Conference on Education in the Twenty First Century was organised by Regional Institute of Education, Bhubaneswar in Collaboration with The United Nations International Children's Emergency Fund & Commonwealth Educational Media Centre for Asia from 21-23 February 2020 at Regional Institute of Education, Bhubaneswar. Dr. Jeetendra Pande, Assistant Professor- Computer



science participated as a panellist in a panel discussion on Developing teacher capabilities for using technology as a cognitive tool.

- डॉ० बाबा साहेब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा "Media Culture and Development: Issues and Perspectives" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉनफरेंस 7 8 फरवरी, 2020 को विश्वविद्यालय के सिनेट हॉल में आयोजित किया गया था, जिसमें उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से डॉ० राकेश चन्द्र रयाल, जनसंपर्क अधिकारी ने प्रतिभाग किया तथा "डिजिटल मीडिया और दूरस्थ शिक्षा : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में" विषय पर शोध पत्र भी प्रस्तुत किया गया। शोध पत्र में विश्वविद्यालय हो रहे डिजिटल मीडिया का विस्तार से अध्ययन किया गया तथा दूरस्थ शिक्षा में डिजिटल मीडिया का किस तरह से बेहत्तर उपयोग हो सकता है इस पर भी विचार किया गया।
- माह फरवरी, 2020 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त प्रतिमाह समय पर उपाधियों का वितरण, पुस्तक वितरण विभाग द्वारा विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति,, छात्रों की समस्यायओं का निराकरण, पुस्तकों की छपाई, शिक्षकों द्वारा मोडरेशन कार्य, वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा का आयोजन, ईकाई लेखन कार्य, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री/पुस्तकों की संरचना/प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। सूचना का अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं का प्रेषण, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाण पात्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य भी सम्पन्न किये गये।

माह मार्च तथा अप्रैल, 2020 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त लॉकडाउन की अविध में शिक्षकों द्वारा घर से ही छात्रों की समस्यायओं का निराकरण, ईकाई लेखन कार्य, पाठ्यक्रमों में सुधार / संशोधन, अध्ययन सामग्री, पुस्तकों की संरचना आदि कार्य किए जा रहे है।

वार्षिक / सेमेस्टर परीक्षा की तैयारियाँ प्रारम्भ की जा रही है तथा पुस्तक वितरण विभाग द्वारा विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति भी प्रारंभ कर दी गई है।

APPENDICES

Appendix- I (परिशिष्ट –I) पंचम दीक्षान्त समारोह



Appendix- II (परिशिष्ट –II) विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह में शोध की उपाधि लेने वाले शोधार्थियों की सूची -

SNo	Department	School	Name of the Supervisor	Name	Date of Awarded of Ph.D.
1-	History	Social Science	Dr. M.M. Joshi	KUMAR NALIN	2/12/2019
2-	Management Studies	Management Studies & Commerce	Prof. R.C. Mishra	LT. COL. RAJINDER SINGH KOHLI	2/12/2019
3-	Journalism	Journalism & Media Studies	Prof. Govind Singh	HARISH CHANDRA LAKHERA	2/12/2019
4-	Management Studies	Management Studies & Commerce	Dr. Manjari Agrawal	SUNITA SANGUARI	2/12/2019
5-	Management Studies	Management Studies & Commerce	Prof. R. C. Mishra	DEEP CHANDRA	2/12/2019
6-	Teacher Education	Education	Dr. Dinesh Kumar	UMA PANDEY PADALIA	2/12/2019
7-	Teacher Education	Education	Dr. Praveen Kumar Tiwari	DINESH CHANDRA KANDPAL	2/12/2019
8-	Teacher Education	Education	Dr. Praveen Kumar Tiwari	PRIYANKA SANGUARI FULARA	2/12/2019
9-	Teacher Education	Education	Prof. J. K. Joshi (Retd)	BHUWAN CHANDRA TEWARI	2/12/2019
10-	Teacher Education	Education	Dr. Dinesh Kumar	PARMIAL SUYAL	2/12/2019
11-	Teacher Education	Education	Dr. Praveen Kumar Tiwari	MANISHA PANT	2/12/2019



Appendix- III (परिशिष्ट –III) कार्य परिषद

(Executive Council)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	अध्यक्ष
	कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	
2.	प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया	सदस्य
	रिटायर्ड डीन ऑफ लैंगवेजज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी,	
	समर हिल शिमला	
3.	डॉ. बी0एम0 हर्बोला	सदस्य
	सहायक निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, हल्द्वानी	
4.	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल	सदस्य
	निदेशक, मानवीकी विद्याशाखा,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
5.	प्रोफेसर दुर्गेश पन्त	सदस्य
	निदेशक, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा, उ.मु.वि.वि, हल्द्वानी	
6.	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र	सदस्य
	निदेशक, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य, विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
7.	डाॅ0 सूर्यभान सिंह	सदस्य
	सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान, उ0मु0िव0िव0, हल्द्वानी	_
8.	श्री भरत सिंह	सदस्य सचिव
	कुलसचिव, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
9.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे	आमन्त्रित सदस्य
	निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
10.	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त	आमंत्रित सदस्य
	परीक्षा नियन्त्रक, 30मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
11.	श्रीमती आभा गर्खाल	आमंत्रित सदस्य
	वित्त नियन्त्रक, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
12.	श्री विमल कुमार मिश्र	आमंत्रित सदस्य
	उपकुलसचिव, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	

Appendix- IV (परिशिष्ट –IV) विद्या परिषद

(Academic Council)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	अध्यक्ष
	कुलपति,	
	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ,हल्द्वानी	
2.	प्रोफेसर डी.पी. सकलानी	सदस्य
	परिसर निदेशक, इतिहास विभाग, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और	
	पुरातत्व, हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल	
	केन्दीय विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड	
3.	प्रोफेसर अभय सक्सेना	सदस्य
	डीन, स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेन्ट एण्ड कम्यूनिकेशन, देव संस्कृत	
	विश्वविद्यालय, हरिद्वार।	
4.	प्रोफेसर बी0एम0 कुमार	सदस्य
	मानविकी एवं समाज विज्ञान महाविद्यालय, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं	
	प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर	
5.	प्रोफेसर मधुरेन्द्र कुमार	सदस्य
	राजनीति विज्ञान विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल	
6.	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र	सदस्य
_	निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
7.	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल	सदस्य
	निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
8.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे	सदस्य
0	निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
9.	प्रोफेसर दुर्गेश पंत	सदस्य
	निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0,	
10	हल्द्वानी	
10.	डॉ0 गगन सिंह	सचिव
11.	सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
11.	डॉ० शशांक शुक्ल	सदस्य
12.	सहायक प्राध्यापक, हिन्दी, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी श्री भरत सिंह	सदस्य सचिव
12.	न्नु। भरत ।सह कुलसचिव, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	त्तपस्य सायव
13.	कुलसाचव, उ०मुणवणवण, हल्ह्याना प्रोफेसर पी0डी0 पन्त	आमंत्रित सदस्य
13.	परीक्षा नियन्त्रक, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	जानागरा राषरप
14.	श्रीमती आभा गर्खाल	आमंत्रित सदस्य
17.		जानागरा राषरभ
15.	वित्त नियन्त्रक, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	आमंत्रित सदस्य
13.	श्री विमल कुमार मिश्र	जामात्रत सदस्य
	उपकुलसचिव, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	

Appendix- V (परिशिष्ट –V)

योजना परिषद

(Planning Board)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	अध्यक्ष
	कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	
2.	प्रोफेसर बी0एस0 राजपूत	सदस्य
	पूर्व कुलपति, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।	
3.	प्रोफेसर सुभाष धूलिया	सदस्य
	पूर्व कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	
4.	डॉ0 बी0एस0 बिष्ट	सदस्य
	पूर्व कुलपति, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,	
	पन्तनगर।	
5.	डॉ. के0 रविकान्त	सदस्य
	निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया उत्पादन केन्द्र, IGNOU, नई दिल्ली	
6.	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र	सदस्य
	निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ०मु०वि०वि०,	
	हल्द्वानी	
7.	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल	सदस्य
	निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
8.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे	सदस्य
	निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
9.	प्रोफेसर दुर्गेश पंत	सदस्य
	निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या	
10	शाखा,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
10.	श्री भरत सिंह कुलसचिव,उ0म्0िव0िव0, हल्द्वानी	सदस्य सचिव
11.	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त	आमन्त्रित सदस्य
11.	परीक्षा नियन्त्रक,उ0मु0िव0िव0, हल्द्वानी	जाना गरा रायरच
12.	श्रीमती आभा गर्खाल	आमन्त्रित सदस्य
	वित्त नियन्त्रक,उ0म्0वि0वि0, हल्द्वानी	
13.	श्री विमल कुमार मिश्र	आमन्त्रित सदस्य
	उपकुलसचिव,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	

Appendix- VI (परिशिष्ट –VI)

वित्त समिति (Finance Committee)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	अध्यक्ष
	कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	
2	डॉ0 सुरेश चन्द्र पन्त	सदस्य
	निदेशक, उच्च शिक्षा (प्रतिनिधि सचिव, उच्च शिक्षा)	
	उत्तराखण्ड शासन, देहरादून	
3	श्री भूपेन्द्र प्रसाद काण्डपाल	सदस्य
	मुख्य कोषाधिकारी, सदस्य प्रतिनिधि सचिव, वित्त उत्तराखण्ड	
	शासन	
4	प्रोफेसर बी.एस. पठानिया	सदस्य
	सेवानिवृत्त, संकायप्रमुख (भाषा), हिमाचल प्रदेश	
	विश्वविद्यालय	
5	श्रीमती आभा गर्खाल	सदस्य सचिव
	वित्त नियन्त्रक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	
6	श्री भरत सिंह, कुलसचिव,	विशेष आमन्त्रित सदस्य
	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	
7	श्री विमल कुमार मिश्र, उपकुलसचिव (वित्त)	विशेष आमन्त्रित सदस्य
	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	

Appendix-VII (परिशिष्ट –VII) विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य

(Members of the University Authority)

Prof. Om Prakash singh Negi						
	Vice Chancellor					
Name	Designation	Contact No.	E-mail			
Sri Bharat Singh Registrar		05946-210957	registrar@uou.ac.in			
Prof. Girija Pandey	Director (RSD)	05946-286067	hpshukla@uou.ac.in			
Prof. P.D. Pant	Examination Controller	9411597995	pdpant@uou.ac.in			
Mrs. Abha Garkhal Finance Controll		9456727137	gabha@uou.ac.in			
Dr. Rakesh Rayal	Public Relation Officer	9410967600	rryal@uou.ac.in			

Directors of School / Division/ Directorate

Name	Name of School	Division/ Directorate	Contact No.	E-mail
Prof. R.C. Mishra	Management Studies & Commerce Health Science Tourism, Hotel Management & Hospitality	Academics Material Production and Distribution (MPDD)	9412034574	rcmishra@uou.a c.in
Prof. H.P. Shukla	Humanities	Library & Information Science Education Journalism & Media Studies	9410715100	hpshukla@uou. ac.in
Prof. Durgesh Pant	Computer Science & Information Technology	Dehradun Campus	9412375384	dpant@uou.ac.i
Prof. Govind Singh (On Leave)	Journalism & Media Studies	UOU Community Radio	9410964787	govindsingh@uo u.ac.in
Prof. Girija P. Pande	Social Science Law Vocational Studies	Research & Innovation Regional Services Division (RSD)	9412351759	gpande@uou.ac .in

Prof. P.D. Pant	Science Agriculture & Development Studies		Examination Department		05946 210958		pdpant@uou.ac.i n
		Re	egional Directo	ors			
Regional Centre	Regional Director	Address		Con	itact No.	. E-mail	
Dehradun (11)	Dr. Sandeep Negi	SGF	RR, Pathribagh, Dehradun		2031183 52720027	dehr	adun@uou.ac.in
Roorkee (12)	Dr. Rajesh Paliwal	B.S.M P	G College, Roorkee	9412439436 01332274365		roorkee@uou.ac.in	
Pauri (14)	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B. C	Garhwal University, Pauri	, 9412960687 01368223308		pa	uri@uou.ac.in
Uttarkashi (15)	Dr. Suresh Chandra	Gov	vt. PG College, Uttarkashi	01374-222004 9557557880 9911708741 uttarkashi@u		kashi@uou.ac.in	
Haldwani (16)	Dr. Rashmi Pant	M.E	B P.G. College, Haldwani	9411162527 05946284149 haldwani@uc		wani@uou.ac.in	
Ranikhet (17)	Ranikhet (17) Dr. Yogendra Chandra Singh Govt. PG College,		G College, Ranikhet	05966-220474 9997272828 ranikhet@uou.a		khet@uou.ac.in	
Pithoragarh (18)	oragarh (18) Dr. Bipin Chandra Pathak LSM Govt. PG College, Pithoragarh			2093678 4-264015	pitho	ragarh@uou.ac.in	
Bageshwar (19)	Dr. B.C Tiwari		vt. PG College, Bageshwar		2044914 63221894	bages	shwar@uou.ac.in

Assistant Regional Directors (ARD)

Regional Centre	Assistant Regional Director	
Dehradun	Govind Singh	
Roorkee	Ruchi Arya	
Pauri	Priyanka Lohani	
Uttarkashi	Anil Kandari	
Haldwani	Brijesh kumar Bankoti	
Ranikhet	Bhaskar Joshi	
Pithoragarh	Pankaj	
Bageshwar (19)	Rekha Bisht	

Appendix VIII (परिशिष्ट –VIII)

विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन (Human Resource of University)

विश्वविद्यालय में शैक्षिक पद

क्र0सं0	विषय	प्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक
1.	अंग्रेजी	प्रो. एच. पी. शुक्ल	डॉ. सुचित्रा अवस्थी
2.	प्रबन्ध अध्ययन	प्रो. आर. सी. मिश्र	डॉ.मंजरी अग्रवाल
			डॉ. सुमित प्रसाद
3.	कम्प्यूटर साइंस	प्रो. दुर्गेश पन्त	डॉ. जितेन्द्र पाण्डे
4.	इतिहास	प्रो. जी. पी. पाण्डे	डॉ. एम. एम. जोशी
5.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	प्रो. गोविन्द सिंह (अवकाश पर)	श्री भूपेन सिंह
6.	शिक्षाशास्त्र	-	डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. प्रवीण कुमार तिवारी
			(अवकाश पर), सुश्री ममता कुमारी,
			डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा
7.	वाणिज्य	-	डॉ. गगन सिंह
8.	होटल मैनेजमेन्ट	-	डॉ. जटाशंकर आर. तिवारी
9.	कृषि	-	डॉ. विरेन्द्र कुमार
10.	समाजशास्त्र	-	डॉ. दीपक पालीवाल
11.	राजनीतिशास्त्र	-	डॉ. सूर्यभान सिंह
12.	हिन्दी	-	डॉ. शशांक शुक्ला
13.	पर्यटन	-	डॉ. अखिलेश सिंह
14.	वानिकी	-	डॉ. एच. सी. जोशी
15.	आयुर्वेद	-	डॉ. हेमन्त काण्डपाल
16.	भौतिकी	-	डॉ. कमल देवलाल
17.	संस्कृत	-	डॉ. देवेश कुमार मिश्रा
18.	योग	-	डॉ. भानू जोशी
19.	एम.एस. डब्लू	-	डॉ. नीरजा सिंह
20.	ज्योतिष	-	डॉ. नन्दन कुमार तिवारी
21.	मनोविज्ञान	-	डॉ. सीता
22.	रसायन विज्ञान	-	डॉ. शालिनी सिंह
23.	भूगोल	-	मोहम्मद अकरम
24.	अर्थशास्त्र	-	डॉ. शालिनी चौधरी

अल्पकालिक विनियोजित वरिष्ठ परामर्शदाता/परामर्शदाता तथा अकादिमक एसोसिएट का विवरण

क्र0सं0	विद्याशाखा	विषय	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा)	डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल
2.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	(शिक्षाशास्त्र)	श्रीमती मनीषा पंत
3.	विज्ञान विद्याशाखा	वनस्पति विज्ञान	डॉ. पूजा जुयाल

4.	विज्ञान विद्याशाखा	जन्तु विज्ञान	डॉ. श्याम सिंह कुंजवाल
5.	विज्ञान विद्याशाखा	भूगोल	डॉ. रंजू जोशी पाण्डे
6.	विज्ञान विद्याशाखा	रसायन विज्ञान	डॉ. चारु चन्द्र पंत
7.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	समाज शास्त्र	डॉ. भावना डोभाल
8.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	लोकप्रशासन	डॉ. घनश्याम जोशी
9.	विज्ञान विद्याशाखा	भौतिकी	डॉ. राजेश मठपाल
10.	कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा	आई.टी.एण्ड कम्प्यूटर साइंस	श्री बालम सिंह दफौटी
11.	मानविकी विद्याशाखा	हिन्दी	डॉ. राजेन्द्र सिंह कैड़ा
12.	मानविकी विद्याशाखा	उर्दू	मो. अफजल हुसैन
13.	मानविकी विद्याशाखा	संगीत	श्री द्विजेश उपाध्याय
14.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	फूड एण्ड न्यूट्रीशियन (गृह विज्ञान)	श्रीमती मोनिका द्विवेदी
15.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	फूड एण्ड न्यूट्रीशियन (गृह विज्ञान)	डॉ. प्रीति बोरा
16.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	पत्रकारिता एवं जनसंचार	श्री राजेन्द्र सिंह क्वीरा
17.	पर्यटन एवं आतिथ्य अध्ययन विद्याशाखा	पर्यटन	डॉ. सुभाष रमोला
18.	विधि विद्याशाखा	विधि	श्री दीपांकुर जोशी
19.	व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा	व्यावसायिक अध्ययन	श्री गोपाल दत्त
20.	विज्ञान विद्याशाखा	भौतिकी	सुश्री मीनाक्षी राणा
21.	विज्ञान विद्याशाखा	गणित	डॉ. कमलेश बिष्ट
22.	विज्ञान विद्याशाखा	गणित	सुश्री शिवांगी उपाध्याय
23.	भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखा	भूगोल	डॉ. प्रदीप कुमार पन्त
24.	विज्ञान विद्याशाखा	वनस्पति विज्ञान	कीर्तिका पडलिया
25.	विज्ञान विद्याशाखा	वनस्पति विज्ञान	डॉ. प्रभा बिष्ट ढौढियाल
26.	विज्ञान विद्याशाखा	प्राणी विज्ञान	डॉ. मुक्ता जोशी
27.	विज्ञान विद्याशाखा	जन्तु विज्ञान	सुश्री पूर्णिमा विश्वकर्मा
28.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	मनोविज्ञान	डॉ. रूचि तिवारी
29.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	अर्थशास्त्र	डॉ. निमता वर्मा
30.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	इतिहास	डॉ. एच.एस. भाकुनी
31.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	गृह विज्ञान	डॉ. ज्योति जोशी
32.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	योग	सुश्री नीता दियोलिया
33.	मानविकी विद्याशाखा	अंग्रेजी	नागेन्द्र सिंह गंगोला
34.	मानविकी विद्याशाखा	संगीत	श्री अशोक चन्द्र टम्टा
35.	मानविकी विद्याशाखा	संगीत	जगमोहन परगॉई
36.	मानविकी विद्याशाखा	संस्कृत/ज्योतिष	डॉ. प्रभाकर पुरोहित
37.	मानविकी विद्याशाखा	संस्कृत/ज्योतष	डॉ. नीरज कुमार जोशी
38.	पुस्तकालय एंवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा	पुस्तकालय विज्ञान	सुश्री प्रीति शर्मा

अल्पकालिक व्यवस्था के अन्तर्गत नियोजित प्रशासनिक परामर्शदाता/तकनीकी परामर्शदाताओं का विवरण

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत् कार्मिक का नाम
1.	तकनीकी परामर्शदाता (डाटा प्रोसेसिंग)	परीक्षा अनुभाग	श्री नवनीत कुमार
2.	तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो)	कम्यूनिटी रेडियो	श्री अनिल नैलवाल
3.	तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो)	कम्यूनिटी रेडियो	सुनीता भट्ट

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

4.	तकनीकी परामर्शदाता ICT	ICT	विनय कुमार टम्टा
5.	कैमरामैन	ICT	विभू कांडपाल
6.	विडियो एडिटर	ICT	हरीश कुमार गोयल
7.	प्रशासनिक परामर्शदाता	मॉडल स्टडी सेन्टर	श्री विनोद विरखानी
8.	प्रशासनिक परामर्शदाता	परीक्षा अनुभाग	श्रीमती कंचन बिष्ट
9.	प्रशासनिक परामर्शदाता	देहरादून परिसर	नरेन्द्र कुमार जगूडी
10.	प्रशासनिक परामर्शदाता	शोध एवं नवाचार	राजेन्द्र जोशी
11.	प्रशासनिक परामर्शदाता	देहरादून परिसर	योगेन्द्र चन्द्र गुरूरानी

नियमित/संविदा के आधार पर सृजित पद

		C	
क्र0सं0	पदनाम	कार्यरत कार्मिक का नाम	पद की प्रवृति
1.	नैटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर	श्री मोहित रावत	संविदा
2.	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	श्री जितेन्द्र द्विवेदी, श्री राजेन्द्र गोस्वामी	संविदा
3.	हार्डवेयर इंजीनियर	श्री राजेश आर्या, श्री विनीत पौड़ियाल,	संविदा
4.	प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-2	श्री पी0एस0 परिहार	संविदा
5.	आशुलिपिक ग्रेड-1	श्री संजय भट्ट	संविदा
6	आशुलिपिक ग्रेड-1	श्री विमल कुमार	नियमित

बाह्य सेवा प्रदाता (उपनल) के माध्यम से पूरित किये जाने हेतु सृजित पद

	T. Control of the Con	
क्र0सं0	पदनाम	कार्यरतकार्मिक का नाम
1.	वेबसाइट एडमिनिस्ट्रेटर	श्री राकेश पपनै
2.	कम्प्यूटर लिट्रेट स्टेनो	श्रीमती बबीता दास
3.	कम्प्यूटर लिट्रेट एकाउन्टेंट	श्री हर्षवर्धन लोहनी
4.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	कु0 कमला राठौर, श्री योगेश मिश्रा, श्री पंकज बिष्ट,
5.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री मनोज कुमार शर्मा, श्री संतोष ढौडियाल
6.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री बसंत बल्लभ काण्डपाल, श्री चारु चन्द जोशी
7.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री गोपाल सिंह, श्री मनमोहन त्रिपाठी,
8.	डाटा एंट्री ऑपरेटर/क्लर्क टाइपिस्ट	श्रीमती मधु डोगरा, श्री अनिल कुमार पंत
9.	कम्प्यूटर ऑपरेटर,	कु. पूनम खोलिया
10.	कोऑर्डिनेटर	श्री नंदन अधिकारी, श्री मोहन चन्द्र पाण्डे,
11.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती दीपा फुलारा
12.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती रंजना जोशी, श्री अजय कुमार सिंह,
13.	कोऑर्डिनेटर	श्री निर्मल सिंह धौनी
14.	कम्प्यूटर लिट्रेट पी0ए0,	श्री रमन लोशाली
15.	इलैक्ट्रीशियन,	श्री दिनेश पाल सिंह
16.	ड्राइवर,	श्री मनीष कुमार
17.	लैब असिस्टेंट	श्री मनीष बुंगला
18.	चतुर्थ श्रेणी कार्मिक	श्री हेमचन्द, श्री व्यास सिंह, श्री चन्द्र शेखर सुयाल

19.	क्लर्क कम टाइपिस्ट,	श्री कुन्दन सिंह
20.	कैटलागर्स,	श्री राकेश पन्त, श्रीमती मीतू गुप्ता
21.	अनुसेवक	श्री चेत बहादुर
22.	स्टोरमेट	श्री बलबन्त राम
23.	बुक लिफटर	श्री दीपक चन्द्र उप्रेती
24.	प्लम्बर	श्री देवेन्द्र प्रसाद
25.	हेल्पर	श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
26.	माली	श्री मनोज कुमार
27.	स्वच्छक	श्री दलीप
28.	चपरासी	कु. नीमा उप्रेती, श्री कैलाश राम विश्वकर्मा, नवीन चन्द्र जोशी

विश्वविद्यालय में नियोजित विनियमित कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रानीखेत	श्री रविन्द्र कुमार कोहली
2.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रुड़की	श्री महबूब आलम
3.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून	श्री बृज मोहन सिंह खाती
4.	लिपिक	क्रय अनुभाग	श्री हेम चन्द्र छिमवाल
5.	लिपिक	अधिष्ठान	श्री राहुल बिष्ट
6.	लिपिक	प्रवेश	श्री फिरोज खान
7.	लिपिक	निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं	श्री भरत नैनवाल
8.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय, पिथौरागढ़	श्री त्रिलोचन पाटनी
9.	वाहन चालक	कुलसचिव	श्री देवेन्द्र सिंह नेगी
10.	वाहन चालक	कुलपति	श्री मोहन चन्द्र पाण्डे
11.	वाहन चालक	वित्त नियन्त्रक	श्री शेखर उप्रेती

विश्वविद्यालय में नियोजित संविदा कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय पौड़ी	श्री सत्येन्द्र सिंह रावत
2.	लिपिक	परीक्षा अनुभाग	श्री मोहन चन्द्र बवारी
3.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्री दिनेश कुमार
4.	चतुर्थ श्रेणी	निदेशक मानविकी	श्री दिनेश चन्द्र फुलेरा
5.	चतुर्थ श्रेणी	कुलसचिव कार्यालय	श्री जगत सिंह बंगारी
6.	-	स्वच्छक अनुरक्षण	श्रीमती छाया देवी

बाह्य सेवा प्रदाता (ड्रेस रोजगार डॉट कॉम) के माध्यम से दैनिक वेतन भोगी के रुप में कार्यरत कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्रीमती पूजा हेडिया
2.	लिपिक	एम0पी0डी0डी0	श्री दीपक पन्त
3.	लिपिक	परीक्षा	श्री राहुल नेगी
4.	लिपिक	परीक्षा	श्री उमाशंकर नेगी
5.	लिपिक	परीक्षा	श्री हेमचन्द्र
6.	लिपिक	प्रवेश	श्री प्रमोद चन्द्र जोशी
7.	लिपिक	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	कु. दीपिका रैकवाल

8.	लिपिक	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री उमेश सिंह खनवाल
9.	योग प्रशिक्षक	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	श्री ललित मोहन
10.	लिपिक	आर0एस0डी० / मानविकी	श्री मोहन जोशी
11.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय,उत्तरकाशी	श्री धनेश्वर नेगी
12.	लिपिक	देहरादून परिसर	श्रीमती अपर्णा कुकरेती
13.	चतुर्थ श्रेणी	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री भुवन चन्द्र पलड़िया
14.	चतुर्थ श्रेणी	लेखा अनुभाग	श्री भीम आर्या
15.	स्वच्छक	अनुरक्षण	श्री अनिल कुमार
16.	स्वच्छक	देहरादून परिसर	श्री सतीश सिंह
17.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री धीरेन्द्र सिंह
18.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री दीपक रतूड़ी
19.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री सुरेश प्रसाद
20.	लिपिक	RTI	सुश्री लक्ष्मी धामी
21.	लिपिक	स्वागत पटल	निर्मला देवी
22.	लिपिक	क्रय अनुभाग	गोकुल चन्द्र कुशल
23.	लिपिक	योग	यशवन्त कुमार
24.	लिपिक	परीक्षा	दिव्या गोड
25.	लिपिक	स्वागत पटल	आकांक्षा रावत
26.	लिपिक	प्रवेश	पूनम पानू
27.	लिपिक	MPDD	कमल सिंह पवार
28.	लिपिक	MPDD	पूरन लाल शाह
29.	लिपिक	देहरादून परिसर	राहुल देव
30.	लिपिक	देहरादून परिसर	सुनील
31.	लिपिक	परीक्षा	माला उपाध्याय
32.	लिपिक	कुलपति आवास	गोधन सिंह
33.	लिपिक	MPDD	हीरा सिंह
34.	लिपिक	अनुरक्षण अनुभाग	लीला वेलवाल
35.	लिपिक	अनुरक्षण अनुभाग	नरेन्द्र पाल
36.	लिपिक	कुलपित कार्यालय	लालू प्रसाद
37.	स्वीपर	सफाइ कर्मी	अभिषेक कुमार
38.	लिपिक	MPDD	सरिता
39.	लिपिक	MPDD	शेखर चन्द्र
40.	लिपिक	SOS	अश्विनी कुटियाल
41.	लिपिक	कुलसचिव कार्यालय	अजय आर्या
42.	लिपिक	RSD	दीप्ति पांगती
43.	सुरक्षाकर्मी	कुलपति	प्रदीप कुमार मिश्रा
	3	3	3

Appendix- IX (परिशिष्ट -IX)

PROGRAMMES AT A GLANCE पाठ्यक्रम एक दृष्टि में

	UNDER GRADUATE PROGRAMMES				
Programme Name (Code)	Eligibility		on	SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
Bachelor of Arts (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Geography (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Music (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Commerce (BCOM-17)	10+2	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Business Administration (BBA-17)	10+2	3	6	English	Annual
Bachelor of Science (BSCG-17) (ZBC/ ZBF/BCF/BFG/PCM/PGM Groups)	10+2 Science	3	6	English	Annual
Bachelor of Science - (BSCG-17) (PCM/PGM Group)	10+2 Science	3	6	English	Annual
Bachelor of Science – (BSCG-17) Single Subject	Graduation in Science	3	6	English	Annual
Bachelor of Computer Application (BCA-17)	10+2 (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme, exam fee for the subject will be charged separately) / BCAPP Lateral entry (BCA IIIrd Sem): Diploma in Computer Application / IT (DCA/DIT)/ Diploma (Polytechnic) in relevant stream	3	6	English	Semeste
Bachelor of Arts (Yoga) - (BAY-17)	10+2, or equivalent Learners having diploma in Yoga and Naturopathy from UOU may take admission directly in second year	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Tourism and Travel Management (BTTM-17)	10+2	4	8	English	Annual
Bachelor of Arts with Mathematics - (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Arts with Mathematics & Geography - (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	English	Annual
Bachelor of Arts with Home Science – BA-17	10+2 / Equivalent	3	6	English/ Hindi	Annual
Bachelor of Special Education- (Mental Retardation) B.ed. Spl. Ed. (BEDSEMR-19)	Graduation	2.5	5	Hindi	Semeste
Bachelor of Special Education- (Learning Disability) – B.Ed. Spl. Ed. (BEDSELD-19)	Graduation	2.5	5	Hindi	Semeste

Programme Name & (Code)	Eligibility	Durati	on	SLM	Mode of
		(Yrs) Min	Max		Exam
Master of Computer Application (MCA-17)	Graduation in any stream (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: MCA Illrd SEM: BCA/BSc (CS/IT), A Level from DOEACC, PGDCA, MCA Vth Semester: MSc (IT/CS)	3	6	English	Semester
Master of Arts (Geo Informatics) MA (Geo Informatics) (MAGIS-17)	Graduation in any stream Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS	2	4	English	Annual
Master of Science (Geo Informatics) M.Sc. (Geo Informatics) (MSCGIS-17)	Graduation in any stream Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS	2	4	English	Annual
Master of Science (Cyber Security) M.Sc. (Cyber Security) MSCCS-18	Graduation (Science/IT) Lateral entry: DOEACC A level? PGDCA/PGD in Cyber security B.E or B.TECH in Computer Science & Engineering	2	4	English	Semester
Master of Science (Information technology) M.Sc. (Information Technology) MSCIT-17	Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level	2	4	English	Semester
Master of Information Technology (MSCIT-17)	Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level. However, candidates not having Mathematics at 10+2 level or Graduation level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: B.Tech./B.E./A-level from DOEACC after graduation / PGDCA and graduation	2	4	English	Semeste
M.A. Education (MAED-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Economics) MA (Economics) MAEC- 17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (History) MA (History) MAHI-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of arts (Political Science) MA (Political Science) MAPS-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Public Administration) MA (Public Administration) MAPA-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Sociology) MA (Sociology) MASO-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Scial work MA (Social work) MSW-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Psychology) MA (Psychology) MAPSY-18	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Hindi) MA (Hindi) MAHL-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (English) MA (English) MAEL-17	Graduation in any stream	2	6	English	Annual
Master of Arts (Sanskrit) MA (Sanskrit) MASL-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
MASTER OF ARTS (JYOTISH) MA (JYOTISH) MAJY-18	Graduation in Jyotish/ Shastri or Shastri (Hon's) in Jyotish or equivalent	2	6	Hindi	Annual
Master of Performing Arts (Music) MPAM-19	बी0ए0 संगीत विषय की संबंधित विधा जैसे गायन,तबला आदि के साथ या बीएससी/बी.कॉम/ बीए संगीत विषय के बिना स्नातक डिग्री के समकक्ष कोई उपाधि के साथ स्नातक के समकक्ष डिप्लोमा जैसे भातखण्डे संगीत विद्यापीठ लखनउ का संगीत विशारद/ प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद का संगीत प्रभाकर/ अखिल भरतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल मुंबई का संगीत विद आदि।	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Yoga) MA (Yoga)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Home Science) MA (Home Science)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual

Master of Arts (Journalism) MA (Journalisim)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Tourism and Travel Management (MTTM-17)	Graduation in any stream	2	4	English	Semester
Master of Buisness administration MBA MBA-17	50% Marks at Graduate or post Graduate level or 45% at graduate or Post graduate level along with 2 Years of supervisory/ managerial/Professional/teaching experience after completing graduation or Post graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student) 5% relaxation for reserve category) Admission through entrance test conducted by the university/ MAT/ CAT score		4	English	Semester
Master of Commerce M.Com MCOM-17	B.Com	2	6	Hindi	Annual
Master of Science (BOTANY) MSCBOT-17	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Annual
Master of Science (CHEMISTRY) MSCCH-17	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Annual
Master of Science (PHYSICS) MSCPHY-17	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Annual
Master of Arts (MATHEMATICS) MAMT-19	10+2+3 (Must have Mathematics as a Subject in BA)	2	6	English	Annual
Master of Science(MATHEMATICS) MSCMT-19	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Annual
Master of Science (ZOOLOGY) MSCZO-19	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Annual
Master of Science (ENVIRONMENTAL SCIENCE) MSCES-19	Graduation in any Science discipline	2	6	English	Annual
Master of Arts (Geography) MAGE-19	Graduation in any Subject	2	6	Hindi	Annual
Master of Science (Geography) MSCGE-19	Graduation in any Subject	2	6	Hindi	Annual
PG Programmes where adm	issions are carried out through entrance e	xamina	ation (N	I.B.A.)	
Master of Business Administration (MBA-17)	50% Marks at graduate or post-graduate level or 45% at Graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial/ professional/ teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5%		4	English	Semester
	relaxation for reserved category).Admission through entrance test conducted by the University / MAT / CAT score				
P(entrance test conducted by the University / MAT /				
Programme Name & (Code)	entrance test conducted by the University / MAT / CAT score OST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES	Duratio (Yrs)		SLM	Mode of Exam
Programme Name & (Code)	entrance test conducted by the University / MAT / CAT score OST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES Eligibility	Duratio (Yrs) Min	Max		Exam
Programme Name & (Code) PG Diploma in Computer Application (PGDCA-17)	entrance test conducted by the University / MAT / CAT score OST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES Eligibility Graduation in any stream	Duratio (Yrs) Min	Max 3	English	Exam Semester
Programme Name & (Code) PG Diploma in Computer Application (PGDCA-17) PG Diploma in Geo Informatics (PGDGIS-17)	entrance test conducted by the University / MAT / CAT score OST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES Eligibility Graduation in any stream Graduation in any stream	Duratio (Yrs) Min 1	Max 3	English English	Exam Semester Annual
Programme Name & (Code)	entrance test conducted by the University / MAT / CAT score OST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES Eligibility Graduation in any stream	Duratio (Yrs) Min	Max 3	English	Exam Semester
Programme Name & (Code) PG Diploma in Computer Application (PGDCA-17) PG Diploma in Geo Informatics (PGDGIS-17) PG Diploma In Disaster Management (PGDDM-17)	entrance test conducted by the University / MAT / CAT score OST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES Eligibility Graduation in any stream Graduation in any stream	Duratio (Yrs) Min 1	Max 3	English English English	Exam Semester Annual
Programme Name & (Code) PG Diploma in Computer Application (PGDCA-17) PG Diploma in Geo Informatics (PGDGIS-17)	entrance test conducted by the University / MAT / CAT score OST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES Eligibility Graduation in any stream Graduation in any stream Graduation in any subject	Duratio (Yrs) Min 1	Max 3 3 3	English English Hindi English-	Exam Semester Annual Annual Annual
Programme Name & (Code) PG Diploma in Computer Application (PGDCA-17) PG Diploma in Geo Informatics (PGDGIS-17) PG Diploma In Disaster Management (PGDDM-17) PG Diploma in Cyber Law (PGDCL-17) PG Diploma in Journalism and Mass Communication	entrance test conducted by the University / MAT / CAT score OST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES Eligibility Graduation in any stream Graduation in any stream Graduation in any subject Graduation in any stream	Duratio (Yrs) Min 1 1 1	3 3 3	English English Hindi English- Hindi	Semester Annual / Annual

PG Diploma in Marketing Management (PGDMM-17)	50% Marks at graduate or post graduate level with 1 year experience in the relevant field. Further those having 45% marks at graduate level or post graduate level shall also be eligible with 2 years' of	1	3	English	Semester
PG Diploma Human Resource Management (PGDHRM-17)	supervisory/ managerial/ professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student).(5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT /CAT score	1	3	English	Semester
Diploma in Management (DIM-17) 50% Marks at graduation or at post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial / professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT/ CAT score		1	3	English	Semester
	DIPLOMA PROGRAMMES				
Programme Name (Code)	Eligibility	Durati	on (Yrs)	SLM	Mode of Exam
		Min	Max		LAGIII
Diploma in Value Added Products from Fruits and Vegetables (DVAPFV-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Commercial Horticulture (DCH-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Public Health and Community Nutrition (DPHCN-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Yogic Science (DYS-17)	10+2 or equivalent	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Management of Non-wood Forest Products (DMNWFP-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Phalit Jyotish (DPJ-17)	10+2 or Certificate in Jyotish	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Hotel Management (DHM-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Tourism Studies (DTS-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Information Technology(DIT-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Vadic Karmkand (DVK-17)	10+2	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Right to Information	10+2	1	3	English	Semester
	CERTIFICATE PROGRAMMES				
Programme name (code)	Eligibility	Duration (yrs)		SLM	Mode of exam
Certificate in Organic Farming (CCOF-17)	10+2	Min ½	Max 2	Hindi	Semester
Certificate in Geo Informatics (CGIS-17)	10+2	1/2	2	English	Semester
Certificate in Computer Application (CCA17)	10+2	1/2	2	English	Semester
Certificate in e-Governance and Cyber Security (CEGCS-17)	10+2	1/2	2	English	Semester
Certificate in Ayurvedic Masseur (CAM-17)	10+2	1/2	2	Hindi	Semester
Certificate in Herbal Beauty Care (CHBC-17)	10+2	1/2	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Herb Cultivation (CAHC-17)	10+2	1/2	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition	10+2	1/2	2	Hindi	Semester

(CAFN-17)					
Certificate in Yogic Sciences (CYS-17)	10+2 or equivalent	1/2	1	Hindi	Semester
Certificate in Naturopathy (CIN-17)	10+2 or equivalent	1/2	1	Hindi	Semester
Certificate Course in Office Management (CCOM-17)	10th pass	1/2	2	Hindi	Semester
Certificate in Vedic Karmkand (CVK-17)	10th	1/2	2	Hindi	Semester
Certificate in Phalit Jyotish (CPJ-17)	10 th	1/2	2	Hindi	Semester
Certificate in Sanskrit Language (CSL-17)	10 th	1/2	2	Hindi	Semester
Certificate Course in Panchayati Raj (CCPR-17)	10 th	1/2	2	Hindi	Semester
Certificate in Memory Enhancement (CME-17)	10+2	1/2	2	Hindi	Semester
Certificate Programme in Japanese Language (CPJL-17)	10+2	1/2	2	English	Semester
Certificate in Ayurvedic Masseur CAM-17	10+2	1/2	2	Hindi	Semester
Certificate Course in Food & Nutrition CFN-18	10+2	1/2	2	Hindi	Semester
Certificate in Web Designing & Deveploment CWBD- 18	10+2	1/2	2	Hindi English	Semester
Certificate in Right to Information CRTI -17	10+2	1/2	2	English	Semester
Foundation Course in Special education FC-SEDE	10+2 or in Service Teacher	3	12	Eng./Hindi	Semester

Appendix X (परिशिष्ट –X)

विश्वविद्यालय दौरे पर आए गणमान्य व्यक्ति (Dignitaries visited the University Campus)

क्रमांक	नाम	पद	आयोजन
1	श्रीमती बेबी रानी मौर्या	महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति, उत्तराखण्ड शासन	दिनांक 3 दिसम्बर 2019 को विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति के रूप में प्रतिभाग।
2	डॉ0 धन सिंह रावत	माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री उत्तराखण्ड सरकार	दिनांक 3 दिसम्बर 2019 को विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
3	पंडित श्री विद्यादत्त शर्मा (उनियाल)	समाज सेवक	पंचम दीक्षान्त समारोह में डीलिट की मानद उपाधि प्राप्त करने वाले अतिथि
4	श्री लवराज सिंह धर्मशक्तु,	असिसटेंट कमांडेंट, सीमा सुरक्षा बल (BSF)	पंचम दीक्षान्त समारोह में डीलिट की मानद उपाधि प्राप्त करने वाले अतिथि
5	प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी	कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार	दिनांक 1-2 फरवरी 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत संचालित ज्योतिष विभाग के अध्ययन परिषद (BOS) में वाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में आमन्त्रित सदस्य।
6.	प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय	अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, BHU, वाराणसी	दिनांक 1-2 फरवरी 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत संचालित ज्योतिष विभाग के अध्ययन परिषद (BOS) में वाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में आमन्त्रित सदस्य।
7.	प्रोफेसर रामराज उपाध्याय	अध्यक्ष, पौरोहित्य विभाग, LBS, नई दिल्ली।	दिनांक 1-2 फरवरी 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत संचालित ज्योतिष विभाग के अध्ययन परिषद (BOS) में वाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में आमन्त्रित सदस्य।
8.	प्रोफेसर रमाकान्त पाण्डेय	निदेशक, मुक्त स्वाध्यायपीठम, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	दिनांक 1-2 फरवरी 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत संचालित ज्योतिष विभाग के अध्ययन परिषद (BOS) में वाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में आमन्त्रित सदस्य।
9.	प्रोफेसर ब्रजेश पाण्डेय	संस्कृत विभाग, JNU, नई दिल्ली	दिनांक 1-2 फरवरी 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत संचालित ज्योतिष विभाग के अध्ययन परिषद (BOS) में वाह्य विषय विशोषज्ञ के रूप में आमन्त्रित सदस्य।
10.	प्रोफेसर कौस्तुभानन्द पाण्डेय	संस्कृत विभाग, कुमाऊ विश्वविद्यालय।	दिनांक 1-2 फरवरी 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत संचालित ज्योतिष विभाग के अध्ययन परिषद (BOS) में वाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में आमन्त्रित सदस्य।

Appendix XI (परिशिष्ट –XI)

योग कार्यशाला

योग विभाग द्वारा जनवरी माह मे योग विषय की 10 दिवसीय कार्यशालायें एवं प्रयोगात्मक परीक्षा निम्नानुसार सम्पन्न की गयी —

$\overline{}$	सार राज्यान नगणना			
क्रम	संस्थान का नाम	दिनांक	कुल प्रतिभागी	
संख्या				
1	वेद निकेतन धाम भूपतवाला ,	12 जनवरी 2020 से 21 जनवरी 2020	योग विज्ञान में डिप्लोमा/	
	हरिद्वार ।	तक प्रयोगात्मक परीक्षा 22 जनवरी 2020	स्नातक प्रथम वर्ष	
2	वेद निकेतन धाम भूपतवाला ,	12 जनवरी 2020 से 21 जनवरी 2020	एम० ए० योग प्रथम वर्ष	
	हरिद्वार ।	तक प्रयोगात्मक परीक्षा 22 जनवरी 2020		
3	वेद निकेतन धाम भूपतवाला ,	12 जनवरी 2020 से 21 जनवरी 2020	स्नातक तृतीय वर्ष	
	हरिद्वार ।	तक प्रयोगात्मक परीक्षा 22 जनवरी 2020		
4	वेद निकेतन धाम भूपतवाला ,	प्रयोगात्मक परीक्षा 18) जनवरी 2020	योग विज्ञान में प्रमाण पत्र	
	हरिद्वार ।		/ योग एवं प्राकृतिक	
			चिकित्सा में प्रमाण पत्र	
5	उत्तराखण्ड मुक्त	प्रयोगात्मक परीक्षा 20 जनवरी 2020	योग विज्ञान में प्रमाण पत्र	
	विश्वविद्यालय,हल्द्वानी		/ योग एवं प्राकृतिक	
			चिकित्सा में प्रमाण पत्र	
6	वेद निकेतन धाम भूपतवाला ,	24 जनवरी 2020 से 02 फरवरी 2020	एम० ए० योग द्वितीय	
	हरिद्वार।	तक प्रयोगात्मक परीक्षा 03 फरवरी 2020	वर्ष	
7	वेद निकेतन धाम भूपतवाला ,	24 जनवरी 2020 से 02 फरवरी 2020	एम० ए० योग प्रथम वर्ष	
	हरिद्वार ।	तक प्रयोगात्मक परीक्षा 03 फरवरी 2020		

Appendix XII- वार्षिक लेखा (Financial Statements – 2019–20)



MUKESH USHA & ASSOCIATES

CHARTERED ACCOUNTANTS

CHARTERED ACCOUNTANTS'S REPORT

We have compiled the attached Balance Sheet as at 31st March, 2020 and the Income and Expenditure for the year ended on that date, attached herewith, of M/s. UTTARAKHAND OPEN UNIVESITY (Fee Fund), Haldwani alongwith Notes on Accounts attached herewith this report.

We report that;

- 1. The Balance Sheet and the Income & Expenditure Account dealt with this report are in agreement with the Books of Account maintained at its office at Haldwani.
- 2. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our compilation.
- **3.** In our opinion, proper book of accounts have been kept by the M/s. UTTARAKHAND OPEN UNIVESITY (Fee Fund), Haldwani so far as appears from our examination of these books.
- **4.** In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said accounts give a true and fair view;

In the case of Balance Sheet, of the State of Affairs of M/s. UTTARAKHAND OPEN UNIVESITY (Fee Fund), Haldwani as at 31st March, 2020.

And

In case of Income & Expenditure Account, of the Surplus for year ended on that date.

CA MADHUBALA KAPOOR, A.C.A.

[Membership No.: 452651] For & On Behalf Of

MUKESH USHA & ASSOCIATES

Place : Haldwani Chartered Accountants
Firm Regn. No.: 010724C

"SANKALP"

A-16, Ganga Enclave, Behind Mahila Degree College, Nawabi Road, Haldwani, (Nainital) Uttarakhand Ph.: 05946-224588, 327160, Mob.: 94120-87464, **7060087464** E-mail: mushaca01@gmail.com

Date: 05.02.2021

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR HALDWANI (NAINITAL)

BALANCE SHEET AS ON 31st. MARCH, 2020

CAPITAL FUND :		AMOUNT(Rs.			AMOUNT(Rs.
Op. Balance as on 01.04.2019 Less:Excess of Income Over Exp.	67,17,55,881.13 15,46,96,322.68	82,64,52,203.81	FIXED ASSETS : (As Per Annexure) CURRENT ASSETS:		3,97,56,645.00
VCWF A\c		31,58,506.65	Adances To Staff (As Per Annexure)		3,15,54,763.34
CURRENT LIABILITIES & PROVISION:	35,64,098.00		FDR With Banks (As Per Annexure)		50,82,78,115.46
UOU State Fund	69,97,934.80	1,05,62,032.80	Sundry Debtors & Advances		6,19,986.46
			TDS AY 2019-20 TDS AY 2020-21	13,00,118.00 25,99,031.00	38,99,149.00
Provisions Car Advance /Aries/HBA1 GSLI SSLI Security Money Cheque Reversal A\c GST Payable PS Payable	7,519.00 1,600.00 (5,73,000.00) 47,96,690.00 1,45,515.00 5,96,043.04	49,74,367.04	Closing Balance : - Cash In Hand - Bank Balances (As Per Annexure)		30,756.00 26,10,07,695.04
	_	84,51,47,110.30			84,51,47,110.30

Checked & Compiled on the basis of Books.
Records & Checked & Compiled to us.

HALDWAN

CA MADHUBALA KAPOOR, A.C.A.
For & On Behalf of
MUKESH USHA & MSSOCIATES
Chartered & Countants
M. No. 452651

Firm Reg. No 010724C

Date: 05.02.2021 Place: Haldwani

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR HALDWANI (NAINITAL)

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31st. MARCH, 2020

Sy Salary - Teachers/Staff 8,23,93,283.56 To Receipt - Fees 40,88,73,121
Transferred to Capital Fund A/c 15,46,96,322,68

Checked & Compiled on the basis of Books.
Records & Informations provided to us
HALDWALLAND.

CA MADRUBALA KAPOOR, A.C.A.
For & On Behart of
MUKESH USHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
M. No. 452651
Firm Reg. No 010724C

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

Date : 05.02.2021 r³lace : Haldwani

Appendix XIII (परिशिष्ट –XIII)

क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची (List of Regional Centres)

S.	Regional	Code	Regional	Address	Contact No.	E-mail
No	Centre		Director			
1	Dehradun	11	Dr. Sandeep Negi	Sri Guru Ram Rai Post Graduate College (SGRR PG College), Patthribagh, Dehradun, India, Dehradun, Uttarakhand 248001	9412031183 0135-2720027	dehradun@uou.ac.in
2	Roorkee	12	Dr. Rajesh Chandra Paliwal	B.S.M. P.G. COLLEGE, Railway Road, Roorkee- 247667 Disst. Haridwar(Uttarakhand)	919412439436 01332-274365	roorkee@uou.ac.in
3	Pauri	14	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B.Garhwal Central University, Pauri Campus, City - Pauri, PIN – 246001	9412960687 01368-223308	pauri@uou.ac.in
4	Uttarkashi	15	Dr. Suresh Chandra	Ram Chandra Uniyal Government Post Graduate College, Uttarkashi Tehsil- Bhatwari Uttarkashi - 249193	01374-222004 9557557880	uttarkashi@uou.ac.in
5	Haldwani	16	Dr. Rashmi Pant	Motiram Baburam Govt. Post Graduate College Nainital Road, Haldwani - 263139	9411162527 05946-284149	haldwani@uou.ac.in
6	Ranikhet	17	Dr. Yogendra Chandra Singh	Government (PG) College Ranikhet, District Almora – 263647,	05966-220474 9997272828	ranikhet@uou.ac.in
7	Pithoragar h	18	Dr. Bipin Chandra Pathak	L.S.M. Government PG College, Post office- Degree College, Pithoragarh, Dist- Pithoragarh PIN – 264015	9412093678 05964-264015	pithoragarh@uou.ac.in
8	Bageshwar	19	Dr. B.C Tiwari	Government PG College, Tehsil & Distt Bageshwar, PIN – 263642 (Uttarakhand)	9412044914 05963-221894	bageshwar@uou.ac.in

Appendix XIV (परिशिष्ट –XIV) अध्ययन केंद्रों की सूची(List of Study Centres)

Region: Dehradun (11)

Sl.No	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	11000	UOU Model Study Centre Dehradun Campus	C-27, THDC Colony, Ajabpur kalan, Near Bangali kothi chowk, Doon University Road, Dehradun	Mr. Narendra Jaguri
2.	11017	Uttaranchal Ayurvedic College	17, Old Mussorie Road, Rajpur, City & Distt Dehradun PIN – 248009 (Uttarakhand)	Dr. Akshay Kumar Gaur
3.	11020	SGRR PG college, Pathribagh	Pathribagh, City & Distt. – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarkhand)	Dr. Harshvardhan Pant
4.	11101	Madhuban Academy of Hospitality Administration and Research (MAHAR)	Campus Hotel Madhuban Rajpur Road, Distt. – Dehradun PIN – 248001 (Uttarkhand)	Sh. Suraj Kumar
5.	11112	VSKC Govt. Degree College, Dakpather DEHRADUN	Govt. Degree College, Dakpatthar, City – Dehradun, Distt. – Dehradun, PIN – 222481 (Uttarakhand)	Dr. Rakesh Mohan Nautiyal
6.	11113	UTTARANCHAL INSTITUTE OF HOSPITALITY MANAGEMENT AND TOURISM DEHRADUN	Ghar Vihar Phase 2, Mohakampur, City & Distt. Dehradun, PIN – 248 005 (Uttarakhand)	Sh. Sanjay Joshi
7.	11115	D.D. College	25, NIMBUWALA City & Distt. – Dehradun, PIN – 248 003 (Dehradun)	Sh. Jitesh Singh
8.	11125	Pandit Lalit Mohan Sharma Govt. P.G. College, Rishikesh	Pandit Lalit Mohan Sharma Govt. P.G. College, Rishikesh Distt. – Dehradun Pin Code – 249201	Dr. Ved Prakash
9.	11126	M.P.G. College Mussoorie	M.P.G. College Mussoorie Distt. – Dehradun Pin Code – 248179	Sh. Anil Khanduri
10.	11127	Universal Institute of Professional Studies, Rishikesh	Universal Institute of Professional Studies, 102, Taj Complex, Ambedkar Chowk, Rishikesh	Sh. Kushal Bisht
11.	11128	Govt. Degree College, Raipur	Post office- Maldevta, Raipur Distt- Dehradun, Raipur Uttarakhand	Dr. Ashish Kumar Sharma
12.	11129	Modern Institute of Technology	Dhalwala, Rishikesh Dhalwala, Rishikesh, Distt- Dehradun	Dr. L. M. Joshi
13.	11130	Sardar Mahipal Rajendra Degree College	Sahiya, Tehsil- Kalsi, Distt- Dehradun Uttrakhand, Pin-248196	Dr. Pushpa Jhaba
14.	11131	Universal Gairola Tourism & Technical Excellency (UGTE)	Near Nepali Farm Tiraha, Dehradun Road Village Khairi Khurd, SHyampur, Rishikesh, Distt- Dehradun Uttrakhand, Pin-249204	Dr. Surendra Prasad Rayal
15.	11132	Rishikesh Yog Dham Sansthan	Tapovan, Rishikesh, Distt- Dehradun Uttrakhand, Pin-249192	Dr. Vijerndra Prasad Kaparwan
16.	11133	Institute of Technology &	60 Chakrata Road Dehradun, Distt-	Sh. Ashutosh Uniyal

		Management	Dehradun Uttrakhand, Pin-248196	
17.	11134	Government Degree Collage,	Pawika Devi Tehri Garhwal, Pin - 249192	Dr. Sangeeta Bahuguna
18.	11135	Mahayogi Gurugorakhnath Degree College	Bithyani (Yamkeshwar) Post Office Chai Damrada, Dist. – Pauri Garhwal, Pin-246121	Sh. Ram Singh Samant
19.	11136	Sri Gulab Singh Rajkiya Mahavidyalaya Purodi	Mussoorie road, Chakrata, District- Dehradun Pin Code 248123	Dr. Sunil Kumar-
20.	12036	Omkarananda Institute of Management & Technology	Swami Omkaranand Saraswati Marg, Muni ki Reti, Via – Rishikesh, P.O Shivananda Nagar City – Rishikesh, Distt Tehri Garhwal, (Uttarakhand) Pin – 249192	Mr. Naveen Dwivedi

Region: Roorkee (12)

S.	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
No.			Kanya Curukul Campus Near Chhati Nahar	
1.	12002	HEC PG College	Kanya Gurukul, Campus, Near Chhoti Nehar, Kankhal, Haridwar, PIN – 249408	Sh. Tara Singh (9358222796)
2.	12004	Swami Darshnananda Institute of Management & Technology	Gurukul Mahavidhyalay, Jwalapur, Haridwar, PIN – 249407	Dr. JaiLaxmi (8791313033)
3.	12008	BSM PG College Roorkee	Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247 667	Sh. Rajnish Sharma (9837006200)
4.	12011	RMP PG College Roorkee	Gurukul Narsan, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247670	Dr. Savendra Singh (9412465331)
5.	12012	Chaman Lal Degree College Landhaura	Landhaura, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667	Dr. Sushil Upadhyay (9997998050)
6.	12020	Vidhya Vikasini Degree College of Management & Technology	Gurukul Narsan , Haridwar, PIN – 247670	Dr. Priya Chaturvedi
7.	12022	City Degree College Of Management & Technology	Mohalla Sot Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667	Mr. Shubhdeep Verma (7351176648, 9837104233)
8.	12034	Kunti Naman Degree College	NH-58, Near Patanjali Yogpeeth Phase –II, Bhadedi, Rajputan, Roorkee, Distt. Haridwar	Sh. Narendra Kumar (9719925486)
9.	12037	Babu Ram Degree College	7 KM. Milestone, Roorkee-Dehradun Highway, Saliyar, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667	Sh. Yogesh Kumar Kashyap (9997969588)
10.	12042	Government P.G College Kotdwar	Kotdwar, Distt- Pauri Garhwal PIN – 246149	Dr. Praveen Joshi (Coordinator) (9412025727)
11.	12047	Roorkee Divya Yog Sanshthan	Chudiyala Road, Bhagwanpur, Roorkee, Distt. Haridwar	Mr. Amit Kumar (9837179363)
12.	12058	Sai Institute	Govindpuri, Haridwar, Distt. Haridwar, PIN – 249401	Sh. Sanjeev Sharma (9368421419)
13.	12061	Mohini Devi Degree College	Iqbalpur Road, Asaf Nagar (Near Shastri Puram), Roorkee, Distt. Haridwar, Pin – 247667	Ms. Maneesha Singhal (8445003279)
14.	12072	Pilot Baba Institute	Dakash Road, Kankhal, Jagjitpur, Haridwar, PIN – 249408	Dr. Vishwas Chand (9286093196)
15.	12076	Mahendra Singh Degree College	Budhwa Shahid, Buggawala, Haridwar	Dr. Roma (9760810025)
16.	12078	Government Degree College	Manglour, Near Manak Chowk, Distt. Haridwar	Dr. Anurag (9690423852)
17.	12079	Hariom Saraswati P.G. College	Dhanauri, Distt. Haridwar	Dr Sharad Kumar Pandey (9012271593)
18.	12080	H E C Group of Institutions	Laksar Road Jagjeetpur Haridwar, PIN – 249408	Dr. Mausmi Goel (9358222793)
19.	12081	Jhanvi Ayurveda Evam Yog Sansthan	Haripur Kalan, Near Prem Vihar Chowk, Haridwar, Pin – 249410	Sh. Manoj Sharma (9411450656)
20.	12082	Sita Ram Degree College	Sunhera, Roorkee, Distt. Haridwar Pin – 247667	Sh. Arvind Vedwan

					(9557555776)
21	1.	12083	Rishi Yog Sansthan	Purvi Nath Nagar, Jwalapur, Haridwar, Pin – 249407	Sh. Vishal Mahindru (7417883329)
22	2.	12084	Pherupur Degree College	Pherupur (Ramkhera) Distt. Haridwar, Pin – 249404	Sh. Naveen Kumar (7533879579)
23	3.	12085	Swami Vivekanand College of Education	Matlabpur, Near Guru Ram Rai Public School, Dehradun Road Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667	Dr. Sushil Bhadula (9027571658)

Region: Pauri (14)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	14003	Government Degree College	Degree College Vedikhal (Pauri Garhwal)	Dr. Avtar Singh Negi (8755882229)
2.	14005	Govt. P.G. College Lansdowne	Lansdowne (Pauri Garhwal), Jaiharikhal, PIN – 246193	Dr. Diwakar Chandra Bebni (9410114009)
3.	14009	H.N.B. Garhwal Central University Campus	Srinagar, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246001	Dr. M C Purohit (7055397380)
4.	14018	Government PG College, Agastyamuni	Agastyamuni, Distt. Rudraprayag, PIN – 246421	Dr. L D Gagrya (9412935904)
5.	14046	Govt. Degree College Chandrabadni	Chandrabadni, Jamnikhal, Tehri Garhwal (Naikhari) PIN - 249112	Dr. Pratap Singh Bisht (9639424193)
6.	14047	Govt. Degree College Nagnath Pokhari	Nagnath Pokhari, Distt. Chamoli, PIN – 246473	Dr. Sanjeev Kumar Juyal (9412115761)
7.	14048	Than Singh Rawat Govt Degree College	Nainidanda Patotia, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246277	Dr. Vivek Kumar Kedia (8755614449)
8.	14049	Government Degree College Thalisain (Pauri)	Thalisain Patti, Choprakot, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246285	Dr. Jagsish Chandra Bhatt (9411319412)
9.	14050	Government Degree College Chaubattakhal	Chaubattakhal, Chamnau Post, Garhwal, Pin – 246162	Dr. Praveen Kumar Dhobal (9690636549)
10.	14051	Government Degree College Mazra Mahadev	Mazra Mahadev, Sunar Gaon, Chaura, Distt. Pauri Garhwal, PIN - 246130	Dr. Rakesh Chandra Joshi (9760785039)

Region: Uttarkashi (15)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	15016	RCU Govt. P.G. College Uttarkashi	Near Azad Maidan/ Police Kotwali, Uttarkashi, PIN – 249193	Dr. Devendra Dutt Painuly (9410781617)
2.	15024	P.S.B. Govt. Degree College Lambgaon	Lambgaon, Pratapnagar, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249165	Dr. Bharat Singh Chufal, 9557661778
3.	15027	Rajendra Singh Rawat Govt. Degree College Barkot	Barkot, Distt. Uttarkashi, PIN – 249193	Dr. Vijay Bahuguna (9456300001)
4.	15028	Government Degree College Thatyur	Thatyur, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249180	Dr. Kunwar Singh (7895435281)
5.	15029	Government Post Graduate College New Tehri	New Tehri, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249001	Dr. D P S Bhandari (9412921719)

Region: Haldwani (16)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	16000	UOU Model Study Centre, Open University, HQ	University Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass), Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Dr. Dinesh Kumar (9837875234)
2.	16003	Amrapali Institute of Applied Sciences	Shiksha Nagar, Lamachaur, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Sh. Pankaj Pandey (7055500715)
3.	16011	The Indian Institute of Management & Technology	Near Gas Godam, Chowk Kaladhungi Road Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Sh. Adarsh Pant- 9557952121
4.	16022	PNG Government PG	Ramnagar, Distt. Nainital, PIN – 244715	Dr. Kiran Kumar Pant

वार्षिक प्रतिवेदन

		College		(9410779508)
5.	16023	S.B.S Government P.G College	Fazalpur Mahraula, Rampur Road, Distt. U.S Nagar, PIN - 263153	Dr. Harish Chadra (997803455)
6.	16034	M.B.P.G College	Nainital Road, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Dr. Rashmi Pant (9411162527)
7.	16047	Renaissance College of Hotel Management & Catering Techonology	Basai, Peerumadara, Ramnagar, Distt. Nainital, PIN – 244715	Mr. Jitendra Joshi (9927083058)
8.	16052	Radhey Hari Government Degree College Kashipur	Kashipur, Distt. U.S Nagar, PIN – 244713	Dr. Mahipal Singh (9412518666, 7830587872)
9.	16071	Govt. Degree College Kotabagh	Selsiya, Chak Dhauladi , Kotabagh, Distt. Nainital, PIN – 263159	Dr. H. C Joshi (9456780252)
10.	16072	Pt. Poornand Tiwari Government Degree College Doshapani	Pokhrad, Dhari, Distt. Nainital, PIN – 263136	Dr. R S Bhakuni (9412364210)
11.	16090	H.N.B. Govt. PG College	Near Telephone Exchange, Khatima, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262308	Dr. Ashutosh Kumar (9412986341)
12.	16097	Pal College of Technology and Management	RTO Road Kusumkhera, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Mr Bhanu Bisht (8477973333)
13.	16099	AIM Institute of Hotel Management	Bareilly Road, Goraparao, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263 139	Sh. Kamal Tiwari (7351720222)
14.	16100	Chanakya Law College	Bhamrola, Kichha Road Rudrapur, District-Udham Singh Nagar, PIN – 263153	Ms. Deepakshi Joshi (8057203116)
15.	16101	Govt. Degree College Banbasa	Banbasa, Chandani, Tanakpur, Distt Champawat, PIN – 262310	Dr. B N Dixit (9473900123, 9410101810)
16.	16103	Dr. Susheela Tiwari Institute of Hotel Management	Rampur Road Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Sh. Kamlesh Harbola (9808104954)
17.	16104	Ayurvedic College	Panchayat Ghar, Rampur road, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Sh. Vimal Katiyar (9897110510)
18.	16116	Govt. Degree College Tanakpur	Tanakpur, Distt- Champawat, Pincode- 262309	Dr. Sunil Kumar Katiyar (8126222894)
19.	16117	Indira Priyadarshni Govt. P G Women Commerce College	Nawabi Road, Haldwani, Distt – Nainital, PIN – 263139	Dr. Fakeer Singh (9412504182)
20.	16118	Govt. Degree College Sitarganj	Sisouna, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262405	Dr. Rajvinder Kaur (8279688114)
21.	16119	R.L.S Memorial Degree College Jaspur	NH-74, Afzalgarh Road Kishanpur Teh- Jaspur	Mohd. Salim (7351986736)
22.	16120	Govt. P G College Rani Nangal	Rani Nangal, Fauzi Colony, Bazpur, Distt. Udham Singh Nagar	Dr. Satya Prakash Sharma (9412929795)
23.	16121	Dr. Sushila Tiwari Private degree College	Chintimazra, Sitarganj, Distt. Udham Singh Nagar	Dr. Shivendra (9634246369)
24.	16122	Government Degree College Patlot	Patlot, Distt. Nainital	Dr. Abha Tripathi (8126487969)
25.	16123	Lal Bahadur Shastri Government Degree College	Halduchaur, Haldwani, Distt. Nainital, Pin – 263139	Dr. Sunil Pant (9412017307)
26.	16124	Vasudev College of Law Lamachaur	Lamachaur, Haldwani, Distt. Nainital, Pin – 263139	Dr. Madhevi Joshi (758395228)
27.	16125	MIET Kumaun Engineering College	Lamachaur, Haldwani , Distt. Nainital Pin – 263139	Sh. Tarun Kumar (9720615304)
28.	16126	Devsthali Vidyapeeth (Department of Professional Education)	Kachchi Khamariya, Lalpur, Kichcha Rudrapur Road Rudrapur, Distt. Udham Singh Nagar, PIN -263148	Sri Gurpreet Singh (9917130150)
29.	16127	Aman Education Trust (Educity Institute)	Majhola, Khatima, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262308	Sh. Jagjeet Singh (9719595193)

Region: Ranikhet (17)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	17007	Govt. P.G. College Ranikhet	Ranikhet, Distt. Almora, PIN – 263645	Dr. J S Rawat (9410958526)
2.	17013	Govt. P.G. College	Dwarahat, Distt. Almora, PIN – 263653	Dr. Nazish Khan (9897443821)

		Dwarahat		
3.	17030	Government Degree College Karanprayag	Karanprayag, Distt. Chamoli, PIN – 246444	Dr. Ramesh Chandra Bhatt (9456153590)
4.	17059	Government Degree College Bhikiyasen	Bhikiyasen, Ranikhet Sadar Bazar	Dr. Kamal Kishore (9760433632)
5.	17062	Govt. Degree College Chaukhutia	Chaukhutia (Ganai) Distt. Almora, PIN – 263656	Dr. Siraz Ahmad (9917314786)
6.	17063	Government Degree College Gairsain	Gairsain, Distt. Chamoli, Pin – 246428	Dr. Ram Chandra Singh (7895973342)
7.	17065	Govt. Degree College Bhatronjkhan	Bhatronjkhan, Distt. Almora, PIN – 263646	Dr. Ajay Kumar (7500938912)
8.	17066	S.R.D.U. government P.G. College	Manila, Distt. Almora, PIN – 263667	Dr. Yogesh Chandra (7248455032)
9.	17067	Government Post Graduate College Siyalde	Siyalde, Distt. Almora, PIN – 263667	Dr. Gokul Singh Satyal (9410184248)
10.	17068	Government Post Graduate College Gopeshwar	Gopeshwar, Distt. Chamoli, PIN – 246401	Dr. Akhilesh Kukreti (9528021480)
11.	17069	Kumaun University S.S.J. Campus	Almora, Distt- Almora, PIN – 263601	Prof. P S Bisht (9412092013)
12.	17070	Shri Ram Singh Dhoni Government Degree College	Jainti, Distt. Almora, PIN – 263626	Prof. Neeta Pande (9412084016)
13.	17071	Hukum Singh Bora Govt. Degree College	Someshwar, Distt. Almora PIN – 263637	Dr. Chandra Prakash Verma
14.	17072	Government Degree College Nandasain	Malai, Distt. Chamoli, PIN – 246487	Dr. Amar Chand Vishwakarma
15.	17073	Government Degree College Gurudabaj	Gurudabaj, Tehsil Bhanoli, Distt. Almora, PIN – 263623	Dr. Manju Chandra (9410309610)

Region: Pithoragarh (18)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	18002	L .S. M. Govt. P.G. College Pithoragarh	Pithoragarh , Distt. Pithoragarh, PIN – 262502	Dr. Jeevan Singh Garia (9412344737)
2.	18004	Govt. P.G. College Narayan Nagar	Narayan Nagar, Distt. Pithoragarh, PIN – 262550	Dr. Pramod Kothari (9412093637)
3.	18011	Govt. P.G. College Lohaghat	Chori, Lohaghat, Distt. Champawat, Pin – 262524	Dr. Dharmendra Rathor (9412032748)
4.	18029	Govt. Degree College Champawat	Fulara Gaon, Champawat, Distt. Champawat, PIN – 262523	Dr. B P Oli (9412042292)
5.	18031	Govt. Degree College Dharchula	Baluwakote, Dharchula, Distt. Pithoragarh, PIN – 262576	Dr. Jagat Singh Kathayat (9412952139)
6.	18032	Govt. PG College Berinag	Berinag, Distt. Pithoragarh, PIN– 262531	Dr. J N Pant (9756536121, 9411347657)
7.	18033	Govt. Degree College Gangolihat	Gangolihat, Distt. Pithoragarh, PIN–262522	Dr. Shashi Pratap Singh (7248508011, 9453466892)
8.	18035	Govt. Degree CollegeGanai Gangoli	Ganai Gangoli, Distt. Pithoragarh, PIN – 262532	Dr. Munish Kumar Pathak (9690770069)
9.	18036	Govt. Degree College Muwani	Muwani, Distt. Pithoragarh, PIN – 262572	Dr. Ashish Kumar Gupta (9336076924, 8392897587)
10.	18037	Govt. Degree College Amodi	Amodi, Distt. Champawat, PIN – 262523	Dr. Sanjay Kumar (9412943265)
11.	18038	Government Degree College Munsyari	Munsyari, Distt. Pithoragarh, PIN – 262554	Dr. Pradeep Mandol (9091949198)
12.	18039	Government Degree College Devidhura	Kanvad, Devidhura, Distt. Champawat, PIN – 262580	Dr. S K Singh (8006759831)

Region: Bageshwar (19)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	19001	Govt. P.G. College Kathayatbara	Kathayatbara , Distt. Bageshwar, PIN - 263642	Dr. Lalit Mohan (9410965615)
2.	19016	Late Chandra Singh Shahi Govt. Degree College Kapkot	Ason, Kapkot, Distt. Bageshwar, PIN – 263632	Dr. Munna Joshi (9690114546)
3.	19022	Govt. Degree College Kanda	Kanda, Distt. Bageshwar, PIN - 263631	Prof. Dinesh Joshi (8755086027)
4.	19023	Govt. PG College Talwari	Talwari, Tharali, Distt. Chamoli, PIN – 246482	Sh. Shankar Ram (7017143861, 9456175089)
5.	19024	Govt. Degree College Garur	Garur, Distt. Bageshwar, Pin – 263641	Dr. Awadesh Tiwari (9997575114)

क्रम संख्या - 137 (ख)

पंजीकृत संख्या- यू.ए./डी.एन.-30/03 लाइसेन्स टू पोस्ट विदाउट प्रीपेमेन्ट



सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

<u>असाधारण</u>

विधायी परिशिष्ट

भाग-1, खण्ड (क)

(उत्तरांचल अधिनियम)

देहरादून, सोमवार, 31 अक्टूबर, 2005 ई. कार्तिक 09, 1927 शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 608/विधायी एवं संसदीय कार्य/ 2005

देहरादून, 31 अक्टूबर, 2005

अधिसूचना विविध

"भारत का संविधान" के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय विधेयक, 2005 पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2005 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।"

उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005 (अधिनियम संख्या 23, वर्ष 2005)